झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग

कालीनगर, चायबगान, नामकोम, राँची–834010

e-mail- jharkhand_ssc@rediffmail.com

विवरणिका

विज्ञापन संख्या– 02/2025

झारखण्ड प्रशिक्षित माध्यमिक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा – 2025

JTMACCE-2025

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्र संख्या – 3236 (अनु॰), दिनांक–02.06.2025 द्वारा अग्रसारित स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता (माध्यमिक शिक्षा निदेशालय) विभाग के पत्रांक–1656 दिनांक–26.05.2025 द्वारा संसूचित रिक्तियों के विरूद्ध नियुक्ति के लिए भारत के नागरिकों से विहित प्रपत्र में ''**झारखण्ड प्रशिक्षित माध्यमिक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा – 2025**'' के लिये ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। अभ्यर्थी विवरणिका की विभिन्न कंडिकाओं में विहित शैक्षणिक एवं अन्य योग्यता तथा निर्धारित आयु सीमा के अन्तर्गत आवेदन दे सकते हैं। ऑनलाईन (Online) आवेदन आयोग के वेबसाईट https://jssc.jharkhand.gov.in पर लॉगईन (Login) करके समर्पित किया जा सकता है।

1. परीक्षा शुल्कः–

(क) परीक्षा शुल्क रू॰ 100/– (सौ रूपये) है।

<u>परीक्षा शुल्क में छूट</u> – झारखण्ड राज्य के अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिये परीक्षा शुल्क रू॰ 50/– (पचास रूपये) है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–8559, दिनांक–23.10. 2019 के आलोक में झारखण्ड राज्य के 40% अथवा इससे अधिक निःशक्तता वाले दिव्यांग अभ्यर्थियों को परीक्षा शुल्क में छूट अनुमान्य है। झारखण्ड राज्य के स्थानीय निवासी अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति कोटि से इतर कोटि के अभ्यर्थियों द्वारा रियायती दर पर परीक्षा शुल्क भरे जाने की स्थिति में उनके आवेदन पत्र को रद्द करते हुए उनकी अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जा सकती है। बिना परीक्षा शुल्क भुगतान किये आवेदन पत्र स्वीकार नहीं होंगे और वे रद्द किये जा सकेगें। परीक्षा शुल्क अप्रतिदेय (Non Refundable) होगा।

2. रिक्तियों का विवरण :–

क्र॰ सं॰	पदनाम	आरक्षण कोटि	पदों की संख्या						
			कुल रिक्ति	कुल रिक्ति के अधीन क्षैतिज आरक्षण					
				महिला	दृष्टि निःशक्तता (PH-VI)	मूक बधिर निःशक्तता (PH-DD)	चलन निःशक्तता / सेरेब्रल पाल्सी (PH-PC/CP)	स्वलीनता/बौद्धिक निःशक्तता/बहु निःशक्तता (Autism & Multi Disorder)	खेलकूद कोटा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	माध्यमिक आचार्य, राजनीतिशास्त्र	1. अनारक्षित	89	4	03	02	02	02	04
		2. आ॰ क॰ व॰	22	1					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	57 (01 पद आ॰ ज॰ ज॰ के लिए क्षैतिज रूप में आरक्षित)	3					
		4. अ॰ जा॰	22	1					
		5. अ॰ पि॰ व॰(अनु॰–1)	18	1					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	13	1					
		योग :–	**221**	11	**03**	**02**	**02**	**02**	**04**
2.	माध्यमिक आचार्य, समाजशास्त्र	1. अनारक्षित	65	3	02	02	01	01	03
		2. आ॰ क॰ व॰	15	1					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	41 (01 पद आ॰ ज॰ ज॰ के लिए क्षैतिज रूप में आरक्षित)	2					
		4. अ॰ जा॰	16	1					
		5. अ॰ पि॰ व॰(अनु॰–1)	13	1					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	9	0					
		योग :–	**159**	**8**	**02**	**02**	**01**	**01**	**03**
3.	माध्यमिक आचार्य, मनोविज्ञान	1. अनारक्षित	22	2	01	01	00	00	01
		2. आ॰ क॰ व॰	5	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	14	1					
		4. अ॰ जा॰	5	0					
		5. अ॰ पि॰ व॰(अनु॰–1)	4	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	3	0					
		योग :–	**53**	**3**	**01**	**01**	**00**	**00**	**01**
4.	माध्यमिक आचार्य, मानवशास्त्र	1. अनारक्षित	9	1	01	00	00	00	00
		2. आ॰ क॰ व॰	2	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	5	0					
		4. अ॰ जा॰	2	0					
		5. अ॰ पि॰ व॰(अनु॰–1)	2	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	1	0					
		योग :–	**21**	**1**	**01**	**00**	**00**	**00**	**00**
5.	माध्यमिक आचार्य, दर्शनशास्त्र	1. अनारक्षित	9	1	01	00	00	00	00
		2. आ॰ क॰ व॰	1	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	5	0					
		4. अ॰ जा॰	2	0					
		5. अ॰ पि॰ व॰(अनु॰–1)	1	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	1	0					
		योग :–	**19**	**1**	**01**	**00**	**00**	**00**	**00**
6.	माध्यमिक आचार्य, गृह विज्ञान	1. अनारक्षित	39	4	01	01	01	01	02
		2. आ॰ क॰ व॰	9	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	25 (01 पद आ॰ ज॰ ज॰ के लिए क्षैतिज	1					

क्र॰ सं॰	पदनाम	आरक्षण कोटि	पदों की संख्या						
			कुल रिक्ति	कुल रिक्ति के अधीन क्षैतिज आरक्षण					
				महिला	दृष्टि निःशक्तता (PH-VI)	मूक बधिर निःशक्तता (PH-DD)	चलन निःशक्तता / सेरेब्रल पाल्सी (PH-PC/CP)	स्वलीनता / बौद्धिक निःशक्तता / बहु निःशक्तता (Autism & Multi Disorder)	खेलकूद कोटा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			रूप में आरक्षित)						
		4. अ॰ जा॰	10	0					
		5. अ॰ पि॰व॰(अनु॰–1)	7	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	6	0					
		योग :–	**96**	**5**	**01**	**01**	**01**	**01**	**02**
7.	माध्यमिक आचार्य, भूगर्भशास्त्र	1. अनारक्षित	13	2	01	00	00	00	01
		2. आ॰ क॰ व॰	3	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	8	0					
		4. अ॰ जा॰	3	0					
		5. अ॰ पि॰व॰(अनु॰–1)	3	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	2	0					
		योग :–	**32**	**2**	**01**	**00**	**00**	**00**	**01**
8.	माध्यमिक आचार्य, आर्टिपिफशियल इंटेलिजेंस एवं कोडिंग	1. अनारक्षित	22	3	01	01	00	00	01
		2. आ॰ क॰ व॰	5	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	14	1					
		4. अ॰ जा॰	5	0					
		5. अ॰ पि॰व॰(अनु॰–1)	5	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	3	0					
		योग :–	**54**	**4**	**01**	**01**	**00**	**00**	**01**
9.	माध्यमिक आचार्य, साइबर सिक्यूरिटी एवं डेटा साइन्स	1. अनारक्षित	22	3	01	01	00	00	01
		2. आ॰ क॰ व॰	5	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	14	1					
		4. अ॰ जा॰	5	0					
		5. अ॰ पि॰ व॰(अनु॰–1)	5	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	3	0					
		योग :–	**54**	**4**	**01**	**01**	**00**	**00**	**01**
10.	माध्यमिक आचार्य, कम्प्यूटर साइंस	1. अनारक्षित	53	4	02	01	01	01	03
		2. आ॰ क॰ व॰	13	1					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	34 (01 पद आ॰ ज॰ ज॰ के लिए क्षैतिज रूप में आरक्षित)	1					
		4. अ॰ जा॰	13	1					
		5. अ॰ पि॰ व॰(अनु॰–1)	10	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	8	0					
		योग :–	**131**	**7**	**02**	**01**	**01**	**01**	**03**
11.	माध्यमिक आचार्य, अप्लायड इंग्लिश	1. अनारक्षित	22	3	01	01	00	00	01
		2. आ॰ क॰ व॰	5	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	14	1					
		4. अ॰ जा॰	5	0					
		5. अ॰ पि॰ व॰(अनु॰–1)	5	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	3	0					
		योग :–	**54**	**4**	**01**	**01**	**00**	**00**	**01**
12.	माध्यमिक आचार्य, उर्दू	1. अनारक्षित	37	3	01	01	01	01	02
		2. आ॰ क॰ व॰	9	0					

क्र॰ सं॰	पदनाम	आरक्षण कोटि	पदों की संख्या						
			कुल रिक्ति	कुल रिक्ति के अधीन क्षैतिज आरक्षण					
				महिला	दृष्टि निःशक्तता (PH-VI)	मूक बधिर निःशक्तता (PH-DD)	चलन निःशक्तता / सेरेब्रल पाल्सी (PH-PC/CP)	स्वलीनता/बौद्धिक निःशक्तता/बहु निःशक्तता (Autism & Multi Disorder)	खेलकूद कोटा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		3. अ॰ ज॰ जा॰	24	2					
		4. अ॰ जा॰	9	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	7	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	6	0					
		योग :–	**92**	**5**	**01**	**01**	**01**	**01**	**02**
13.	माध्यमिक आचार्य, संथाली	1. अनारक्षित	34	3	01	01	01	00	02
		2. आ॰ क॰ व॰	8	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	21	1					
		4. अ॰ जा॰	8	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	7	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	5	0					
		योग :–	**83**	**4**	**01**	**01**	**01**	**00**	**02**
14.	माध्यमिक आचार्य, बंगला	1. अनारक्षित	11	1	01	00	00	00	01
		2. आ॰ क॰ व॰	2	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	6	0					
		4. अ॰ जा॰	3	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	2	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	1	0					
		योग :–	**25**	**01**	**01**	**00**	**00**	**00**	**01**
15.	माध्यमिक आचार्य, मुण्डारी	1. अनारक्षित	7	1	01	00	00	00	00
		2. आ॰ क॰ व॰	1	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	4	0					
		4. अ॰ जा॰	2	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	1	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	1	0					
		योग :–	**16**	**1**	**01**	**00**	**00**	**00**	**00**
16.	माध्यमिक आचार्य, हो	1. अनारक्षित	11	1	01	00	00	00	01
		2. आ॰ क॰ व॰	2	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	7	0					
		4. अ॰ जा॰	3	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	2	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	1	0					
		योग :–	**26**	**01**	**01**	**00**	**00**	**00**	**01**
17.	माध्यमिक आचार्य, कुडुख	1. अनारक्षित	10	1	01	00	00	00	00
		2. आ॰ क॰ व॰	2	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	6	0					
		4. अ॰ जा॰	3	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	2	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	1	0					
		योग :–	**24**	**01**	**01**	**00**	**00**	**00**	**00**
18.	माध्यमिक आचार्य,	1. अनारक्षित	5	1	00	00	00	00	00
		2. आ॰ क॰ व॰	0	0					

क्र॰ सं॰	पदनाम	आरक्षण कोटि	पदों की संख्या						
			कुल रिक्ति	कुल रिक्ति के अधीन क्षैतिज आरक्षण					
				महिला	दृष्टि निःशक्तता (PH-VI)	मूक बधिर निःशक्तता (PH-DD)	चलन निःशक्तता / सेरेब्रल पाल्सी (PH-PC/CP)	स्वलीनता/बौद्धिक निःशक्तता/बहु निःशक्तता (Autism & Multi Disorder)	खेलकूद कोटा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	कुरमाली	3. अ॰ ज॰ जा॰	3	0					
		4. अ॰ जा॰	1	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	1	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	0	0					
		योग :–	**10**	**01**	**00**	**00**	**00**	**00**	**00**
19.	माध्यमिक आचार्य, नागपुरी	1. अनारक्षित	9	1	01	00	00	00	00
		2. आ॰ क॰ व॰	2	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	5	0					
		4. अ॰ जा॰	2	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	2	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	1	0					
		योग :–	**21**	**01**	**01**	**00**	**00**	**00**	**00**
20.	माध्यमिक आचार्य, पंचपरगनिया	1. अनारक्षित	5	1	00	00	00	00	00
		2. आ॰ क॰ व॰	0	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	3	0					
		4. अ॰ जा॰	1	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	1	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	0	0					
		योग :–	**10**	**01**	**00**	**00**	**00**	**00**	**00**
21.	माध्यमिक आचार्य, खोरठा	1. अनारक्षित	8	1	01	00	00	00	00
		2. आ॰ क॰ व॰	1	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	5	0					
		4. अ॰ जा॰	2	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	1	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	1	0					
		योग :–	**18**	**01**	**01**	**00**	**00**	**00**	**00**
22.	माध्यमिक आचार्य, उड़िया	1. अनारक्षित	2	0	00	00	00	00	00
		2. आ॰ क॰ व॰	0	0					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	1	0					
		4. अ॰ जा॰	0	0					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	1	0					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	0	0					
		योग :–	**4**	**00**	**00**	**00**	**00**	**00**	**00**
23.	विशेष शिक्षा आचार्य (माध्यमिक)	1. अनारक्षित	60	3	02	02	01	01	03
		2. आ॰ क॰ व॰	15	1					
		3. अ॰ ज॰ जा॰	39 (01 पद आ॰ ज॰ ज॰ के लिए क्षैतिज रूप में आरक्षित)	2					
		4. अ॰ जा॰	15	1					
		5. अ॰पि॰व॰(अनु॰–1)	12	1					
		6. पि॰ व॰ (अनु॰–2)	9	0					
		योग :–	**150**	8	02	02	01	01	03

➢ **कोटिवार रिक्तियों की संख्या अधियाची विभाग के अनुरोध के आलोक में संशोधित की जा सकती है।**

➢ **टिप्पणीः** अनुसूचित जन जाति के लिए विज्ञापित रिक्ति में से 2 (दो) प्रतिशत रिक्तियाँ आदिम जन जाति के अभ्यर्थियों के लिए क्षैतिज आरक्षण के तहत अनुमान्य होगी। आदिम जन जाति के योग्य उम्मीदवारों के उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में उक्त रिक्ति अनुसूचित जन जाति के अभ्यर्थियों द्वारा भरी जायेगी। आदिम जनजाति कोटि का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को विवरणिका के परिशिष्ट–I अथवा III पर धारित विहित प्रपत्र में जाति प्रमाण पत्र, प्रमाण पत्रों के जाँच कार्यक्रम के समय समर्पित करना अनिवार्य होगा।

3. परीक्षा के लिए आवेदन देने के पूर्व अभ्यर्थी यह सुनिश्चित हो लें कि वे विज्ञापित पद की पात्रता के विषय पर प्रकाशित सभी शर्त्तों को पूरा करते हैं। परीक्षा में बैठने की अनुमति पूर्णतः औपबन्धिक होगी। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र निर्गत होना प्रमाणित नही करता है कि अभ्यर्थी विज्ञापित पद पर नियुक्ति के लिए चयन हेतु निर्धारित पात्रता पूरी करते हैं क्योंकि आयोग मुख्य परीक्षा के बाद अभ्यर्थियों की पात्रता से सम्बन्धित प्रमाण पत्रों की प्रारम्भिक जाँच कर सकता है। निर्धारित जाँच कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने तथा आवेदन में भरे गये पात्रता सम्बन्धी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर आरक्षण का लाभ अनुमान्य नहीं होगा/अभ्यर्थिता रद्द की जा सकती है।

4. कंडिका – 2 में वर्णित पदों का वेतनमान एवं न्यूनतम शैक्षिणिक योग्यता निम्नवत् है :–

(क) माध्यमिक आचार्य, राजनीतिशास्त्र/समाजशास्त्र/मनोविज्ञान/मानवशास्त्र/दर्शनशास्त्र/गृह विज्ञान/भूगर्भशास्त्र/अप्लायड इंग्लिश के पदों के लिए :–

क्र॰ सं॰	पदनाम	वेतनमान	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता (सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से)
1	2	3	4
1.	माध्यमिक आचार्य, राजनीति शास्त्र	पे मैट्रिक्स लेवल–6, 35,400/– 1,12,400/–	(क) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (पूर्व–प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक अथवा इंटरमीडिएट स्कूलों या कॉलेजों में शिक्षा अध्यापक तथा शारीरिक शिक्षा अध्यापक के रूप में नियुक्त होने वाले व्यक्तियों के लिए न्यूनतम् योग्यताओं का निर्धारण) विनियम, 2014 (यथासंशोधित, 2021) के सुसंगत प्रावधानों के अनुरूप निम्नांकित होगी :– किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राज्य के सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर पढ़ाए जाने वाले विषयों में से नियुक्ति के विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों सहित स्नातकोत्तर तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त संस्थान से शिक्षा में स्नातक (बी.एड.)। **अथवा**
2.	माध्यमिक आचार्य, समाजशास्त्र		

क्र॰ सं॰	पदनाम	वेतनमान	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता (सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से)
1	**2**	**3**	**4**
3.	माध्यमिक आचार्य, मनोविज्ञान		13.11.2002 को अधिसूचित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता के लिए आवेदन पत्र जमा करने की समय–सीमा अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों की मान्यता के लिए मानदंडों और मानकों का निर्धारण तथा नए पाठ्यक्रम अथवा प्रशिक्षण शुरू करने के लिए अनुमति) विनियम, 2002 तथा 10.12.2007 को अधिसूचित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदंड और क्रियाविधि) विनियम, 2007 के अनुसार किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राज्य के सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर पढ़ाये जाने वाले विषयों में से नियुक्ति के विषय में स्नातकोत्तर में कम से कम 45 प्रतिशत अंकों सहित स्नातकोत्तर तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त संस्थान से शिक्षा में स्नातक (बी. एड.)। **अथवा** किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राज्य के सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर पढ़ाये जाने वाले विषयों में से नियुक्ति के विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों सहित स्नातकोत्तर तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त संस्थान से बी.ए.एड./बी.एससी.एड.। **अथवा** किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राज्य के सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर पढ़ाये जाने वाले विषयों में से नियुक्ति के विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों अथवा उसके समकक्ष ग्रेड के साथ स्नातकोत्तर तथा तीन वर्षीय एकीकृत बी.एड.–एम.एड.। **नोट–संबंधित पदों पर नियुक्तियों के विषय में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा संबंधित नियुक्ति के विषय में स्नातकोत्तर डिग्री में कोई विशेषज्ञता भी मान्य होगी, बशर्ते कि अभ्यर्थियों द्वारा स्नातक स्तर पर भी संबंधित विषय का अध्ययन किया गया हो।**(Master Degree in concerned appointment subject or any specilisation in Master Degree in concerned subject, provided candidate has studied the concerned subject at graduation level also.) **(ख)** राज्य सरकार द्वारा नियुक्ति हेतु प्रकाशित विज्ञापन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं सभी कोटि के निःशक्त आरक्षण कोटि वाले आवेदकों के मामले में उपर्युक्त निर्धारित भौक्षणिक योग्यता के अंकों में अधिकतम 05 प्रतिशत अंकों की छूट की अनुमति होगी।
4.	माध्यमिक आचार्य, मानवशास्त्र		
5.	माध्यमिक आचार्य, दर्शनशास्त्र		
6.	माध्यमिक आचार्य, गृह विज्ञान		
7.	माध्यमिक आचार्य, भूगर्भशास्त्र		
8.	माध्यमिक आचार्य, अप्लायड इंग्लिश		

(ख) माध्यमिक आचार्य, उर्दू / संथाली / बंगला / मुण्डारी / हो / कुडुख / कुरमाली / नागपुरी / पंचपरगनिया / खोरठा / उड़िया के पदों के लिए :–

क्र॰ सं॰	पदनाम	वेतनमान	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता (सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से)
1	**2**	**3**	**4**
1.	माध्यमिक आचार्य, उर्दू	पे मैट्रिक्स लेवल–6, 35,400 / – 1,12,400 / –	क) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (पूर्व–प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक अथवा इंटरमीडिएट स्कूलों या कॉलेजों में शिक्षा अध्यापक तथा शारीरिक शिक्षा अध्यापक के रूप में नियुक्त होने वाले व्यक्तियों के लिए न्यूनतम् योग्यताओं का निर्धारण) विनियम, 2014 (यथासंशोधित, 2021) के सुसंगत प्रावधानों के अनुरूप निम्नांकित होगी :– किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राज्य के सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर पढ़ाए जाने वाले विषयों में से नियुक्ति के विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों सहित स्नातकोत्तर तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त संस्थान से शिक्षा में स्नातक (बी.एड.)। **अथवा** 13.11.2002 को अधिसूचित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता के लिए आवेदन पत्र जमा करने की समय–सीमा अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों की मान्यता के लिए मानदंडों और मानकों का निर्धारण तथा नए पाठ्यक्रम अथवा प्रशिक्षण शुरू करने के लिए अनुमति) विनियम, 2002 तथा 10.12.2007 को अधिसूचित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदंड और क्रियाविधि) विनियम, 2007 के अनुसार किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राज्य के सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर पढ़ाये जाने वाले विषयों में से नियुक्ति के विषय में स्नातकोत्तर में कम से कम 45 प्रतिशत अंकों सहित स्नातकोत्तर तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त संस्थान से शिक्षा में स्नातक (बी. एड.)। **अथवा** किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राज्य के सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर पढ़ाये जाने वाले विषयों में से नियुक्ति के विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों सहित स्नातकोत्तर तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त संस्थान से बी.ए.एड. / बी.एससी.एड.। **अथवा** किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राज्य के सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर पढ़ाये जाने वाले विषयों में से नियुक्ति के विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों अथवा उसके समकक्ष ग्रेड के साथ स्नातकोत्तर तथा तीन वर्षीय एकीकृत बी.एड.–एम.एड.। **(ख)** राज्य सरकार द्वारा नियुक्ति हेतु प्रकाशित विज्ञापन में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति एवं सभी कोटि के निः ाक्त आरक्षण कोटि वाले आवेदकों के मामले में उपर्युक्त निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के अंकों में अधिकतम 05 प्रति ात अंकों की छूट की अनुमति होगी।
2.	माध्यमिक आचार्य, संथाली		
3.	माध्यमिक आचार्य, बंगला		
4.	माध्यमिक आचार्य, मुण्डारी		
5.	माध्यमिक आचार्य, हो		
6.	माध्यमिक आचार्य, कुडुख		
7.	माध्यमिक आचार्य, कुरमाली		
8.	माध्यमिक आचार्य, नागपुरी		
9.	माध्यमिक आचार्य, पंचपरगनिया		
10.	माध्यमिक आचार्य, खोरठा		
11.	माध्यमिक आचार्य, उड़िया		

(ग) विशेष शिक्षा आचार्य (माध्यमिक) के पदों के लिए :–

क्र॰ सं॰	पदनाम	वेतनमान	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता (सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से)
1	**2**	**3**	**4**
1.	विशेष शिक्षा आचार्य (माध्यमिक)	पे मैट्रिक्स लेवल–6, 35,400 ⁄ – 1,12,400 ⁄ –	**किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि।** 2. **बी.एड. (विशेष शिक्षा) अथवा** बी.एड. (सामान्य शिक्षा) के साथ विशेष शिक्षा में एक वर्षीय डिप्लोमा या विशेष शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा या विशेष शिक्षा में स्नातकोत्तर व्यावसायिक डिप्लोमा **अथवा** बी.एड. (सामान्य शिक्षा) और विशेष शिक्षा में स्नातकोत्तर व्यावसायिक प्रमाण – पत्र **अथवा** विशेष शिक्षा (मानसिक मंदता) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा अथवा विशेष शिक्षा (बहु विकलांगता : शारीरिक एवं तंत्रिका) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा **अथवा** विशेष शिक्षा में (गतिशीलता में हानि और दिमागी पक्षाघात) स्नातकोत्तर डिप्लोमा **अथवा** श्रवण हानि में सेकेण्डरी स्तर शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम **अथवा** बधिर शिक्षण में वरिष्ठ डिप्लोमा **अथवा** श्रवण हानि में बी.ए. बी.एड. 3. **भारतीय पुनर्वास परिषद् (आर.सी.आई.) के साथ पंजीकरण** ……………………………………………………………………….. 1. **Masters Degree from recognized university**. 2. **B.Ed. (Special Education)** OR B.Ed. (General Education) with one year Diploma in Special Education or two years Diploma in Special Education or Post Graduate Professional Diploma in Special Education. OR B.Ed. (General Education) and Post Graduate Professional Certificate in Special Education. OR PG Diploma in Special Education (Mental Retardation) OR PG Diploma in Special Education (Multiple Disability: Physical and Neurological). OR PG Diploma in Special Education (Locomotor Impairment and Cerebral Palsy). OR Secondary Level Teacher Training Course in Visual Impairment. OR Senior Diploma in Teaching the Deaf. OR BA B.Ed. in visual Impairment. 3. **Registration with Rehabilitation Council of India (RCI)** **4.** राज्य सरकार द्वारा नियुक्ति हेतु प्रकाशित विज्ञापन में अनुसूचित जाति ⁄ अनुसूचित जनजाति एवं सभी कोटि के निःशक्त आरक्षण कोटि वाले आवेदकों के मामले में उपर्युक्त निर्धारित भौक्षणिक योग्यता के अंकों में अधिकतम 05 प्रतिशत अंकों की छूट की अनुमति होगी।

(घ) माध्यमिक आचार्य, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं कोडिंग ⁄ साइबर सिक्यूरिटी एवं डेटा साइन्स ⁄ कम्प्यूटर साइंस के पदों के लिए :–

क्र॰ सं॰	पदनाम	वेतनमान	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता (सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से)
1	**2**	**3**	**4**
1.	माध्यमिक आचार्य, आर्टिपिफशियल इंटेलिजेंस एवं कोडिंग	पे मैट्रिक्स लेवल–6, 35,400 ⁄ –	1. M.Sc. (Computer Science/IT)/MCA (Regular) from Recognized University with at least 50% marks. **Or** M.E. or M.Tech. (Computer Science/I.T.) from a Recognized

<table>
<tr><th>क्र० सं०</th><th>पदनाम</th><th>वेतनमान</th><th>न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता
(सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से)</th></tr>
<tr><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>माध्यमिक आचार्य, साइबर सिक्यूरिटी एवं डेटा साइन्स</td><td rowspan="2">1,12,400 / —</td><td rowspan="2">University/Institution with at least 50% marks.
Or
B.E or B.Tech (Computer Science/I.T.) from a Recognized University/Institution with at least 50% marks with Post Graduate Diploma in Computer Application or B Or C Level Diploma from DOEACC, Ministry of Communication and IT.
2. B.Ed. Degree from NCTE Recognized Institution/University with at least 50% marks.
Or
Three Years integrated B.Ed.- M.Ed. from NCTE Recognized Institution/University with at least 50% marks.
Or
Four Years integrated Degree with at least 50% marks from NCTE Recognized Institution/University including B.Ed. component.
3. राज्य सरकार द्वारा नियुक्ति हेतु प्रकाशित विज्ञापन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं सभी कोटि के निःशक्त आरक्षण कोटि वाले आवेदकों के मामले में उपर्युक्त निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के अंकों में अधिकतम 05 प्रतिशत अंकों की छूट की अनुमति होगी।</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>माध्यमिक आचार्य, कम्प्यूटर साइंस</td></tr>
</table>

नोटः— शिक्षक प्रशिक्षण के वैसे अभ्यर्थी, जो शिक्षक प्रशिक्षण पूरा कर लिये हैं तथा प्रशिक्षण की परीक्षा में सम्मिलित होने वाले हैं, को शिक्षक नियुक्ति हेतु आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए आवेदन पत्र भरने की अनुमति दी जाएगी। परन्तु ऐसे अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण परीक्षाफल, झारखण्ड कर्मचारी चयन अयोग द्वारा आयोजित शिक्षक नियुक्ति की परीक्षाफल के प्रकाशन की तिथि के पूर्व झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग अथवा राज्य सरकार द्वारा निर्धारित समय—सीमा तक समर्पित करना आवश्यक होगा। तत्पश्चात् झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा उसकी अनुशंसा विभाग को उपलब्ध करायी जा सकेगी।

न्यूनतम शैक्षणिक योग्यताः—

(i). अभ्यर्थियों को आयोग में आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक वांछित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता उतीर्ण होना अनिवार्य होगा। अर्थात् शैक्षणिक योग्यता के निर्धारण के लिए Online आवेदन देने की अंतिम तिथि को आधार तिथि (Reference Date) माना जायेगा। यदि कोई अभ्यर्थी इस तिथि तक निर्धारित शैक्षणिक योग्यता नहीं धारित करते हैं तो वे आवेदन भरने के लिए अयोग्य समझे जायेंगे।

(ii). खेलकूद कोटा के अंतर्गत आरक्षण का दावा कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड के संकल्प संख्या—1709, दिनांक—12.09.2007 द्वारा **श्रेणी—'ख'** के पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु निर्धारित निम्न मानक के अनुसार अनुमान्य होगा :—

क्र०सं०	प्रतियोगिता का स्तर	उपलब्धि
1	2	3
1.	अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक कमिटी अथवा उनसे संबंधित फेडरेशनों द्वारा आयोजित प्रतियोगिता।	मेडल
2.	भारतीय ओलम्पिक संघ अथवा उससे सम्बद्ध फेडरेशनों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशीप स्तर की प्रतियोगिता।	प्रथम स्थान
3.	राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता।	विश्व रिकार्ड

नोटः— उपर्युक्त अंकित संकल्प संख्या—1709, दिनांक—12.09.2007 आयोग के वेबसाईट https://jssc.jharkhand.gov.in पर उपलब्ध है।

5. आयु सीमा— उक्त पदों के संदर्भ में उम्र की गणना निम्नलिखित संदर्भ तिथियों के आधार पर की जायेगी :—

न्यूनतम उम्र सीमा की गणना हेतु संदर्भ तिथि	अधिकतम उम्र सीमा की गणना हेतु संदर्भ तिथि
1	2
01.08.2025	01.08.2025

(क) न्यूनतम उम्र सीमा — 21 वर्ष

(ख) अधिकतम उम्र सीमा —

(i)	अनारक्षित एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	—	40 वर्ष।
(ii)	अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची—1) एवं पिछड़ा वर्ग अनुसूची—2 (पुरूष)	—	42 वर्ष।
(iii)	महिला [अनारक्षित, आ॰क॰व॰, अ॰पि॰व॰ (अनु॰—1) एवं पि॰व॰ (अनु॰—2))]	—	43 वर्ष।
(iv)	अनुसूचित जाति (पुरूष एवं महिला)	—	45 वर्ष।
(v)	अनुसूचित जनजाति (पुरूष एवं महिला)	—	45 वर्ष।

(ग) सभी कोटि के निःशक्त अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में 05 (पाँच) वर्षों की अतिरिक्त छूट दी जायेगी। निःशक्तता संबंधी प्रमाण—पत्र राज्य सरकार द्वारा गठित सक्षम चिकित्सा पर्षद से विहित प्रपत्र **(परिशिष्ट— X)** में निर्गत होना चाहिए। सभी श्रेणियों में निःशक्ततों का दावा तभी मान्य होगा जब निःशक्तता कम से कम 40% (चालीस प्रतिशत) अथवा उससे अधिक हो।

(i) विहित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र तथा सक्षम प्राधिकार से भिन्न प्राधिकार द्वारा निर्गत होने की स्थिति में निःशक्तता प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।

(ii) आवेदन समर्पित करने की अंतिम तिथि के पश्चात् निर्गत निःशक्तता प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।

(घ) आयोग द्वारा प्रमाण पत्रों की जाँच के क्रम में आवेदन प्रपत्र में अंकित निःशक्तता संबंधी दावे के अनुरूप निःशक्तता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराए जाने की स्थिति में अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी।

(ङ) भूतपूर्व सैनिकों को अधिकतम आयु सीमा में पाँच वर्षों की अतिरिक्त छूट दी जायेगी। भूतपूर्व सैनिक होने से संबंधित प्रमाण—पत्र यथासमय आयोग द्वारा माँग की जायेगी जिसे प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

(च) उम्र में छूट का लाभ उपरोक्त ''ग'' या ''ङ'' में कोई एक ही मान्य होगा।

6. **निःशक्त अभ्यर्थियों के लिए सुविधा**

इस श्रेणी के उम्मीदवारों को उनके अनुरोध पर स्क्राईब की सुविधा निम्न शर्तों के अधीन दी जायेगीः–

(i) 40% (चालीस) प्रतिशत अथवा इससे अधिक निःशक्तता वाले अंधापन एवं कम दृष्टि, चलन निःशक्तता (दोनों हाथ प्रभावित) तथा सेरेब्रल पाल्सी की कोटि के अभ्यर्थियों को ही उनके अनुरोध पर स्क्राइब की सुविधा एवं परीक्षा में उत्तर देने के लिए 20 मिनट प्रति घंटा की दर से अतिरिक्त समय प्रदान किया जायेगा। इसके अतिरिक्त निःशक्त कोटि के अन्य अभ्यर्थियों द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन द्वारा लिखने में शारीरिक अक्षमता संबंधी प्रमाण पत्र **विहित प्रपत्र (परिशिष्ट – XI)** उपलब्ध कराये जाने की स्थिति में स्क्राइब की सुविधा प्रदान की जाएगी।

(ii) वैसे निःशक्त अभ्यर्थियों को ही श्रुतलेखक/स्क्राइब की सुविधा मिलेगी जिनके प्रवेश पत्र (Admit Card) में Category के समक्ष आरक्षण वर्ग के पश्चात् PH मुद्रित हो।

(iii) उपर्युक्त कंडिका–(i) में उल्लेखित निःशक्त अभ्यर्थियों द्वारा श्रुतलेखक/स्क्राइब की सुविधा संबंधी अनुरोध पत्र **(परिशिष्ट–XII)** आयोग कार्यालय में परीक्षा की तिथि से कम से कम 15 दिन पहले समर्पित किया जाना अनिवार्य होगा।

(iv) उपर्युक्त कंडिकाओं में अंकित अनुदेशों का पालन नहीं करने पर आयोग द्वारा श्रुतलेखक/स्क्राइब की सुविधा उपलब्ध नहीं करायी जायगी, जिसके लिए सम्बन्धित अभ्यर्थी स्वयं ही उतरदायी होंगे।

7. I. परीक्षा में बैठने की अनुमति पूर्णतः औपबन्धिक होगी। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र निर्गत होना प्रमाणित नहीं करता है कि अभ्यर्थी विज्ञापित पद पर नियुक्ति के लिए चयन हेतु निर्धारित पात्रता पूरी करते हैं क्योंकि आयोग परीक्षा के बाद किसी भी समय अभ्यर्थियों की पात्रता से सम्बन्धित प्रमाण पत्रों की जाँच कर सकता है। निर्धारित जाँच कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने अथवा आवेदन में भरे गये पात्रता सम्बन्धी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने अथवा निर्धारित अवधि अंतर्गत नहीं होने पर आरक्षण/अन्य लाभ अनुमान्य नहीं होगा एवं अभ्यर्थिता रद्द की जा सकती है।

II. परीक्षा के लिए आवेदन देने के पूर्व अभ्यर्थी यह पूर्णतः सुनिश्चित हो लें कि वे विज्ञापित पद की शैक्षणिक एवं प्रशैक्षणिक अर्हत्ता, न्यूनतम/अधिकतम आयु सीमा, आरक्षण की कोटि इत्यादि से सम्बन्धी पात्रता के विषय पर विवरणिका में विहित सभी शर्त्तों को पूरा करते हैं।

8. आरक्षण :

आवेदन में नियत प्रविष्टि के अधीन इंगित आरक्षण का दावा नहीं करने पर आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा।

9. (I) <u>आरक्षण का दावा करने वाले अभ्यर्थियों हेतु स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र</u>

(क) आरक्षण का दावा करने वाले सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक–4650, दिनांक–02.06.2016 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अनुमण्डल पदाधिकारी के स्तर से दिनांक–02.06.2016 तथा इसके पश्चात् निर्गत

स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र मान्य होगा जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट–VIII पर धारित है।

अथवा

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक–5752 दिनांक 19.07.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 19.07.2019 को अथवा उसके पश्चात् अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत स्थानीय निवास प्रमाण पत्र मान्य होगा। जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट–IX पर धारित है।

(ख) 19.07.2019 के पूर्व अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र मान्य नहीं होगा।

(ग) दिनांक–02.06.2016 के पूर्व किसी भी स्तर से निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र मान्य नहीं होगा।

(घ) परिशिष्ट में अंकित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र मान्य नहीं होगा।

(ङ) मुख्य परीक्षा के उपरांत अल्पसूचीबद्ध अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों के जाँच कार्यक्रम के समय आवेदन पत्र में किये गये दावे के समर्थन में अभ्यर्थियों द्वारा वैध स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र समर्पित किया जाना अनिवार्य होगा।

(च) पिता/ पति के आधार पर निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र मान्य होंगे। पति के आधार पर निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्रों में अभ्यर्थी का नाम भिन्न होने पर प्रमाण पत्रों की जाँच के दौरान इस सम्बन्ध में शपथ पत्र समर्पित करना अनिवार्य होगा।

9.(II) <u>जाति प्रमाण पत्र</u>–

(क) झारखण्ड राज्य के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सन्दर्भ में जिला/अनुमण्डल के उपायुक्त/ अनुमण्डल पदाधिकारी के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट–I पर धारित है।

अथवा

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक 1754 दिनांक 25. 02.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 25.02.2019 को अथवा उसके पश्चात् अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट–II पर धारित है।

अथवा

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक 2669 दिनांक 10. 05.2023 द्वारा यथा सं ाोधित मानक प्रपत्र में दिनांक 10.05.2023 को अथवा

उसके पश्चात् अंचलाधिकारी से अन्यून के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट– III पर धारित है।

(ख) झारखण्ड राज्य के अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-I) एवं पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-II) के सन्दर्भ में दिनांक 29.08.2012 को अथवा इसके पश्चात् उपायुक्त अथवा अनुमण्डल पदाधिकारी के स्तर से निर्गत गैर क्रिमी लेयर जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट–IV पर धारित है। किन्तु जाति प्रमाण पत्र की वैधता समाप्त होने की स्थिति में सम्बन्धित अभ्यर्थियों का कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक 1754 दिनांक 25.02.2019 को अधीन प्रपत्र 15 में गैर क्रिमी लेयर स्वघोषणा पत्र समर्पित करना अनिवार्य होगा जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट–V पर धारित है।

अथवा

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक 1754 दिनांक 25.02.2019 के आलोक में दिनांक 25.02.2019 को अथवा उसके पश्चात् अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट–VI पर धारित है।

(ग) आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के अध्यधीन आरक्षण का लाभ सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ''आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र'' प्रस्तुत कर प्राप्त किया जा सकेगा। आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के सदस्य के रूप में अभ्यर्थी के दावे के प्रमाण स्वरूप, विहित प्रपत्र (परिशिष्ट–VII) में उपायुक्त/अनुमण्डल पदाधिकारी/अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र मान्य होगा।

(घ) दिनांक 25.02.2019 के पूर्व अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत अथवा परिशिष्ट में अंकित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र/ आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र मान्य नहीं है।

(ङ) परिशिष्ट में अंकित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में निर्गत जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र सामान्यतः मान्य नहीं होगा।

(च) मुख्य परीक्षा के उपरांत अल्पसूचीबद्ध अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों के जाँच कार्यक्रम के समय आवेदन पत्र में किये गये दावे के समर्थन में अभ्यर्थियों द्वारा वैध जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र समर्पित किया जाना अनिवार्य होगा।

(छ) अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-I) एवं पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-II) के संबंध में केन्द्र सरकार में नियुक्ति हेतु केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित विहित प्रपत्र में निर्गत जाति प्रमाण पत्र (OBC Certificate) मान्य नहीं होगा।

(ज) शैक्षणिक कार्यों / सेना में भर्ती लिए निर्गत जाति प्रमाण पत्र / आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र आरक्षण कोटि निर्धारण के लिए अनुमान्य नहीं होगा।

(झ) पिता के आधार पर निर्गत जाति प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे।

(ञ) कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाशा विभाग, झारखण्ड ,राँची के पत्रांक–235, दिनांक–10.01.2019 के आलोक में झारखण्ड राज्य में विवाह के आधार पर आव्रजित महिलाओं को आरक्षण का लाभ अनुमान्य नहीं होगा।

(ट) अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-I), पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-II) एवं आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के अभ्यर्थी जो आरक्षण का दावा करते हैं, उनके द्वारा विवरणिका में निर्धारित विहित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में निर्गत जाति प्रमाण पत्र / आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र / स्व घोषणा समर्पित करने पर उनकी अभ्यर्थिता अनारक्षित कोटि के रिक्ति तक अनुमान्यता के सापेक्ष सीमित कर दी जाएगी। ऐसी परिस्थिति में उक्त कोटि के अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता अनारक्षित कोटि के लिए निर्धारित शर्तों के अधीन ही होगी। उक्त स्थिति में अभ्यर्थी को अनारक्षित कोटि के लिए निर्धारित परीक्षा शुल्क आयोग के निदेश पर अनिवार्यतः जमा करना होगा।

(ठ) बैकलॉग रिक्ति के विरूद्ध अल्पसूचीबद्ध अभ्यर्थियों द्वारा प्रमाण पत्र जाँच कार्यक्रम में वांछित जाति प्रमाण पत्र / आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र / स्व घोषणा समर्पित नहीं करने अथवा विवरणिका में निर्धारित विहित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में निर्गत प्रमाण पत्र समर्पित करने पर उनकी अभ्यर्थिता रद्द कर दी जायेगी।

नोटः–

(I) सक्षम स्तर से भिन्न स्तर एवं विवरणिका के परिशिष्ट–I से परिशिष्ट– IX, पर अंकित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में निर्गत जाति / आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र / स्थानीय निवास प्रमाण पत्र सामान्यतः मान्य नहीं होगा तथा ऐसे प्रमाण पत्रों के आधार पर भरे गये आवेदन पत्र नियुक्ति प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर रद्द किये जा सकते हैं, जिसके लिए संबंधित आवेदक स्वयं उतरदायी होगे।

(II) अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–I) एवं पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–II) के अभ्यर्थी द्वारा वैधता समाप्त जाति प्रमाण पत्र समर्पित करने की स्थिति में विवरणिका में अंकित गैर क्रिमी लेयर स्वघोषणा पत्र समर्पित करना अनिवार्य होगा। वांछित घोशणा पत्र समर्पित नहीं करने पर आयोग द्वारा उक्त प्रमाण–पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(III) स्थानीय निवासी/जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र में अंकित आवदेक/आवेदक के पिता/पति के नाम एवं नाम की वर्त्तनी (spelling) मैट्रिक/10वीं के सर्टिफिकेट/अंक पत्र में दर्ज वर्त्तनी (spelling) से भिन्न नहीं होना चाहिए, अन्यथा ऐसे प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।

(IV) विज्ञापन प्रकाशन की तिथि को झारखण्ड सरकार द्वारा लागू आरक्षण सम्बन्धी सभी नियम प्रभावी होंगे। आरक्षण का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित प्रमाण–पत्र आयोग द्वारा प्रमाण–पत्रों की जाँच के अवसर पर समर्पित करना अनिवार्य होगा।

10. ऑनलाईन (Online) आवेदन को भरने के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देशः–

(i) आवेदन पत्र को भरने के पूर्व अभ्यर्थी विज्ञापन एवं विवरणिका को डाउनलोड कर लें तथा विवरणिका की शर्त्तों के अनुसार आवेदन पत्र में सूचना अंकित करें।

(क) विवरणिका को ध्यानपूर्वक पढ़कर आवेदन भरने के पूर्व अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि जो प्रमाण पत्र आवेदन हेतु आवश्यक हैं वह उनके पास उपलब्ध हैं।

(ख) आवेदन भरने के पूर्व अपने फोटो एवं पूर्ण हस्ताक्षर की Scanned प्रति भी अपने साथ रखें।

(ग) सभी प्रमाण पत्रों को ध्यानपूर्वक देख लें कि इन सभी में उनका नाम, पिता का नाम एवं अन्य विवरण सही है अन्यथा आवेदन भरने के पूर्व उसे ठीक करा लें।

(ii) आवेदक अपने नाम की वर्त्तनी (spelling) वही लिखेंगे जो मैट्रिक/10वीं के सर्टिफिकेट/अंक पत्र में अंकित है। मैट्रिक/10वीं के सर्टिफिकेट/अंक पत्र में अंकित नाम और आवेदन पत्र में भरे गये नाम की वर्त्तनी (spelling) में अंतर नहीं होना चाहिये। आवेदन में नाम से संबंधित सूचना में नाम के आगे श्री/मिस्टर/श्रीमान् आदि शब्दों का व्यवहार नहीं किया जाय।

(iii) आवेदक अपने आवेदन पत्र के यथा निर्धारित स्थान पर वही जन्म तिथि यथा– तिथि, महीना और वर्ष दर्ज करेंगे जो उनके मैट्रिक सर्टिफिकेट/अंक पत्र में अंकित है।

11. Online आवेदन पत्र को भरना एवं समर्पित (Submit) करनाः–

ऑनलाईन आवेदन को भरने के लिए दिए गये दिशा निर्देश का अक्षरशः पालन करें। आवेदन पत्र में दी गई सूचनाओं से संबंधित सभी प्रमाण पत्र सामने रखें एवं पूर्ण संतुष्ट होने के पश्चात ही आवेदन पत्र को जमा (Submit) करें।

i) आवेदन पत्र भरने के लिए सर्वप्रथम आयोग के वेवसाईट https://jssc.jharkhand.gov.in पर जाएँ एवं Online Application for **JTMACCE-2025** को Click करें तत्पश्चात अपना पंजीकरण (Registration) करें।

ii) पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण होते ही आपके मोबाईल फोन एवं ईमेल पर पंजीकरण संख्या एवं पासवर्ड आ जायेगा। पंजीकरण संख्या एवं पासवर्ड को नोटकर सुरक्षित रखें क्योंकि भविष्य में लॉगईन करने के लिए इन दोनों की आवश्यकता होगी।

iii) पंजीकरण संख्या एवं पासवर्ड प्राप्त होते ही पुनः लॉग–ईन कर अपने बारे में विस्तृत सूचना अंकित करें। आवेदन के प्रत्येक पृष्ठ को Save and Continue करने के पश्चात् अगले पृष्ठ की सूचना भरा जाना आवश्यक है। जिस तिथि को आप यह कार्य पूरा कर लेते हैं उसकी अगली तिथि को 12:00 बजे मध्याह्न के पश्चात् पुनः लॉगईन करें एवं परीक्षा शुल्क का भुगतान कर दें।

iv) परीक्षा शुल्क भुगतान करने के एक दिन के बाद पुनः लॉगईन कर परीक्षा शुल्क भुगतान का विवरण तथा अपना स्कैन किया हुआ (Scanned) फोटो एवं पूर्ण हस्ताक्षर अपलोड कर दें। यदि आप अपने अपलोड किये गये फोटो एवं हस्ताक्षर से संतुष्ट हैं तो आवेदन पत्र को समर्पित (Submit) कर आवेदन पत्र का प्रिंटआउट ले लें तथा इसे भविष्य के लिए अपने पास सुरक्षित रखें।

v) आवेदन पत्र समर्पित करने के पूर्व यह अवश्य देख लें कि दी गई जानकारी सत्य है अन्यथा गलत घोषणा पत्र देने हेतु अभ्यर्थिता रद्द करने एवं अन्य कार्रवाई करने पर आयोग निर्णय लेगा।

vi) ऑनलाईन आवेदन में दर्ज सूचनाओं से सम्बन्धित प्रमाण पत्रों के मूल प्रति की जाँच प्रमाण पत्र जाँच कार्यक्रम में की जायेगी। इस अवसर पर सभी प्रमाण पत्रों के साथ अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। इसका अनुपालन नहीं होने की स्थिति में आवेदक की अभ्यर्थिता रद्द समझी जायेगी। ऑनलाईन आवेदन में किये गये दावे के समर्थन में वांछित प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराये जाने की स्थिति में आरक्षण/अन्य लाभ देय नहीं होगा/अभ्यर्थिता रद्द समझी जाएगी।

vii) एक अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक ऑनलाईन आवेदन समर्पित किये जाने की स्थिति में अभ्यर्थी द्वारा अद्यतन अंतिम समर्पित किये गये आवेदन को वैध माना जायेगा तथा पूर्व में समर्पित सभी आवेदनों को रद्द कर दिया जायेगा तथा सम्बन्धित रद्द आवेदनों का परीक्षा भुल्क अप्रतिदेय होगा।

12. आवेदन की प्रविष्टियों में संशोधनः–

दिनांक– 23.07.2025 से दिनांक– 25.07.2025 के मध्य रात्रि तक ऑनलाईन आवेदन पत्र में अभ्यर्थी का नाम, जन्म तिथि, ई–मेल आई॰डी॰ एवं मोबाईल संख्या को छोड़कर किसी भी अशुद्ध प्रविष्टि को संशोधित करने के लिए पुनः लिंक उपलब्ध करायी जायेगी। उपलब्ध लिंक के माध्यम से वैध अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन पत्र की अशुद्धियाँ संशोधित कर सकेंगे। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कोटि के अभ्यर्थियों द्वारा यदि अपने आरक्षण कोटि को अनारक्षित, अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–I), पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–II) एवं आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग कोटि में संशोधित किया जाता है तो ऐसी परिस्थिति में उक्त अभ्यर्थी को संशोधित कोटि के लिए अनुमान्य परीक्षा भुल्क की अन्तर राशि का भुगतान करना आव यक होगा। साथ ही क्षैतिज आरक्षण अंतर्गत द्विव्यांग अभ्यर्थी द्वारा स्वयं को द्विव्यांग श्रेणी से अलग कर दिए जाने की अवस्था में भी उक्त अभ्यर्थी को संशोधित कोटि के लिए अनुमान्य परीक्षा भुल्क की अन्तर राशि का भुगतान करना आव यक होगा। संशोधन के उपरांत पुनः भुगतान हेतु सूचना अलग से उपलब्ध करायी जायेगी। संशोधन के उपरांत अंतर राशि का भुगतान नहीं करने पर आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे। संशोधन की तिथि के पश्चात् किसी भी प्रविष्टि में सुधार का कोई भी दावा मान्य नहीं होगा और भरे गये आवेदन के आधार पर ही आवेदक के सन्दर्भ में परीक्षा प्रक्रिया पूरी होगी।

13. आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने की विभिन्न तिथियाँ :–

क) रजिस्ट्रेशन करने तथा सूचना दर्ज करने हेतु दिनांक–**18.06.2025** से दिनांक–**17.07.2025** की मध्य रात्रि तक।

ख) परीक्षा शुल्क भुगतान करने के लिए दिनांक–**19.07.2025** की मध्य रात्रि तक।

ग) फोटो एवं हस्ताक्षर अपलोड करने आवेदन पत्र का प्रिंटआउट लेने के लिए दिनांक–**21.07.2025** की मध्य रात्रि तक।

घ) दिनांक–**23.07.2025** से दिनांक–**25.07.2025** के मध्य रात्रि तक ऑनलाईन आवेदन पत्र में की गई किसी भी अशुद्ध प्रविष्टि को संशोधित करने के लिए पुनः खोली जायेगी जिसके माध्यम से वैध अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन पत्र की अशुद्धियाँ संशोधित कर सकेंगे। छूट सहित परीक्षा शुल्क भुगतान करने की स्थिति में शुद्धिकरण का दावा परीक्षा शुल्क भुगतान की राशि तक सीमित होगा।

14. परीक्षा शुल्क भुगतान करने की प्रक्रियाः–

परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए Submit To Proceed Payment Click करें। एक नया पेज खुल जायेगा जिसमें Term & Condition को टिक (√) कर Proceed बटन दबाकर आगे बढ़ें। इसके बाद Select Payment category के सामने **JTMACCE-2025** Select करें तथा अपना Registration Number डालकर अपना परीक्षा शुल्क का भुगतान करें।

15. परीक्षा का स्वरूप :–

आयोग द्वारा ओ0 एम0 आर0 आधारित परीक्षा **(OMR)**/कम्प्यूटर आधारित परीक्षा **(CBT)** ली जायेगी तथा किसी विषय की परीक्षा यदि विभिन्न समूहो में लिया जाता है तो अभ्यर्थियों के प्राप्तांक का Normalisation किया जायेगा। कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के आधार पर अभ्यर्थियों की मेधा सूची उनके प्राप्तांक के Normalised अंक के आधार पर तैयार किया जायेगा तथा परीक्षाफल प्रकाशन के पश्चात उन्हें Normalised अंक ही दिया जायेगा।

परीक्षा का स्वरूप एवं पाठ्यक्रम :–

(क) परीक्षा एक चरण (मुख्य परीक्षा) में ली जायेगी।

(ख) परीक्षा में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय उत्तर युक्त होंगे। प्रश्न पत्र–(1) में एक प्रश्न का पूर्ण अंक 1 (एक) रहेगा, जबकि प्रश्न पत्र– (2) में एक प्रश्न का पूर्ण अंक 2 (दो) होगा। प्रश्न पत्र–1 एवं प्रश्न पत्र–2 में गलत उत्तर के लिए अंको की कटौती नहीं की जायेगी।

16. मुख्य परीक्षा के विषय एवं पाठ्यक्रम :–

मुख्य परीक्षा के लिए दो पत्र होंगे। यह परीक्षा दो पालियों में ली जायेगी। प्रत्येक पत्र के परीक्षा की अवधि 3 घंटा की होगी। प्रश्न पत्र– (1) में स्नातक स्तर के प्रश्न पूछे जायेंगे जबकि प्रश्न पत्र– (2) में प्रश्न स्नातकोत्तर स्तरीय होंगे।

क) पत्र–1 :– सामान्य ज्ञान (कम्प्यूटर संचालन की सामान्य जानकारी सहित)– 100 अंक

हिन्दी एवं अग्रेजी भाषा–100 अंक

कुल–200 अंक

ख) पत्र–2 :– जिस विषय में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर नियुक्ति होनी है, उस विषय की परीक्षा – **300 अंक**

नोटः– प्रश्न पत्र–(1) अर्हक (qualifying) प्रश्न पत्र होगा, अर्थात इसमें मात्र न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। परन्तु जिन अभ्यर्थियों द्वारा 33 प्रतिशत अंक प्राप्त नही किया जाता है, उनके प्रश्न पत्र–02 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नही किया जायेगा।

<u>पत्र – 1 सामान्य ज्ञान (कम्प्यूटर संचालन की सामान्य जानकारी सहित)</u>

(I) सामान्य ज्ञान –

(क) **सामान्य अध्ययन** :– इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के सम्बन्ध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जिसे रखने की किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है। इसमें झारखण्ड, भारत और पड़ोसी देशों के संबंध में विशेष रूप से यथा संभव प्रश्न पूछे जा सकते है। सम–सामायिक विषय– वैज्ञानिक प्रगति, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, भारतीय भाषाएं, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी, महत्वपूर्ण घटनाएं। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल, पर्यावरण, आर्थिक परिदृश्य, स्वतंत्रता आन्दोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएं एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, देश की राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, पंचवर्षीय योजना।

झारखण्ड राज्य की भौगोलिक स्थिति एवं राजनीतिक स्थिति की सामान्य जानकारी।

(ख) **सामान्य विज्ञान** :– सामान्य विज्ञान के प्रश्न पत्र में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समक्ष एवं परिबोध से संबंधित प्रश्न रहेगें, जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से, जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

(ग) **सामान्य गणित** :– इस विषय में सामान्यतः अंक गणित, प्राथमिक बीजगणित, ज्यामिति, सामान्य त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति से संबंधित प्रश्न रहेगें। सामान्यतः इसमें मैट्रिक/10वी॰ कक्षा स्तर के प्रश्न रहेगें।

(घ) **मानसिक क्षमता जाँच** :– इसमें शब्दिक एवं गैर शब्दिक दोनो प्रकार के प्रश्न रहेंगे। इस घटक में निम्न से संबंधित यथासंभव प्रश्न पूछे जा सकते है– सादृष्य समानता एवं भिन्नता, स्थान कल्पना, समस्या समाधान, विश्लेषण, दृश्य स्मृति, विभेद अवलोकन, संबंध अवधारणा, अंक गणितीय तर्कशक्ति, अंक गणितीय संख्या श्रृंखला एवं कूट लेखन तथा कूट व्याख्या इत्यादि।

(ड॰) **कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान (Fundamenal knowledge of Computer)**:– इसमें कम्प्यूटर के विभिन्न उपकरणों, एम॰ एस॰ विन्डो ऑपरेटिंग सिस्टम, एम॰ एस॰ ऑफिस एवं इंटरनेट संचालन की विधि की जानकारी से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते है।

(च) झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता संस्कृति, भाषा–साहित्य, स्थान, खान खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान, विकास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी, व्यक्तित्व, नागरिक उपलब्धियाँ,, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के विषय इत्यादि।

(II) **हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा ज्ञान**:– हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा ज्ञान के अधीन हिन्दी एवं अंग्रेजी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे।

पत्र – 2 जिस विषय में माध्यमिक (Secondary, Class 9-12) स्तर पर नियुक्ति होनी है, उस विषय की परीक्षा

विभिन्न विषयों के लिए प्रश्न पत्र–2 का विस्तृत पाठ्यक्रम **परिशिष्ट–XIII** के रूप में संलग्न है।

17. मुख्य परीक्षा के आधार पर मेधा सूची का निर्माण :

(i) प्रश्न पत्र–1 अर्हक (Qualifying) प्रश्न पत्र होगा, अर्थात् इसमें मात्र न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। जिन अभ्यर्थियों द्वारा 33 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं किया जाता है, उनके प्रश्न पत्र–2 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा। प्रश्न पत्र–1 में स्नातक स्तर के प्रश्न पूछे जायेंगे।

(ii) प्रश्न पत्र–2 स्नातकोत्तर स्तरीय होगा तथा प्रश्न पत्र–2 में प्राप्त प्राप्तांक के आधार पर मेधा सूची तैयार की जायेगी परन्तु यह कि न्यूनतम अंक 50 प्रतिशत लाना अनिवार्य होगा। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीद्वार हेतु 45 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। यह मेधा सूची माध्यमिक आचार्य पद पर नियुक्ति का आधार होगी। प्रश्न पत्र–1 एवं प्रश्न पत्र–2 वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय होगा।

(iii) प्राप्त मेधा सूची के आधार पर अभ्यर्थियों के शैक्षणिक/ प्रशैक्षणिक/ जाति प्रमाण पत्रों की जाँच करते हुए +2 विद्यालयों में स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षकों के रिक्त पदों के विरूद्ध नियुक्ति एवं पदस्थापन हेतु नियमावली में गठित राज्य स्तरीय स्थापना समिति होगी।

(iv) मेधा–सूची में एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक समान (Equal Marks) रहने पर मेधा का निर्धारण उम्मीदवारों की जन्म तिथि के आधार पर किया जायेगा तथा अभ्यर्थी, जिनकी उम्र ज्यादा होगी, उन्हे अपेक्षाकृत ऊपर स्थान मिलेगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक और जन्म तिथि समान पायी जाती है, तो ऐसी स्थिति में उनके स्नातकोत्तर योग्यता में प्राप्त अकों के प्रति त के आधार पर वरीयता का निर्धारण किया जायेगा, अर्थात स्नातकोत्तर योग्यता परीक्षा में अधिक प्रति त अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को मेधाक्रम में ऊपर रखा जायेगा।

(iv) मेधा के आधार पर अनारक्षित पद के लिये तैयार मेधा सूची में समान मापदंड पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी के आने की स्थिति में उक्त अभ्यर्थी की गणना अनारक्षित वर्ग के अनुमान्य पदों के विरूद्ध की जायेगी और उनके नाम के सामने उनका

आरक्षण वर्ग भी वही होगा। इस सम्बन्ध में राज्य सरकार से प्राप्त अद्यतन निर्देशों का पालन किया जायेगा।

(vi) परीक्षा में निम्न न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को मेधा–सूची में शामिल नहीं किया जायेगाः–

(क) अनारक्षित, आ॰ क॰ व॰,
अ॰ पि॰ व॰ –(अनुसूची–I) एवं – 50 (पचास) प्रतिशत
पि॰ व॰ (अनुसूची– II)

(ख) अ॰जा॰/अ॰ज॰जा॰ – 45 (पैंतालीस) प्रतिशत

उपर्युक्त उप कंडिकाओं के आधार पर सामान्य मेधा–सूची तैयार की जायेगी और तदुपरान्त रिक्तियों के सापेक्ष आरक्षण कोटिवार चयन सूची गठित होगी।

18. अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन

विवरणिका की कंडिका–19 के आधार पर मेधा–सूची प्रारूप गठित करने के पश्चात् आयोग के द्वारा अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की पात्रता/ अहर्त्ता से सम्बन्धित प्रमाण पत्रों की जाँच की जायेगी।

प्रमाण पत्रों की जांच के क्रम में यदि किसी कोटि के उम्मीदवार के आवेदन पत्र में अंकित दावों का सत्यापन नहीं हो पाता है और उनकी उम्मीदवारी उक्त कोटि की रिक्ति के लिए स्थापित नहीं होती है तो ऐसी स्थिति में सम्बन्धित कोटि में रिक्त पदों के विरूद्ध मेधासूची में उपलब्धता के आलोक में निचले क्रम के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा प्रमाण–पत्रों की जाँच के लिए आमंत्रित किया जायेगा।

19. नियुक्तिः–

(i) परीक्षा में सफलता सेवा पदों पर नियुक्ति के लिये कोई अधिकार प्रदत्त नहीं करेगा, जब तक झारखण्ड सरकार का, ऐसी जांच के पश्चात्, जो आवश्यक समझी जाय, समाधान नहीं हो जाता है कि अभ्यर्थी लोक सेवा में नियुक्ति के लिये अपने चरित्र और पूर्व वृत्त के सम्बन्ध में सभी प्रकार से उपयुक्त है।

(ii) सेवा में नियुक्तियाँ समय–समय पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनुसूची–1), पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–2) तथा आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के लिये सेवा में विशेष प्रतिनिधित्व के सम्बन्ध में आदेशों के अध्यधीन होगी।

20. अन्यान्यः–

1. आयोग द्वारा परीक्षाओं के संचालन के अवसर पर झारखण्ड परीक्षा संचालन अधिनियम, 2001 के प्रावधान प्रभावी होगें।

2. आवेदन में अंकित सूचनाओं एवं प्रविशिष्टयों की पूर्ण जिम्मेवारी आवेदक की होगी तथा किसी भी प्रकार की गलत जानकारी के लिए आवेदक स्वयं उत्तरदायी होंगे।

3. विवरणिका में प्रावधानित वांछित शैक्षणिक अहर्त्ता/स्थानीय निवासी/जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण–पत्र/निःशक्तता प्रमाण पत्र/अनुभव प्रमाण पत्र के मानक प्रपत्रों से संबंधित किसी प्रकार के विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

4. आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के विषय पर अभ्यर्थी/उनके माता–पिता/अभिभावक द्वारा:–

   (i) आवेदन प्रपत्र में गलत सूचना देने/गलत प्रमाण पत्र समर्पित करने/जालसाजी,

   (ii) परीक्षा के दौरान अवैध तरीका अपनाने/नकल करने/फर्जी अभ्यर्थी को अपनी जगह पर परीक्षा में बैठाने/कदाचार करने में लिप्त पाये जाने,

   (iii) प्रमाण पत्रों की जाँच के अवसर पर आयोजित काउन्सेलिंग (Counselling) के दौरान फर्जी प्रमाण–पत्रों/फर्जी पहचान के आधार पर नियुक्ति हेतु चयन सूची में स्थान पा जाने की स्थिति में वे निम्न दण्ड के भागी होंगे :–

      (क) अभ्यर्थी की उम्मीदवारी समाप्त कर दी जायेगी।

      (ख) अभ्यर्थी को आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में भाग लेने के लिये अगले 2 वर्षों के लिये वंचित कर दिया जायेगा।

      (ग) अपराधिक घटना की स्थिति में अभ्यर्थी/उनके माता–पिता/अभिभावक यथास्थिति जो भी उत्तरदायी हो, के विरूद्ध विधि के अनुरूप कार्रवाई की जायेगी।

5. आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की आवेदन पत्र/उम्मीदवारी निम्न अवस्थाओं में रद्द किया जा सकेगा :–

   (i) अभ्यर्थी की उम्र परीक्षा में भाग लेने के लिये निर्धारित उम्र सीमा में नहीं होना।

   (ii) शैक्षणिक योग्यता सहित निर्धारित अर्हताओं को पूरा नहीं करना।

   (iii) निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा नहीं करना।

   (iv) प्रमाण पत्रों की जाँच के अवसर पर उम्मीदवारी के समर्थन में आवश्यक अर्हताओं से सम्बन्धित यथा निर्धारित प्रमाण पत्रों की मूल प्रति निर्धारित समय सीमा के अन्दर प्रस्तुत नहीं करना।

(v) आयोग की परीक्षा में नकल करना।

(vi) आयोग की परीक्षा में अपने बदले किसी अन्य व्यक्ति को फर्जी ढंग से शामिल करना।

(vii) अभ्यर्थी द्वारा आवेदन में गलत तथ्य देकर परीक्षा में शामिल होने का अधिकार पा जाना, जो किसी भी समय प्रमाणित हो।इस विषय पर आयोग को निर्णय लेने का अधिकार सुरक्षित होगा।

(viii) आयोग की परीक्षा में शामिल होने के लिये प्रवेश पत्र जारी होना अभ्यर्थी की उम्मीदवारी को संरक्षित नहीं कर सकेगा।

(ix) अभ्यर्थी की उम्मीदवारी रद्द करने के विषय पर निर्णय लेने के पूर्व उसे अपना पक्ष रखने के लिये समुचित अवसर दिया जायेगा तथा पूरे मामले पर सम्यक रूप से विचार करने के उपरान्त आयोग विधिसम्मत निर्णय लेगा।

(x) उम्मीदवारी को रद्द करने के विषय पर निर्णय की जानकारी अभ्यर्थी को यथासमय दी जायेगी।

(xi) परीक्षाफल प्रकाशन होने के 7 दिनों के अन्दर कोई भी परीक्षार्थी विहित प्रपत्र में 500 (पाँच सौ रूपये) शुल्क के साथ पुर्नमूल्यांकन के लिए आवेदन दे सकेगा। इसका यथाशीघ्र निष्पादन आयोग द्वारा करते हुए परीक्षार्थी को सूचित किया जायेगा।

(xii) किसी परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों द्वारा सामूहिक नकल/कदाचार किये जाने की शिकायत होने और जाँच में इसे प्रमाणित पाये जाने पर उक्त परीक्षा केन्द्र पर संपादित परीक्षा को रद्द करने का अधिकार आयोग के पास सुरक्षित रहेगा। परीक्षा रद्द होने की स्थिति में पुनः उसकी परीक्षा नहीं ली जायेगी।

(xiii) परीक्षा की अवधि में किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र के बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

(xiv) अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि Online भरा हुआ आवेदन पत्र Submit करने के पूर्व उसे एक बार भली भांति जाँच ले ताकि कोई त्रुटि न रह जाये।

(xv) वैसे अभ्यर्थी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने के हकदार नहीं होंगे जिन्हें संघ लोक सेवा आयोग/झारखण्ड लोक सेवा आयोग/झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग/अन्य चयन आयोग द्वारा निर्दिष्ट अवधि तक कदाचार के मामलों में परीक्षा से वंचित कर दिये जाने का आदेश पारित किया गया हो।

उम्मीदवारों के परीक्षा में बैठने की पात्रता या अपात्रता के बिन्दु पर आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

(xvi) परीक्षा केन्द्र के अन्दर मोबाइल फोन, पेजर, Bluetooth आदि अथवा इस प्रकार का कोई भी इलेक्ट्रोनिक उपकरण ले जाना वर्जित होगा। परीक्षा केन्द्र के अन्दर किसी प्रकार का इलैक्टोनिक उपकरण पाये जाने पर उस अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाऐगी।

अभ्यर्थियों को यह भी सलाह दी जाती है कि परीक्षा में उपयोग होने वाले वस्तुओं को ही ले जाय। परीक्षा केन्द्र परिसर में शांति एवं अनुशासन बनाये रखना परीक्षार्थियों का दायित्व होगा।

(xvii) प्रवेश पत्र (Admit Card) आयोग के Website पर Upload होगा जिसे अभ्यर्थी Download कर परीक्षा में शामिल होंगे। प्रवेश पत्र (Admit Card) डाक से अलग से नहीं भेजा जायेगा। बिना प्रवेश पत्र (Admit Card) के परीक्षा में बैठने की अनुमति नही दी जायेगी।

प्रवेश पत्र (Admit Card) में फोटो/हस्ताक्षर में त्रुटि होने पर परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। अतः अभ्यर्थी अंतिम रूप से आवेदन submit करने के पूर्व आवेदन पत्र में अपना फोटो एवं हस्ताक्षर का मिलान सुनिश्चित कर लें।

(xviii) परीक्षा से संबंधित सभी सूचनाएँ अधिकृत रूप से आयोग के वेबसाईट पर दिया जायेगा।

(xix) Online दिये गये आवेदन एवं परीक्षा शुल्क की भुगतान से संबंधित बैंक चालान की प्रति परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्गत प्रवेश पत्र (Admit Card) की प्रति अभ्यर्थी अपने पास सुरक्षित रखेगें। इन कागजातो की आवश्यकता भविष्य में हो सकती है।

(xx) आयोग को अपरिहार्य कारणों से परीक्षा के कार्यक्रम में परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

(xxi) प्रवेश पत्र (Admit Card) की मूल प्रति अपने पास सुरक्षित रखें, प्रमाण–पत्रों के जाँच के क्रम में आयोग द्वारा इसकी मांग की जाएगी।

ह०/–
परीक्षा नियंत्रक।

परिशिष्ट–(I)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक– 7/जा.नि. –19–11/2008 का.–5682 दिनांक– 22 अक्टूबर, 2008 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

झारखण्ड सरकार

....

(कार्यालय का नाम)

जाति प्रमाण–पत्र
(सभी कार्यों के लिये)

संख्या–.................................. तिथिः–.............................

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ....पुत्र/पुत्री/पत्नी, श्री .... निवासी, ग्राम/कस्बा/मोहल्ला ....डाकघर........................... थाना .... जिला .... राज्य.............................. अनुसूचित जाति*/अनुसूचित जनजाति* श्रेणी के अन्तर्गत................................... जाति/उप जाति के सदस्य हैं, जो झारखण्ड राज्य के लिये अनुसूचित जाति*/अनुसूचित जनजाति* के रूप में मान्यता प्राप्त है।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी.............................. एवं/अथवा उनका/उनकी परिवार साधारणतः गांव/कस्बा..................................., शहर.............................., जिला..........................., राज्य................. में निवास करते हैं।

स्थान :– सक्षम पदाधिकारी का हस्ताक्षर
नाम ....

दिनांक :– पदनाम ....

(कार्यालय की मुहर)

(नोटः– जो लागू नहीं हो, उसे काट दिया जाय।)

1. * बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा–23 एवं 24 के अन्तर्गत 5वीं तथा 6वीं अनुसूची में अंकित क्रमशः संविधान (अनुसूचित जाति) संशोधन आदेश 1950 एवं संविधान (अनुसूचित जनजाति) संशोधन आदेश 1950
2. * अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 2002.

—————————

परिशिष्ट–(II)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक–
14/जा॰नि॰–03–13/2015/का॰ 1754 दिनांक 25.02.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

झारखण्ड सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति/दाखिला हेतु आवेदन करने के लिए अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को जाति प्रमाण पत्र जारी किये जाने का फार्म

(कार्यालय का नाम)

प्रमाण पत्र सं0 :– दिनांक :–

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री .... पिता श्री.......................... ..../पति श्री .... (विवाहित महिला के मामले में) पता–ग्राम/वार्ड/शहर.. पो0.....................................थाना................................... जिला/प्रमंडल......................................राज्य/संघशासित प्रदेश ...., झारखण्ड राज्य में यथा अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के अधीन ....जाति के सदस्य हैं तथा .... धर्म को मानने वाले हैं।

2. .... तथा/अथवा उनका परिवार साधारणतया झारखण्ड राज्य के ग्राम/नगर .... जिला/प्रमण्डल .... में निवास करते हैं।

3. यह प्रमाण पत्र अगले आदेश तक या झाखण्ड राज्य के अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति की सूची में कोई परिवर्त्तन होने तक वैद्य होगा।

टिप्पणी

क) यहाँ प्रयुक्त पद 'साधारणतया निवासी' का वही अर्थ होगा, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा– 20 में है एवं अंकित स्थान आवेदक के स्व–घोषणा पर आधारित है।

ख) जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारों की सूची निम्नवत् निर्दिष्ट हैः–

i) जिला दण्डाधिकारी/ अपर दण्डाधिकारी/ उपायुक्त/ अपर उपायुक्त/ अपर समाहर्त्ता/ प्रथम श्रेणी दण्डाधिकारी/ अनुमण्डल दण्डाधिकारी/ कार्यपालक दण्डाधिकारी/ सहायक समाहर्त्ता एवं सहायक दण्डाधिकारी

ii) अंचल अधिकारी

ग) बिहार पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 23 और 24 के अधीन क्रमशः पाँचवीं और छठी अनुसूची द्वारा यथासंशोधित संशोधन आदेश 1950 (अनुसूचित जातियों के लिए) तथा संशोधन आदेन 1950 (अनुसूचित जानजातियों के लिए) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 2002 द्वारा गठित झारखण्ड में रिक्तियों और पदों (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए) के लिए आरक्षण अधिनियम 2001।

स्थान : ....

दिनांक :.................................. हस्ताक्षर ....

परिशिष्ट–(III)

संशोधित

भारत सरकार/झारखण्ड सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति/दाखिला हेतु आवेदन करने के लिये अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को जाति प्रमाण–पत्र जारी किये जाने का फारम

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ...., पिता .... ग्राम/नगर ...., जिला/प्रमंडल ...., राज्य/संघशासित प्रदेश ...., निम्नलिखित के अधीन यथा मान्यताप्राप्त अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अधीन .... जाति/जनजाति के सदस्य हैं:–

* संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950
* संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950
* संविधान (अनुसूचित जाति) (संघशासित प्रदेश) आदेश, 1951
* संविधान (अनुसूचित जनजाति) (संघ शासित प्रदेश) आदेश, 1951

(अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सूची (संशोधन) आदेश, 1956, बॉम्बे पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश अधिनियम, 1971 और उत्तर पूर्वी क्षेत्रों (पुनर्गठन) अधिनियम 1976 द्वारा यथासंशोधित)

* संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956
* संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश, अनुसूचित जनजाति आदेश अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959 द्वारा यथासंशोधित
* संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962
* संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962
* संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964
* संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967
* संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968
* संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968
* संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1970
* संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978
* संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978
* संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1989
* संविधान (एससी) आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1990
* संविधान (एसटी) आदेश (संशोधन) अध्यादेश अधिनियम, 1991
* संविधान (एसटी) आदेश (संशोधन) अध्यादेश अधिनियम, 1996
* संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश (संशोधन) अधिनियम, 2002
* संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश (दूसरा संशोधन) अधिनियम, 2002
* अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 2002

2. श्री/श्रीमती/कुमारी .... तथा/अथवा उनका परिवार सामान्य रूप से .... राज्य/संघशासित प्रदेश के ग्राम/नगर .... जिला/प्रमंडल .... में निवास करते हैं।

3. यह प्रमाण पत्र अगले आदेश तक या झारखंड राज्य के अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति की सूची में कोई परिवर्तन होने तक वैध होगा।

टिप्पणी :

क. यहाँ प्रयुक्त पद 'साधारणतया निवासी' का वही अर्थ होगा, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 20 में है।

ख. जाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिये सक्षम प्राधिकारियों की सूची निम्नवत् निर्दिष्ट है :

i) जिला दंडाधिकारी / अपर दंडाधिकारी / उपायुक्त / अपर उपायुक्त / अपर समाहर्ता / प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी / अनुमंडल दंडाधिकारी / तालुका दंडाधिकारी / कार्यपालक दंडाधिकारी / अतिरिक्त सहायक आयुक्त (प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी के पद से अन्यून)

ii) मुख्य प्रेसीडेंसी दंडाधिकारी / अपर प्रेसीडेंसी दंडाधिकारी / प्रेसीडेंसी दंडाधिकारी।

iii) राजस्व पदाधिकारी, जो तहसीलदार के पद से अन्यून होगा।

iv) उस क्षेत्र के अनुमंडल पदाधिकारी जहाँ अभ्यर्थी और / अथवा उसका परिवार रहता है।

स्थान ....

तिथि ....

हस्ताक्षर ....

पदनाम ....

कार्यालय के सील सहित

परिशिष्ट–(IV)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक–7/जाति–19–11/2008 का.–10007 दिनांक– 29 अगस्त, 2012 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

झारखण्ड सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने के लिए अत्यन्त पिछड़ा वर्ग/पिछड़ा वर्ग द्वारा प्रस्तुत कया जाने वाला जाति प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .... पुत्र/पुत्री .... ग्राम/शहर .... थाना .... जिला .... झारखण्ड के रहने वाले/की रहने वाली हैं, जो झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम–2001*,** की धारा–2 के अन्तर्गत अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–1) तथा पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–2) के अधीन अत्यन्त पिछड़ा वर्ग/पिछड़ा वर्ग के रूप में मान्यता प्राप्त .... समुदाय से आते/आती हैं।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या–3482 दिनांक– 10.06.2002 द्वारा अंगीकृत कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार के कार्यालय ज्ञापन संख्या–36012/22/93–स्था0 (एस.सी.टी.) दिनांक– 08.09.1993 की अनुसूची के स्तम्भ–3 में उल्लिखित व्यक्ति/वर्ग (क्रीमी लेयर) में शामिल नहीं हैं।

स्थान :– सक्षम पदाधिकारी का हस्ताक्षर

नाम ....

दिनांक :– पदनाम ....

(कार्यालय की मुहर)

(नोटः– जो लागू नहीं हो, उसे काट दिया जाय।)

1. * झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम, 2001 की अनुसूची–1 एवं अनुसूची–2 में अंकित जातियाँ/उप जातियाँ।
2. ** झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम, 2001 की धारा–2 में सन्निहित अत्यन्त पिछड़ा वर्ग/पिछड़ा वर्ग की जातियों की सूची, जो संकल्प संख्या–3885, दिनांक 05.11.2001, 801 दिनांक 11.02.2003, 3436 दिनांक 28.06.2004, 6337 दिनांक 08.12.2004, 6374 दिनांक 11.12.2004, 368 दिनांक 19.01.2006, 2759 दिनांक 01.06.2006, 3706 दिनांक 15.07.2006, 4447 दिनांक 24.08.2006, 5182 दिनांक 26.09.2006, 1604 दिनांक 28.03.2007, 243 दिनांक 11.01.2008, 5108 दिनांक 23.09.2008, 4450 दिनांक 01.08.2001, 5826 दिनांक 19.09.2011, 697 दिनांक 26.09.2011, 6580 दिनांक 20.10.2011, 8060 दिनांक 17.12.2011 एवं 144 दिनांक 06.01.2012, 2855 दिनांक 27.03.2012 एवं समय–समय पर यथा संशोधित।

पदनाम .... कार्यालय के सील सहित

परिशिष्ट–(V)

क्रीमीलेयर रहित होने सम्बन्धी स्व–घोषणा पत्र

(यह आवेदक/आवेदिका द्वारा पूर्व निर्गत क्रीमीलेयर रहित प्रमाण पत्र के साथ समर्पित किया जायेगा)

मैं .... पिता .... पति/पत्नी .... निवासी, ग्राम/कस्बा/शहर .... पोस्ट .... थाना .... अंचल .... जिला .... राज्य .... एतद् द्वारा घोषित करता/करती हूँ कि मैं .... समुदाय का/की हूँ जो कि कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) भारत सरकार, नई दिल्ली के दिनांक 08.09.1993 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 360112/22/93 स्था० (एस०सी०टी०)/ झारखण्ड राज्य के संकल्प संख्या .... दिनांक .... में निहित आदेश के अनुसार नियोजन/ नामांकन में आरक्षण के प्रयोजन से भारत सरकार/ झारखण्ड सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग/ अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–I)/ पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–II) के रूप में मान्य है।

2. यह कि मुझे झारखण्ड राज्य के जिला .... अंचल .... के द्वारा क्रीमीलेयर रहित प्रमाण पत्र संख्या .... दिनांक .... निर्गत है।

3. मैं यह भी घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि विगत तीन वित्तीय वर्ष के दौरान मैं आठ (8) लाख रूपये से कम वार्षिक आय होने के कारण क्रीमीलेयर में नहीं आता/आती हूँ।

4. मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं दिनांक 08.09.1993 एवं 13.09.2017 के उपर्युक्त संदर्भित कार्यालय ज्ञापन की अनूसूची के कॉलम–3 में उल्लिखित व्यक्तियों/वर्गो (सम्पन्न वर्ग) से सम्बन्धित नहीं हूँ।

5. मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि यदि भविष्य में मेरी उपर्युक्त स्व–घोषणा गलत पाई जाती है तो इसके आलोक में प्राप्त आरक्षण एवं अन्य आनुषंगिक सुविधाओं को रद्द करते हुए धारा 193 भा०द०वि० एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत मेरे विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

आवेदक/आवेदिका (घोषणाकर्त्ता) का हस्ताक्षर

परिशिष्ट–(VI)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक– 14/जा.नि.–03–13/2015/का. 1754 दिनांक 25.02.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

झारखण्ड सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति/शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन हेतु आवेदन करने के लिए अत्यन्त पिछड़ा वर्ग/ पिछड़ा वर्ग के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किये जानेवाले क्रीमीलेयर रहित प्रमाण पत्र का प्रपत्र

(कार्यालय का नाम)

प्रमाण पत्र सं0 :– दिनांक :–

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री .... पिता श्री............... ..../पति श्री .... (विवाहित महिला के मामले में) ग्राम/नगर.................................. जिला/प्रमंडल......................................राज्य/संघशासित प्रदेश .... जाति के सदस्य हैं, जो झारखण्ड रिक्तियों और पदो के लिए आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गो के लिए) अधिनियम 2001 के अधीन पिछड़े वर्ग (अनुसूची–I और II) के रूप में मान्यता प्राप्त हैं तथा ये .... धर्म को माननेवाले हैं।

2. .... तथा/अथवा उनका परिवार साधारणतया झारखण्ड राज्य के ग्राम/ नगर .... जिला/प्रमण्डल .... में निवास करता है/करते हैं।

3. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय ज्ञापांक 36012/22/93–स्था. (एस.ई.टी.) दिनांक 08.09.1993 की अनुसूची के स्तम्भ–3 में उल्लिखित तथा कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या–3482 दिनांक– 10.06.2002 द्वारा यथा अंगीकृत के अधीन क्रीमीलेयर व्यक्ति/वर्ग के सदस्य नहीं हैं।

4. यह प्रमाण पत्र कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93–स्था. (एस.ई.टी.) दिनांक 08.09. 1993 के अपवर्जनों के नियमानुसार प्रगणित आवेदन तथा उसकी/ उसके माता–पिता द्वारा किये गये घोषणा के आधार पर जारी किया जाता है तथा यह निर्गत होने की तिथि से एक वर्ष के लिए वैद्य होगा। किन्तु क्रीमीलेयर में नहीं होने सम्बन्धी अद्यतन स्वधोषणा पत्र (फार्म संख्या–15) संलग्न करने पर इस प्रमाण पत्र की वैद्यता स्वधोषणा पत्र समर्पित करने के वित्तीय वर्ष के लिए मान्य होगी।

स्थान : ....

दिनांक :.................................. हस्ताक्षर ....

पदनाम ....

कार्यालय के सील सहित

परिशिष्ट–(VII)

Government of Jharkhand

(Name & Address of the authority issuing the certificate)

INCOME & ASSET CERTIFICATE TO BE PRODUCED BY ECONOMICALLY WEAKER SECTIONS

Certificate No. ………………………….. Date ………………….

Valid for the Year ………………

This is certify that Shri/Smt./ Kumari …………………………………… son/daughter/wife of ………………………………….. permanent resident of …………………………………. village/street ……………………………….. post office ……………………… District …………………….. in the State/Union Territory Economically Weaker Section, since the gross annual income* of his/her family** is below Rs. 8 Lakh (Rupees Eight Lakh only) for the financial year ………………………. His/Her family does not own or possess any of the following assets***.

I. 5 acres of agricultural land and above;

II. Residential flat of 1000 sq. ft. and above;

III. Residential plot of 100 sq. yards and above in notified municipalities;

IV. Residential plot of 200 sq. yards and above in areas other than the notified municipalities.

2. Shri/Smt./Kumari ……………………………………………….. belongs to the ……………….. caste which is not recognized as a Scheduled Castes, Scheduled Tribe and OBC/ EBC-I/BC-II.

Recent Passport size attested Photograph of the applicant

Signature with seal of office …………..

Name ……………………………………

Designation …………………………….

---

*Note: 1. Income covered all sources i.e. salary, business, profession, etc.

**Note: 2. The term "Family" for this purpose include the person, who seeks benefit of reservation, his/her parents and siblings below the age of 18 years as also his/her spouse and children below the age of 18 years.

***Note: 3. The property held by a "Family" in different places/ cities have been clubbed while applying the land or property holding tests to determine EWS status.

परिशिष्ट–(VIII)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक– 14/स्थानीयता.नीति–14–03/2016 का.–4650 दिनांक– 02.06.2016 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

(अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा दिनांक– 02.06.2016 अथवा इसके बाद के तिथि में निर्गत झारखण्ड का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र ही मान्य होगा)

झारखण्ड सरकार

....

(कार्यालय का नाम)

झारखण्ड का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र सं0 :–   दिनांक :–

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री .... पिता/पति श्री.. पता–ग्राम/वार्ड/शहर... पो0......................................थाना.................................... जिला...................................... के स्थानीय निवासी हैं और यह प्रमाण पत्र कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या–3198 दिनांक– 18.04.2016 की कंडिका– .... में उल्लिखित प्रावधानों के आलोक में निर्गत किया गया है। प्रमाण पत्र धारक की ओर से झारखण्ड के अतिरिक्त किसी अन्य राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश के स्थानीय निवासी नहीं होने का प्रतिज्ञान की प्रतिबद्धता की गई है।

स्थान :–

दिनांक :–

कार्यालय का मुहर   प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले
पदाधिकारी का नाम एवं

पदनाम

परिशिष्ट–(IX)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक– 5752 दिनांक– 19.07.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

(अंचलाधिकारी द्वारा दिनांक–19.07.2019 अथवा इसके बाद के तिथि में निर्गत झारखण्ड का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र ही मान्य होगा)

झारखण्ड सरकार

(कार्यालय का नाम)

झारखण्ड का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र सं0 :–   दिनांक :–

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री .... पिता/पति श्री.... .... पता–ग्राम/वार्ड/शहर.. पो0......................... ....थाना.................................. जिला.................................... के स्थानीय निवासी हैं और यह प्रमाण पत्र कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या–3198 दिनांक– 18.04.2016 की कंडिका– .... में उल्लिखित प्रावधानों के आलोक में निर्गत किया गया है। प्रमाण पत्र धारक की ओर से झारखण्ड के अतिरिक्त किसी अन्य राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश के स्थानीय निवासी नहीं होने का प्रतिज्ञान की प्रतिबद्धता की गई है।

स्थान : ....

दिनांक :..................................

कार्यालय का मुहर

प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले
पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम

परिशिष्ट–(X)

संस्थान/अस्पताल का नाम और पता अनुबन्ध–1

प्रमाण पत्र संख्या.................................. तारीख...

निशक्तता प्रमाण पत्र

चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित उम्मीदवार का हाल का फोटो जो उम्मीदवार की निःशक्तता दर्शाता हो।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी..
........सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री...आयु..लिंग...................
.............पहचान चिन्ह...निम्नलिखित श्रेणी की स्थायी निःशक्तता से ग्रस्त–

क. गति विषयक (लोकोमीटर) अथवा प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (फॉलिज)

(i) दोनो टांगे (बी॰एल॰) – दोनों पैर प्रभावित किन्तु हाथ प्रभावित नहीं
(ii) दोनों बाहें (बी॰ए॰) – दोनों बाहें प्रभावित (क) दुर्बल पहुँच
(ख) कमजोर पकड़
(iii) दोनों टांगे और बाहें (बी॰एल॰ए॰) – दोनों टांगे और बाहें प्रभावित
(iv) एक टांग (ओ॰एल॰) – एक टांग प्रभावित (दायां बायां)
(क) दुर्बल पहुँच
(ख) कमजोर पकड़
(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)
(v) एक बांह (ओ॰ए॰) एक बांह प्रभावित
(क) दुर्बल पहुँच
(ख) कमजोर पकड़
(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)
(vi) पीठ और नितम्ब (बी॰एच॰)– पीठ और नितम्ब में कड़ापन (बैठ और झुक नहीं सकते)
(vii) कमजोर मांस पेशियां (एन॰डब्ल्यू॰) – मांस पेशियों में कमजोरी और सीमित शारीरिक सहनशक्ति।

ख. अंधापन अथवा अल्प दृष्टि

(i) बी॰– अंधापन
(ii) पी॰ बी॰– आंशिक रूप से अंधता

ग. कम सुनाई देना

(i) डी॰– बधिर
(ii) पी॰ डी॰– आंशिक रूप से बधिर
(उस श्रेणी को हटा दें जो लागू न हो)

2. यह स्थिति में प्रगामी है/गैर प्रगामी है/ इसमें सुधार होने की संभावना है/इसमें सुधार होने की संभावना नहीं है। इस मामले का पुनर्निधारण किए जाने की अनुशंसा की जाती।............................वर्षों.. महिनों की अवधि के पश्चात पुनर्निधारण किए जाने की अनुशंसा की जाती है।

3. उनके मामले में निःशक्तता का प्रतिशत...है।

4. श्री / श्रीमती / कुमारी...अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन के लिए निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं को पुरा करते / करती हैः–

(i) एफ – अंगुलियों को चलाकर कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(ii) पी॰ पी॰– धकेलने और खींचने के जरिए कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(iii) एल – उठाने के जरिए कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(iv) के॰ सी॰– घुटनों के बल झुकने और दबक कर कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(v) बी –झुक कर कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(vi) एस – बैठकर कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(vii)एस॰ टी॰– खड़े होकर कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(viii)डब्ल्यू – चलते हुए कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(ix) एस॰ई॰– देख कर कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(x) एच – सुनने / बोलने के जरिए कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं
(xi) आर॰ डब्ल्यू – पढ़ने ओर लिखने के जरिए कार्य कर सकते / सकती हैं।	हाँ / नहीं

(डॉ0...)	(डॉ0...)	(डॉ0..)
सदस्य	सदस्य	अध्यक्ष
चिकित्सा बोर्ड।	चिकित्सा बोर्ड ।	चिकित्सा बोर्ड।

चिकित्सा अधीक्षक / मुख्य चिकित्सा अधिकारी /
अस्पताल के मुखिया द्वारा प्रतिहस्ताक्षारित।
(मुहर सहित)

जो लागू न हो काट दें।

परिशिष्ट–(XI)

संस्थान / अस्पताल का नाम और पता

प्रमाण पत्र संख्या.................................. तारीख.......................................

लिखने में अक्षमता संबंधी प्रमाण पत्र

मुख्य चिकित्सा अधिकारी / सिविल सर्जन द्वारा विधिवत प्रमाणित उम्मीदवार का हाल का फोटो जो निःशक्तता दर्शाता हो।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / श्रीमती / कुमारी.. सुपुत्र / पत्नी / सुपुत्री...आयु...लिंग.................................. पहचान चिन्ह..स्थायी पता .... का परीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया। जाँचोपरांत पाया गया कि इनकी भारीरिक अक्षमता इनके लिखने की प्रक्रिया को अवरूद्ध करती है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी / सिविल सर्जन
(मुहर सहित)

जो लागू न हो काट दें।

नोट– प्रमाण पत्र संबंधित दिव्यांगता के चिकित्सक द्वारा ही निर्गत किया जाय।
(उदाहरण – अंधापन और कम दृश्टि – चक्षु वि[illegible]शज्ञ)

परिशिष्ट–(XII)

झारखण्ड प्रशिक्षित माध्यमिक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा – 2025

श्रुतलेखक/स्क्राइब की उपलब्धता हेतु आवेदन प्रपत्रः–

1. अभ्यर्थी का नाम..2. निबंधन/आवेदन संख्या–

3. अभ्यर्थी की जन्म तिथि–

4. निःशक्तता का प्रकार एवं प्रतिशत–

5. अभ्यर्थी के पिता/पति का नाम–

पासपोर्ट साईज स्व अभिप्रमाणित फोटो

6. अभ्यर्थी का पता–..

....

7. उपलब्ध कराए जाने वाले श्रुतलेखक/स्क्राइब की भाषा– हिन्दी/अंग्रेजी

मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा दी गई उपर्युक्त सूचना पूर्णतः सही है। उक्त घोषणा के गलत पाये जाने पर मेरी उम्मीदवारी/नियुक्ति रद्द कर दी जाय।

अनुलग्नकः– 1. निःशक्तता प्रमाण पत्र/लिखने में अक्षमता संबंधी प्रमाण पत्र।

2. समर्पित ऑनलाईन आवेदन पत्र की प्रति।

अभ्यर्थी का हस्ताक्षर

परिशिष्ट–(XIII)

माध्यमिक आचार्य (Secondary Acharya)

SYLLABUS INDEX

क्र.सं.	विषय / भाषा	Page No.
1	राजनीतिशास्त्र	1-4
2	समाजशास्त्र	5-11
3	मनोविज्ञान	12-15
4	मानवशास्त्र	16-20
5	दर्शनशास्त्र	21-24
6	गृह विज्ञान	25-26
7	भूगर्भशास्त्र	27-30
8	अप्लायड इंग्लिश	31-32
9	उर्दू	33-34
10	संथाली	35-37
11	बंगला	38-39
12	मुण्डारी	40-42
13	हो	43-44
14	कुडुख	45-46
15	कुरमाली	47-48
16	नागपुरी	49-50
17	पंचपरगनिया	51-52
18	खोरठा	53-54
19	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं कोडिंग	55-56
20	कम्प्यूटर साइंस	57-58
21	साइबर सिक्यूरिटी एवं डेटा साइन्स	59-60
22	उड़िया	61-65
23	विशेष शिक्षा आचार्य (माध्यमिक)	66

Secondary Acharya Syllabus- Political Science

1.Political Theory

1. Meaning, Nature, Significance, Status
2. Liberty, Equality, Justice, Rights, Sovereignty
3. Normative Theory and Empirical Theory
4. Behaviouralism and Post Behaviouralism

2.Political Thought

1. Western Thinkers - Plato, Aristotle, Marx
2. Indian Thinkers - Kautilya , Mahatma Gandhi, B. R. Ambedkar, Jai Prakash Narayan

3.Indian Political System

1. Government of India Act 1935, Constituent Assembly, Preamble
2. Fundamental Rights, Directive Principles of State Policy, Fundamental Duties.
3. Indian Federalism and Centre State Relations
4. Executive - Union and State
5. Legislature - Union and State
6. Judiciary - Supreme Court and High Court
7. Election Commission and Niti Aayog
8. Local Self Government
9. Amendment Process of Indian Constitution

4.International Politics

1. International Politics and Its Approaches
2. Indian Foreign Policy - Its Determinants and Principles
3. India's Relations with its neighbouring countries and with USA, Russia and China
4. National Power and National Interest
5. Non Alignment

5. Research Methodology / Dissertation / Paper Presentation

1. Social Science Research - Meaning, Nature and Importance.
2. Hypothesis - Concept, Types and Features of Good Hypothesis.
3. Techniques of Data Collection - Interview, Observation, Questionnaire and Schedule.
4. Report Writing.
5. Project Dissertation Design.
6. Methodology in Social Science.

6. Political Sociology

1. Political Socialization.
2. Political Culture.
3. Political Elites.
4. Political Modernization.

7.Public Administration

1. Max Weber's views on Bureaucracy
2. Administrative Theories - Human Relations (Elton Mayo), Decision – Making Theory (Herbert Simon) and Ecological Theory (Fred Warren Riggs)
3. E-Governance - Meaning, Advantages, Challenges and E-Governance in India.
4. Administrative Management - Leadership, Communication and Motivation.
5. Removal of Citizen's Grievances - Lokpal and Lokayukt.

8.International Organisation / International Law

1. UN Structure - Organization and Function of General Assembly and Security Council.
2. European Union - A Brief Introduction.
3. Laws of warfare - land, Ariel and sea warfare.
4. Blockade and Contraband.
5. Intervention and Extradition..
6. Crime against Humanity - Prisoners of War, Nuremberg Trial and Tokyo Trial.

9.State Politics in India / State Politics in Jharkhand

1. Role of Governor as an Agent of the Centre.
2. State Politics of Jharkhand - Features & Schedule-V of Indian Constitution.
3. Impact of British Administration in Tribal Areas and Protest Movements - Birsa Movement and Kol Rebellion.
4. Circumstances Leading to separation on Jharkhand from Bihar.

10.Financial Administration / Contemporary Political Issues

1. Budget - Principles of Sound Budget.
2. Financial Relations between Centre and State.
3. Environmental Issues - Policies of Government of India and Role of India in International Forum in the Post- Copenhagen Period.
4. RTI Act 2005 - Provisions and Challenges in Implementation.
5. Gender Issue.
6. Challenges of Internal Security - Terrorism, Naxalism and Fundamentalism.
7. Sustainable Development.

राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम

1. राजनीतिक सिद्धांत

1. अर्थ, प्रकृति, महत्व, स्थिति।
2. स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, संप्रभुता।
3. आदर्शवादी सिद्धांत और अनुभववादी सिद्धांत।
4. व्यवहारवाद और उत्तर व्यवहारवाद।

2. राजनीतिक विचार

1. पश्चिमी विचारक - प्लेटो, अरस्तू, मार्क्स।
2. भारतीय विचारक- कौटिल्य, महात्मा गांधी, बी.आर. अंबेडकर, जय प्रकाश नारायण।

3. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था

1. भारत सरकार अधिनियम 1935, संविधान सभा, प्रस्तावना।
2. मौलिक अधिकार, राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत, मौलिक कर्तव्य।
3. भारतीय संघवाद और केंद्र राज्य संबंध।
4. कार्यपालिका - संघ और राज्य।
5. विधायिका - संघ और राज्य।
6. न्यायपालिका - सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय।
7. चुनाव आयोग और नीति आयोग।
8. स्थानीय स्वशासन।
9. भारतीय संविधान में संशोधन प्रक्रिया।

4. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति

1. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और इसके दृष्टिकोण।
2. भारतीय विदेश नीति - इसके निर्धारक और सिद्धांत।
3. भारत के अपने पड़ोसी देशों और अमेरिका, रूस और चीन के साथ संबंध।
4. राष्ट्रीय शक्ति और राष्ट्रीय हित।
5. गुटनिरपेक्षता।

5. शोध पद्धति / शोध प्रबंध / पेपर प्रस्तुति

1. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान - अर्थ, प्रकृति और महत्व।
2. परिकल्पना - अच्छी परिकल्पना की अवधारणा, प्रकार और विशेषताएं।
3. डेटा संग्रह की तकनीक - साक्षात्कार, अवलोकन, प्रश्नावली और अनुसूची।
4. रिपोर्ट लेखन।
5. परियोजना शोध प्रबंध डिजाइन।

6. राजनीतिक समाजशास्त्र

1. राजनीतिक समाजीकरण।
2. राजनीतिक संस्कृति।
3. राजनीतिक अभिजन वर्ग।
4. राजनीतिक आधुनिकीकरण।

7. लोक प्रशासन

1. नौकरशाही पर मैक्स वेबर के विचार।
2. प्रशासनिक सिद्धांत - मानव संबंध (एल्टन मेयो), निर्णय-निर्माण सिद्धांत (हर्बर्ट साइमन) और पारिस्थितिकी सिद्धांत (फ्रेड वॉरेन रिग्स) ।
3. ई-गवर्नेंस - अर्थ, लाभ, चुनौतियाँ और भारत में ई-गवर्नेंस।
4. प्रशासनिक प्रबंधन - नेतृत्व, संचार और प्रेरणा।
5. नागरिकों की शिकायतों का निवारण - लोकपाल और लोकायुक्त।

8. अंतर्राष्ट्रीय संगठन / अंतर्राष्ट्रीय कानून

1. संयुक्त राष्ट्र की संरचना - महासभा और सुरक्षा परिषद का संगठन और कार्य।
2. यूरोपीय संघ - एक संक्षिप्त परिचय।
3. युद्ध के नियम - भूमि, हवाई और समुद्री युद्ध।
4. नाकाबंदी और तस्करी।
5. हस्तक्षेप और प्रत्यर्पण।
6. मानवता के खिलाफ अपराध - युद्ध बंदी, न्यूरेमबर्ग परीक्षण और टोक्यो परीक्षण।

9. भारत में राज्य की राजनीति / झारखंड में राज्य की राजनीति

1. केंद्र के एजेंट के रूप में राज्यपाल की भूमिका।
2. झारखंड की राज्य की राजनीति - विशेषताएँ और भारतीय संविधान की अनुसूची-V.
3. आदिवासी क्षेत्रों में ब्रिटिश प्रशासन का प्रभाव और विरोध आंदोलन- बिरसा आंदोलन और कोल विद्रोह।
4. झारखंड को बिहार से अलग करने वाली परिस्थितियाँ।

10. वित्तीय प्रशासन / समकालीन राजनीतिक मुद्दे

1. बजट - सुदृढ़ बजट के सिद्धांत।
2. केंद्र और राज्य के बीच वित्तीय संबंध।
3. पर्यावरण संबंधी मुद्दे - भारत सरकार की नीतियाँ और कोपेनहेगन के बाद के दौर में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका।
4. आरटीआई अधिनियम 2005 - प्रावधान और कार्यान्वयन में चुनौतियाँ।
5. लैंगिक मुद्दा।
6. आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियाँ - आतंकवाद, नक्सलवाद और कट्टरवाद।
7. सतत विकास।

Secondary Acharya Syllabus- Sociology

1. Sociology – The Discipline:
   i) Modernity and social changes in Europe and emergence of sociology.
   ii) Scope of the subject and comparison with other social sciences.
2. Concepts in Sociology: Status, Role, Norms, Values, Social group,Reference group, Caste, Class, Gender, Race, Social Control, Deviance, Ethnicity, Culture, Civilisation
3. Social structure: Concept and Elements
4. Social Stratification: Forms and Theories
5. Social mobility – open and closed systems, types of mobility, sources and causes of mobility
6. Socialisation: Agencies, Theories - Herbert Mead and Charles Cooley
7. Classical Thinkers: Emile Durkheim, Karl Marx and Max Weber
8. Positivism: Auguste Comte
9. Neo-functionalism: J. Alexander, R. K. Merton
10. Neo-Marxism: Althusser, Habermas, Gramsci
11. Symbolic Interactionism: George Herbert Mead, Erving Goffman
12. Ethnomethodology: Harold Garfinkel
13. Post-structuralism: Michel Foucault, Jacques Derrida
14. Sociology as Science, Scientific method
15. Scientific social research: Nature and stages
16. Fact value and Objectivity
17. Research Methods: Quantitative and Qualitative
18. Hypothesis: Characteristics and sources
19. Sampling: Meaning and Types
20. Techniques of Data Collection - Survey, Interview, Observation, Case Study, Oral History, Narratives,Content Analysis.
21. Tools of data collection: Questionnaire and Schedules
22. Social Statistics: Importance and Limitations
23. Classification, tabulation and graphical presentation of Data
24. Measures of Central Tendency: Mean, Median, Mode
25. Measures of Dispersion: Average, Deviation, Standard Deviation
26. Basic institutions of Indian society: Varna, Caste, Tribe, AshramVyavastha

27. Processes of Change in India: Sanskritisation, Westernisation, Modernisation, Secularisation
28. Caste: Features, Dominant caste, Jajmani system
29. Weaker sections: Dalits, Minorities
30. Women and Gender – Issues and Movements
31. Family, Marriage and Kinship – Forms, Changes, Emerging Trends
    i) Family: Features, Types and Functions
    ii) Marriage: Rules, Types, Marriage Transactions (Dowry and Bride Wealth)
    iii) Kinship: Incest, Consanguinity, Affinity, Clan, Terminology, Usages,
32. Kinship organisation in India, Regional patterns in India
33. Tribes: Definition, Classification and Characteristics
34. Tribal Economy: Hunters and Gatherers, Forest-based, shifting cultivation, Nomads, Settled agriculture, Artisans
35. Tribal Integration and Identity
36. Tribal mobility and social change
37. Problems of tribal people: Poverty, Land alienation, Issues of displacement, migration and development
38. Rural and Agrarian social structure
39. Caste, class and power in Rural India
40. Land Reforms and Green Revolution
41. Rural Development and Panchayati Raj
42. Rural Problems in India
43. Rural-urban linkages, Rural- urban continuum
44. Urbanisation – Trends and Theories
45. Town, City, Metropolis: Concepts and classifications
46. Urban Community: Features and types
47. Slums, Poverty and Urban Problems
48. Migration: concept, types
49. Social change: Characteristics, Forms and Factors
50. Theories of Social Change – Evolutionary, Cyclical (Vilfredo Pareto, Pitirim Sorokin), Conflict (Karl Marx, Lewis Coser)
51. Development:Concepts and Models (Capitalist, socialist, Mixed Economy, Gandhian, Community)
52. Underdevelopment: Concept and Theories (World-system theory, Dependency theory)

53. Sustainable development and social implications
54. Sociological perspectives on Religion: Emile Durkheim and Max Weber
55. Religion and Magic
56. Religion and social change: Reform movements in India [Brahmo Samaj, Arya Samaj, Satyashodhak Samaj (Truth Seekers' Society)]
57. Pluralism, Secularism and Communalism
58. Perspectives on the study of Indian society:
    i) Indological (G.S. Ghurye)
    ii) Structural-functional (M.N. Srinivas and S.C. Dube)
    iii) Marxist (A.R. Desai and D.P. Mukerji)
    iv) Subaltern (David Hardiman)
59. Industrial Sociology: Industrial revolution and changes in society; Work, labour and management; Collective bargaining; Post-industrial society
60. Power, Authority, State, Citizenship, Bureaucracy, Political Processes, Political culture and Political socialization
61. Pressure groups and interest groups
62. Democratic Processes and Civil Society
63. Globalisation: Concept, History, Consequences
64. Agencies of Globalisation: Information Technology, Multinational Corporations, Media, Non-Governmental Organisations, International Agencies
65. Globalisation and Culture
66. Social Movements: Concept, types and Theories
67. Different Social Movements in India:Nationalist movement, Peasant movements, Tribal movements, Dalit movement, Women's movements, Environmental movement, New social movements

1. समाजशास्त्र - विषय:

8

i) यूरोप में आधुनिकता और सामाजिक परिवर्तन तथा समाजशास्त्र का उदय।

ii) विषय का कार्यक्षेत्र और अन्य सामाजिक विज्ञानों से तुलना।

2. समाजशास्त्र में अवधारणाएँ: स्थिति, भूमिका, मानदंड, मूल्य, सामाजिक समूह, संदर्भ समूह, जाति, वर्ग, लिंग, प्रजाति, सामाजिक नियंत्रण, विचलन, नृजातीयता, संस्कृति, सभ्यता

3. सामाजिक संरचना: अवधारणा और तत्व

4. सामाजिक स्तरीकरण: रूप और सिद्धांत

5.. सामाजिक गतिशीलता - खुली और बंद प्रणाली, गतिशीलता के प्रकार, गतिशीलता के स्रोत और कारण

6. समाजीकरण: एजेंसियाँ, सिद्धांत - हर्बर्ट मीड और चार्ल्स कूले

7. शास्त्रीय विचारक: एमिल दुर्खीम, कार्ल मार्क्स और मैक्स वेबर

8. प्रत्यक्षवाद: ऑगस्ट कॉम्ट

9. नव-प्रकार्यवाद: जे. अलेक्जेंडर, आर. के. मर्टन

10. नव-मार्क्सवाद: अल्थुसर, हैबरमास, ग्रामशी

11. प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद: जॉर्ज हर्बर्ट मीड, इरविंग गोफमैन

12. नृजाति पद्धति शास्त्र :हेरोल्ड गार्फिंकेल

13. उत्तर-संरचनावाद: मिशेल फूको, जैक्स डेरिडा

14. समाजशास्त्र एक विज्ञान, वैज्ञानिक पद्धति

15. वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान: प्रकृति और चरण

16. तथ्य मूल्य और वस्तुनिष्ठता

17. अनुसंधान विधियाँ: मात्रात्मक और गुणात्मक

18. परिकल्पना: विशेषताएँ और स्रोत

19. नमूनाकरण: अर्थ और प्रकार

20. आंकड़ों के संग्रह की तकनीकें - सर्वेक्षण, साक्षात्कार, अवलोकन, केस स्टडी, मौखिक इतिहास, कथा, अंतर्वस्तु विश्लेषण।

21. आंकड़ा संग्रह के उपकरण: प्रश्नावली और अनुसूचियाँ

22. सामाजिक सांख्यिकी: महत्व और सीमाएँ

23. आंकड़ों का वर्गीकरण, सारणीकरण और आंकड़ों का चित्रात्मक प्रदर्शन

24. केंद्रीय प्रवृत्ति के माप: माध्य, माध्यिका, बहुलक

25. परिक्षेपण के माप: औसत, विचलन, मानक विचलन

26. भारतीय समाज की बुनियादी संस्थाएँ: वर्ण, जाति, जनजाति, आश्रम व्यवस्था

27. भारत में परिवर्तन की प्रक्रियाएँ: संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, धर्मनिरपेक्षता

28. जाति: विशेषताएँ, प्रभु जाति, जजमानी व्यवस्था

29. कमजोर वर्ग: दलित, अल्पसंख्यक

30. महिलाएँ और लिंग - मुद्दे और आंदोलन

31. परिवार, विवाह और नातेदारी - रूप, परिवर्तन, उभरते रुझान

   i) परिवार: विशेषताएँ, प्रकार और कार्य
   ii) विवाह: नियम, प्रकार, विवाह लेन-देन (दहेज और वधू मूल्य)
   iii) नातेदारी: व्यभिचार, रक्त संबंध, आत्मीयता, गोत्र, शब्दावली, प्रयोग,

32. भारत में नातेदारी संगठन और भारत इसकी क्षेत्रीय विविधताएँ

33. जनजातियाँ: परिभाषा, वर्गीकरण और विशेषताएँ

34. जनजातीय अर्थव्यवस्था: शिकारी और संग्राहक, वन-आधारित, स्थानांतरित खेती, खानाबदोश, स्थायी कृषि, कारीगर

35. जनजातीय एकीकरण और पहचान

36. जनजातीय गतिशीलता और सामाजिक परिवर्तन

37. जनजातीय लोगों की समस्याएँ: गरीबी, भूमि अलगाव, विस्थापन, प्रवास और विकास के मुद्दे

38. ग्रामीण और कृषि सामाजिक संरचना

39. ग्रामीण भारत में जाति, वर्ग और शक्ति

40. भूमि सुधार और हरित क्रांति

41. ग्रामीण विकास और पंचायती राज

42. भारत में ग्रामीण समस्याएँ

43. ग्रामीण-नगरीय संबंध, ग्रामीण-नगरीय सातत्य

44. नगरीकरण - रुझान और सिद्धांत

45. कस्बा, नगर, महानगर: अवधारणाएँ और वर्गीकरण

46. नगरीय समुदाय: विशेषताएँ और प्रकार

47. मलिन बस्तियाँ, गरीबी और शहरी समस्याएँ

48. प्रवास: अवधारणा, प्रकार

49. सामाजिक परिवर्तन: विशेषताएँ, रूप और कारक

50. सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत - विकासवादी, चक्रीय (विल्फ्रेडो पारेटो, पिटिरिम सोरोकिन), संघर्ष (कार्ल मार्क्स, लुईस कोसर)

51. विकास: अवधारणाएँ और प्रतिरूप (पूंजीवादी, समाजवादी, मिश्रित अर्थव्यवस्था, गांधीवादी, समुदाय)

52. अविकसितता: अवधारणा और सिद्धांत (विश्व-व्यवस्था सिद्धांत, निर्भरता सिद्धांत)

53. सतत विकास और सामाजिक निहितार्थ

54. धर्म पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण: एमिल दुर्खीम और मैक्स वेबर

55. धर्म और जादू

56. धर्म और सामाजिक परिवर्तन: भारत में सुधार आंदोलन (ब्रह्म समाज, आर्य समाज, सत्यशोधक समाज)

57. बहुलतावाद, धर्मनिरपेक्षता और सांप्रदायिकता

58. भारतीय समाज के अध्ययन पर परिप्रेक्ष्य:

i) "भारतविद्या" या "भारतीय अध्ययन" (जी.एस. घुर्ये)

ii) संरचनात्मक-कार्यात्मक (एम.एन. श्रीनिवास और एस.सी. दुबे)

iii) मार्क्सवादी (ए.आर. देसाई और डी.पी. मुखर्जी)

iv) दलित चिंतन/ निम्न वर्गीय_परिप्रेक्ष्य (डेविड हार्डिमैन)

59. औद्योगिक समाजशास्त्र: औद्योगिक क्रांति औरं समाज में परिवर्तन; कार्य, श्रम और प्रबंधन; सामूहिक सौदेबाजी; उत्तर-औद्योगिक समाज

60. शक्ति, सत्ता, राज्य, नागरिकता, नौकरशाही, राजनीतिक प्रक्रियाएँ, राजनीतिक संस्कृति और राजनीतिक समाजीकरण

61. दबाव समूह और हित समूह

62. लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ और नागरिक समाज

63. वैश्वीकरण: अवधारणा, इतिहास, परिणाम

64. वैश्वीकरण की एजेंसियाँ: सूचना प्रौद्योगिकी, बहुराष्ट्रीय निगम, मीडिया, गैर-सरकारी संगठन, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियाँ

65. वैश्वीकरण और संस्कृति

66. सामाजिक आंदोलन: अवधारणा, प्रकार और सिद्धांत

67. भारत में विभिन्न सामाजिक आंदोलन: राष्ट्रवादी आंदोलन, किसान आंदोलन, जनजातीय आंदोलन, दलित आंदोलन, महिला आंदोलन, पर्यावरण आंदोलन, नए सामाजिक आंदोलन

Secondary Acharya Syllabus- Psychology

1. Definitions, Methods and Scopes of Psychology
2. Structure and Function of Nervous System
3. Perceptual Processing
4. Theories of Perception: Behavioristic and Gestalt.
5. Learning: Nature and Theories
6. Nature and Processes of Remembering (Encoding, Storage & Retrieval)
7. Causes of Forgetting, Theories of Forgetting
8. Physiological Basis of Emotion, Theories of Emotion
9. Scientific Approach to Psychology; Types of Research
10. Major Stages of Psychological Research
11. Types of Research Design
12. Introduction of Social Psychology
13. Nature, Process, Stages and Determinants of Socialization
14. Nature; Development of Prejudice & Communalism
15. Reduction of Prejudice & Communalism
16. Nature, Anti and Pro- Social Behavior of Inter- Group Relations; Group Dynamics and Cohesiveness
17. Nature and Development of Organizational Dynamics; Characteristics of A Good Organization, Fatigue and Monotonous
18. Factors Affecting Work Environment in Special Reference to Hawthorne Studies; Importance of Motivation & Incentive for Work
19. Meaning, Types and Application of Statistics in Psychology; Level of Measurement
20. Nature, Types of Central Tendency in Statistics
21. Meaning and Types of Correlation
22. WHO Classification (ICD–11) and Multiaxial System (DSM-V) in Psychopathology
23. Meaning, Types, Symptoms, Causes and Treatment of Anxiety Disorder, Obsessive – Compulsive Disorders, Mood Disorder and Schizophrenia
24. Sleep Disorder and Eating Disorder; Substance Related Disorders
25. Concept, Causes and Symptoms of Stress; Introduction of Stress Management: - Types, Causes and Strategies
26. Personal Characteristics of Occupational Stress

27. Hypo Kinetic/ Life Style Diseases and ill management: Obesity, Hypertension, Diabetes, Menopause, Osteoporosis, Thyroid, and Depression
28. Role of Behavioural Factors in Disease and Disorders
29. Therapies in Health and Well-Being, Yoga, Surya Namaskar, Aerobic and Nutrition
30. Nature & Development of Clinical Fields; Psychiatry; Psychiatric Social Work.
31. Techniques of Psychodiagnosis: The Case History and Interview
32. Cognitive Behavior Therapy- Concept; Types and Importance
33. Group Therapy – Concept, Types and Importance of Community Mental Health Programmes
34. Historical Developments and Major Concerns of Applied Social Psychology
35. Increasing Environmental Attitudes in Applied Social Psychology
36. Legal Safe-Guards of Women Empowerment
37. Violence Against Children & Elders- Causes and Preventions
38. Corruption
39. Definition And Perspectives of Community Psychology; Types of Research in Community Psychology
40. Community & Social Change; Community Organizing Techniques
41. Definition and Objectives, Theoretical Perspectives of Positive Psychology
42. Determinants of Happiness, Life Satisfaction, & Peace
43. Development of Character Strength in Positive Psychology, Barriers in Developing Strengths and Virtues
44. Meaning, Types and Goals of Counselling and Guidance
45. Skills of An Effective Counselor, Ethical Issues in Counseling & Guidance
46. Tools of Counseling: Interview and Degrees of Lead by the Counselor
47. Counseling For Hypertension/Cancer/ HIV/AIDS/Child Abuse /Drug Abuse Patients

पाठ्यक्रम - मनोविज्ञान - 2025

1. मनोविज्ञान की परिभाषाएँ, विधियाँ और क्षेत्र
2. तंत्रिका तंत्र की संरचना और कार्य
3. अवधारणात्मक प्रसंस्करण
4. प्रत्यक्षण के सिद्धांत: व्यवहारवादी और गैस्टाल्ट।
5. सीखना: प्रकृति और सिद्धांत
6. स्मरण की प्रकृति और प्रक्रियाएं (कुटसंकेतन, भंडारण और पुनःप्राप्ति),
7. विस्मरण के कारण, विस्मरण के सिद्धांत
8. संवेग का शारीरिक आधार, संवेग के सिद्धांत
9. मनोविज्ञान के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण; अनुसंधान के प्रकार
10. मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के मुख्य चरण
11. अनुसंधान डिजाइन के प्रकार
12. सामाजिक मनोविज्ञान का परिचय
13. समाजीकरण की प्रकृति, प्रक्रिया, चरण और निर्धारक
14. पूर्वाग्रह और साम्यवाद की प्रकृति एवं विकास
15. पूर्वाग्रह और साम्यवाद में कमी
16. प्रकृति, अंतर-समूह संबंध में असामाजिक और सामाजिक व्यवहार, समूह गतिशीलता और सामंजस्य।
17. संगठनात्मक गतिशीलता की प्रकृति और विकास; संठनात्मक व्यवहार के प्रकार; एक अच्छे संगठन की विशेषताओं, थकान और एकरसता
18. हॉथोर्न के अध्ययन के विशेष संदर्भ के साथ कार्य वातावरण को प्रभावित करने वाले कारक; कार्य के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन का महत्व।
19. मनोविज्ञान में सांख्यिकी का अर्थ, प्रकार और अनुप्रयोग; मापन का स्तर
20. प्रकृति, सांख्यिकी में केंद्रीय प्रवृत्ति के प्रकार
21. सहसंबंध के अर्थ और प्रकार
22. मनोविकृति में WHO (ICD-11) और बहु अक्षीय प्रणाली (DSM-V) के वर्गीकरण
23. चिंता का अर्थ, लक्षण, कारण एवं उपचार : मनोग्रसित बाध्यता विकार, मनोदशा विकृति और मनोविदलता।
24. नींद और खाने के विकार; पदार्थों से संबंधित विकार

25. तनाव की अवधारणा, कारण और लक्षण; तनाव प्रबंधन का परिचय: प्रकार, कारण और रणनीतियाँ
26. व्यावसायिक तनाव की व्यक्तिगत विशेषताएं
27. हाइपो काइनेटिक / लाइफ स्टाइल रोग एवं बीमारी प्रबंधन: मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रजोनिवृत्ति, ऑस्टियोपोरोसिस, थायरॉइड, अवसाद
28. रोगों और विकारों में व्यवहारिक कारकों की भूमिका
29. स्वास्थ्य एवं कल्याण में चिकित्सा, योग, सूर्य नमस्कार, एरोबिकस एवं पोषण
30. नैदानिक क्षेत्रों की प्रकृति और विकास; मनोचिकित्सा; सामाजिक मनोरोग कार्य।
31. मनोचिकित्सा की तकनीक: नैदानिक इतिहास और साक्षात्कार
32. संज्ञानात्मक-व्यवहार चिकित्सा: अवधारणा; प्रकार और महत्व
33. समूह चिकित्सा - मानसिक स्वास्थ्य के सामुदायिक कार्यक्रमों की अवधारणा, प्रकार और महत्व
34. अनुप्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान की ऐतिहासिक विकास और मुख्य सरोकार
35. लागू सामाजिक मनोविज्ञान में पर्यावरणीय दृष्टिकोण में वृद्धि
36. महिला सशक्तिकरण की कानूनी गारंटी
37. बच्चों और बुजुर्गों के खिलाफ हिंसा: कारण और रोकथाम
38. भ्रष्टाचार
39. सामुदायिक मनोविज्ञान की परिभाषा एवं परिप्रेक्ष्य; सामुदायिक मनोविज्ञान में अनुसंधान के प्रकार
40. समुदाय और सामाजिक परिवर्तन; सामुदायिक संगठन की तकनीकें
41. सकारात्मक मनोविज्ञान की परिभाषा और उद्देश्य, एवं सैद्धांतिक दृष्टिकोण
42. सुख के निर्धारक, जीवन से संतुष्टि, शांति
43. सकारात्मक मनोविज्ञान में चरित्र की शक्ति का विकास, शक्तियों और गुणों के विकास में बाधाएं
44. परामर्श एवं निर्देशन का अर्थ, प्रकार एवं लक्ष्य
45. एक प्रभावी परामर्शदाता के कौशल, परामर्श एवं निर्देशन के नैतिक पहलू
46. परामर्शन के उपकरण: साक्षात्कार और परामर्शदाता द्वारा नेतृत्व की डिग्री
47. उच्च रक्तचाप/कैंसर/एचआईवी/एड्स/बाल शोषण/नशीली दवाओं का दुरुपयोग करने वाले मरीजों का परामर्शन

Secondary Acharya Syllabus- Anthropology

1. **Social-Cultural Anthropology** – meaning and scope, relationship with other branches of Anthropology, relationship with Life Science and Social Science.Marriage-definition, types, function and ways of acquiring mates. Family- definition, types and function. Kinship-definition and usages. Magic, Religion and Science-definition, characteristics, function and difference between them. Economic Anthropology-meaning, characteristics of simple society, simple economy myth or real. Political Anthropology-meaning, political system of simple society, difference between primitive law and modern law.
2. **Research Methodology** – Research-definition, essential steps for scientific research, types of research. Methods of Research-census method, sampling method, survey method and fieldwork or ethnographic method. Techniques and Tools of Data Collection-observation, interview, schedule, questionnaire, genealogical table, case study, P.R.A and R.R.A. Research Design-meaning, types and formation of research design. Data, Hypothesis, Theory and Law.
3. **Biological Anthropology** – meaning, scope and its branches, relation with other branches of Anthropology. Organic Evolution-Lamarckism, Darwinism and synthetic theory. Man's place in animal kingdom-classification, distribution and evolutionary features of primate order, anatomical difference between apes and man. Fossils-Australopithecus, Homo-habilis, Pithecanthroposerectus, Sinanthropuspekinensis, Neanderthal, Cro-magnon, Chancelede and Grimaldi. Human Genetics-Mendelian genetics in Human, DNA analysis and chromosomal studies.
4. **Linguistic Anthropology** – meaning, scope and relation with other branches of Anthropology, Linguistics and its branches, theories of origin of language. Structure of Human Communication-verbal and non-verbal. Sapir-Whorf Hypothesis, Linguistic family in India and their distribution.
5. **Indian Anthropology** – researches in formulatory period, constructive period and analytical period. Bases of Indian Social System-Varna,

Ashram and Purushartha, meaning and characteristics of caste, class and jajmani system. Contribution of Indian Anthropologists- S.C. Roy, M.N. Srinivas, N.K. Bose, D.N. Majumdar, S.C. Dube, L.P. Vidyarthi and Sachchidananda.

6. **Prehistoric Archaeological Anthropology** – meaning, scope and relation with other branches of Anthropology, Geological time scale and evolution of life, Pleistocene stratigraphy and its main features. Relative method and Absolute method of dating. The tool types and techniques- lower paleolithic period, middle paleolithic period, upper paleolithic period, meso-lithic period and neo-lithic period. Tools and features of Chaco-lithic culture, Bronze age and emergence of Indus valley civilization.
7. **Developmental Anthropology** – meaning, types of development and parameters of development, agency of development. Industrial development- development, displacement and rehabilitation problems, case study of Bokaro, Hatia and Jamshedpur. Panchayati Raj and development.
8. **Anthropological Theory** – 19^{th} century Classical British school of evolution, German school of evolution, American school of evolution and neo-evolutionary school. British school of diffusion, German school of diffusion and American school of diffusion. Functional school of thought. Structural–Functional school of thought. Culture and Personality school of thought and Civilizational study.
9. **Tribal-Culture of India** – Tribe-definition, characteristics and geographical distribution, comparison between tribe and caste. Tribal and Forest-importance of forest for tribal, chief forest produce of Jharkhand, tribal medicines, tribals and forest policies, chief characteristics of tribal village. Tribal Movements-Maler revolt, Great Kol revolt, Santhal revolt, Birsa movement, Tana Bhagat movement, Saphahor movement, Lakhobodera movement and Raghunath Murmu movement. Process of change- Hinduisation, Sanskritisation, Christianisation, Modernisation, Detribalisation and Retribalisation.

1. **सामाजिक-सांस्कृतिक मानवशास्त्र** – अर्थ और क्षेत्र, मानवशास्त्र की अन्य शाखाओं के साथ संबंध, जीवन विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के साथ संबंध।

   विवाह – परिभाषा, प्रकार, कार्य और साथी प्राप्त करने के तरीके।

   परिवार – परिभाषा, प्रकार और कार्य।

   नातेदारी – परिभाषा और उपयोग।

   जादू, धर्म और विज्ञान – परिभाषा, विशेषताएँ, कार्य और इनके बीच अंतर।

   आर्थिक मानवशास्त्र – अर्थ, सरल समाज की विशेषताएँ, सरल अर्थव्यवस्था मिथक या वास्तविकता।

   राजनीतिक मानवशास्त्र – अर्थ, सरल समाज की राजनीतिक प्रणाली, आदिम कानून और आधुनिक कानून के बीच अंतर।

2. **अनुसंधान पद्धति** – अनुसंधान की परिभाषा, वैज्ञानिक अनुसंधान के आवश्यक चरण, अनुसंधान के प्रकार।

   अनुसंधान की विधियाँ – जनगणना विधि, सैंपल विधि, सर्वेक्षण विधि और क्षेत्रकार्य या जातीय पद्धति।

   डेटा संग्रहण की तकनीक और उपकरण – अवलोकन, साक्षात्कार, अनुसूची, प्रश्नावली, वंशवृक्ष तालिका, केस स्टडी, पी.आर.ए. और आर.आर.ए.

   अनुसंधान डिजाइन – परिभाषा, प्रकार और निर्माण।

   डेटा, परिकल्पना, सिद्धांत और नियम।

3. **जैविक मानवशास्त्र** – अर्थए क्षेत्र और मानवशास्त्र की अन्य शाखाओं के साथ संबंध।

   सजीव विकास – लामार्कवाद, डार्विनवाद और संयुक्त सिद्धांत।

   मानव का पशु साम्राज्य में स्थान – प्राइमेट क्रम की वर्गीकरण, वितरण और विकासात्मक विशेषताएँ, मनुष्य और वानरों के शारीरिक अंतर।

   जीवाश्म – ऑस्ट्रालोपिथेकस, होमो-हैबिलिस, पिथेकैंथ्रोपस इरेक्टस, सिनैंथ्रोपस पेकिनेंसिस, निएंडरथल, क्रो-मैग्नन, चांसलेड और ग्रिमाल्डी।

   मानव आनुवंशिकी – मनुष्यों में मेंडेलियन आनुवंशिकी, डीएनए विश्लेषण और गुणसूत्रीय ———.

4. **भाषाई मानवशास्त्र** – अर्थ, क्षेत्र और मानवशास्त्र की अन्य शाखाओं के साथ संबंध।
भाषाविज्ञान और इसकी शाखाएँ, भाषा की उत्पत्ति के सिद्धांत।
मानव संप्रेषण की संरचना – मौखिक और अमौखिक।
सैपिर-वॉर्फ परिकल्पना, भारत में भाषा परिवार और उनका वितरण।

5. **भारतीय मानवशास्त्र** – प्रारंभिक, निर्माणात्मक और विश्लेषणात्मक काल की शोध।
भारतीय सामाजिक प्रणाली के आधार – वर्ण, आश्रम और पुरुषार्थ, जाति, वर्ग और जजमानी प्रणाली की विशेषताएँ।
भारतीय मानवशास्त्रियों का योगदान – एस.सी. रॉय, एम.एन. श्रीनिवास, एन.के. बोस, डी.एन. मजूमदार, एस.सी. दुबे, एल.पी. विद्यार्थी और सच्चिदानंद।

6. **प्रागैतिहासिक पुरातात्विक मानवशास्त्र** – अर्थ, क्षेत्र और मानवशास्त्र की अन्य शाखाओं के साथ संबंध, भूगर्भीय समय मापन और जीवन का विकास, प्लाइस्टोसीन स्तर और मुख्य विशेषताएँ। सापेक्ष और निरपेक्ष डेटिंग विधियाँ ।
औजार प्रकार और तकनीक – निम्न पाषाण काल, मध्य पाषाण काल, उच्च पाषाण काल, मध्य पाषाण काल और नवपाषाण काल।
चाल्कोलिथिक संस्कृति, कांस्य युग और सिंधु घाटी सभ्यता का उदय।

7. **विकासात्मक मानवशास्त्र** – अर्थ, विकास के प्रकार और मानदंड, विकास की एजेंसी।
औद्योगिक विकास – विकास, विस्थापन और पुनर्वास समस्याएँ; बोकारो, हटिया और जमशेदपुर का केस स्टडी।
पंचायती राज और विकास।

8. **मानवशास्त्रीय सिद्धांत** – 19वीं सदी के शास्त्रीय ब्रिटिश विकासवाद सिद्धांत, जर्मन विकासवाद सिद्धांत, अमेरिकी विकासवाद सिद्धांत और नव -विकासवाद सिद्धांत।
शास्त्रीय ब्रिटिश प्रसरणवाद सिद्धांत, जर्मन प्रसरणवाद सिद्धांतऔर अमेरिकी प्रसरणवाद सिद्धांत।

कार्यात्मक विचारधारा, संरचनात्मक-कार्यात्मक विचारधारा, संस्कृति और व्यक्तित्व स्कूल के विचार तथा सिवलीज़ेशन स्टडी।

9. **भारत की जनजातीय संस्कृति** – जनजाति- परिभाषा, विशेषताएँ और भौगोलिक वितरण, जाति और जनजाति में तुलना।
जनजाति और वन – वनों का जनजातियों के लिए महत्त्व, झारखंड के मुख्य वन उत्पाद, जनजातीय औषधियाँ, वन नीति और जनजातियाँ, जनजातीय गाँव की मुख्य विशेषताएँ।
जनजातीय आंदोलन – मालेर विद्रोह, कोल विद्रोह, संथाल विद्रोह, बिरसा आंदोलन, ताना भगत आंदोलन, सफाहोर आंदोलन, लाखोबोडेरा आंदोलन और रघुनाथ मुर्मू आंदोलन।
परिवर्तन की प्रक्रियाएँ – हिन्दूकरण, संस्कृतिकरण, ईसाईकरण, आधुनिकीकरण, जनजातीयता का (डीट्राइबलाईजेशन) और पुनः जनजातीयकरण (रीट्राइबलाईजेशन)।

****

1. **Indian Philosophy** and **Western Philosophy**
   - Theistic and Atheistic sects of Indian Philosophy.
   - Western Philosophy- Rationalism, Empiricism, Criticism.
2. **Indian Epistemology** and **Western Epistemology.**

   Indian
   - Pramanyavad – Swatah and Paratah Pramanyavad
   - Pramana
   - Theories of perceptual error

   Western
   - Theories of truth
   - Apriori and Aposteriori knowledge.
3. **Indian Metaphysics** and **Western Metaphysics**.

   Indian
   - Concept of God and Atman
   - Padartha- Jaina, Vaisesika and Samkhya
   - Causation – Nyaya, Bauddha, Samkhya and Shankarachary

   Western
   - Causation – Aristotle, Mill, Hume
   - The Universal- Realism, Conceptualism, Nominalism
   - Mind-Body Relation – Descrtes, Spinoza, Leibnitz
4. **Indian Ethics** and **Western Ethics**.

   Indian
   - The ethical significance of Purusarthas
   - The Law of Karma
   - Jaina's Triratnas, Buddhist Panchsheel

   Western
   - Utilitarianism
   - Kantian Deontology
5. Modern Indian Philosopher
   - Sri Aurobindo
   - Swami Vivekananda
   - Rabindranath Tagore
   - Mahatma Gandhi
   - S. Radhakrishana

6. Analytic Philosophy

- Russell, B.: Knowledge by acquaintance and knowledge by description.
- Ayer, A.J.: Elimination of metaphysics.
- Wittgenstein, L.: Meaning and use, Language game.
- Austin, J.L.: Performatives, Speech-acts.
- Ryle, G.: "Knowing how" and "Knowing that"

7. Comparative Religion

- Concept of God: Hinduism, Judaism and Islam.
- Sin and atonement: Hinduism and Christianity.
- Immortality of soul and rebirth: Hinduism and Buddhism.
- Pathways of Salvation: Hinduism and Jainism.
- Destiny of man: Hinduism and Christianity

8. Phenomenology and Existentialism

- Husserl: Critique of naturalism and psychologism.
- Heidegger: Conception of Dasein, Time and Being.
- Kierkegaard: Conception of existence, subjectivity as truth.
- Sartre: Conception of being in itself, being for itself and being for others.
- Sartre: The problem of freedom

9. Logic Scientific Method (Inductive Logic)

Methods of Natural and Social Science

- Aim of Scientific Method.
- Difference Between Natural and Social Sciences.

Observation and Experiment

- Differences, advantages and fallacies.

Hypothesis and Science

- Place of Hypothesis in Scientific Method.
- Forms of Hypothesis.

Mill's Experimental Methods

- Kinds of Experimental Methods

10. Deductive Logic and Symbolic Logic

- Terms and Proposition.
- Classification of terms.
- Classification of propositions.
- Distribution of terms.
- Pure Categorical Syllogism: Rules and fallacies of Pure Categorical Syllogism.
- Logic and Symbolic Logic: Definition, nature, subject matter and its advantages.
- Elementary notions and principles of truth functional Logic, Argument and Argument forms
- Truth Tables of compound statements and Argument forms. Technique of symbolization.

  Method of Deduction: Rules of Inference and rules of Replacement.

1. भारतीय दर्शन एव पाश्चात्य दर्शन
    - भारतीय दर्शन के आस्तिक और नास्तिक सम्प्रदाय
    - पाश्चात्य दर्शन – बुद्धिवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद
2. भारतीय ज्ञानमीमांसा एवं पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा
   भारतीय
    - प्रामाण्यवाद – स्वतः एवं परतः प्रामाण्यवाद
    - प्रमाण
    - भ्रम का सिद्वांत

   पाश्चात्य
    - सत्यता का सिद्वांत
    - प्रागनुभविक और अनुभवाश्रित ज्ञान
3. भारतीय तत्वमीमांसा एवं पाश्चात्य तत्वमीमांसा
   भारतीय
    - ईश्वर, आत्मा की अवधारणा
    - पदार्थ– जैन, वैशेषिक सांख्य
    - कारणता– न्याय, बौद्व, सांख्य, शंकराचार्य

   पाश्चात्य
    - कारणता–अरस्तु, मिल, ह्यूम
    - सामान्य– वास्तववाद, नामवाद अवधारणावाद
    - मन– शरीर सम्बन्ध– डेकार्त, स्पिनोजा, लाइबनिट्ज
4. भारतीय नीतिशास्त्र एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र
   भारतीय
    - पुरूषार्थों का नैतिक महत्व
    - कर्म के सिद्वांत
    - जैन– त्रिरत्न, बौद्व–पंचशील सिद्वांत

   पाश्चात्य
    - उपयोगितावाद
    - कांट का कर्त्तव्यशास्त्र
5. आधुनिक भारतीय दार्शनिक
    - श्री अरबिन्द
    - स्वामी विवेकानन्द
    - रबिन्द्रनाथ टैगोर
    - महात्मा गॉधी
    - सर्वपल्ली राधाकृष्णन
6. विश्लेषणात्मक दर्शन

- रसेल, बी0 :– साक्षात परिचय ज्ञान और विवरणात्मक ज्ञान।
- एयर, ए0जे0 :– तत्वमीमांसा का निरसन।
- विटगेन्स्टीन, एल0 :– अर्थ एवं प्रयोग, भाषायी खेल।
- आस्टीन, जे0एल0 :– सम्पादनसूचता, वाक् क्रिया।
- राइल, जी :– "कैसे जानना" और "जानना कि"

7. तुलनात्मक धर्म

- ईश्वर की अवधारणा :– हिन्दू–धर्म, यहूदी–धर्म एवं इस्लाम–धर्म।

- पाप और प्रायश्चित :– हिन्दू धर्म एव ईसाई–धर्म।
- आत्मा की अमरता और पुनर्जन्म – हिन्दू–धर्म एवं बौद्ध–धर्म।
- मोक्ष के मार्ग :– हिन्दू–धर्म और जैन–धर्म।
- मनुष्य की नियति :– हिन्दू–धर्म एवं ईसाई–धर्म।

8. **संवृतिशास्त्र और अस्तित्ववाद**

- हुसर्रल :– प्रकृतिवादितावाद और मनौवैज्ञानिकतावाद की आलोचना।
- हाइडेगर :– मानव अस्तित्व, समय और सत्ता की अवधारणा।
- किर्केगार्ड :– अस्तित्व की अवधारणा, आत्मनिष्ठता सत्य के रूप में।
- सार्त्र :– स्वयं में होना, चेतन–सत्ता तथा अन्य सत्ता की अवधारणा।
- सार्त्र :– स्वतंत्रता की समस्या

9. **तर्कशास्त्र (वैज्ञानिक विधि / आगमन तर्कशास्त्र)**
   <u>प्राकृतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की विधियाँ</u>

- वैज्ञानिक विधि के उद्देश्य
- प्राकृतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में भेद

<u>निरीक्षण और प्रयोग</u>

- भेद लाभ और दोष
- कल्पना और विज्ञान
- विज्ञान में कल्पना का स्थान
- कल्पना के प्रकार

मिल की प्रायोगिक विधियाँ

- मिल की प्रायोगिक विधियों के प्रकार

10. **निगमन तर्कशास्त्र और प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र**
    पद और तर्कवाक्य

- पदों का वर्गीकरण
- तर्कवाक्यों का वर्गीकरण
- पदों की व्याप्ति

शुद्व निरपेक्ष न्यायः शुद्व निरपेक्ष न्याय के नियम एवं दोष

- तर्कशास्त्र और प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र :– परिभाषा, स्वरूप, विषयवस्तु और इसके लाभ।
- सत्यता–फलनीय तर्कशास्त्र की प्राथमिक धारणा और सिद्धांत, युक्ति और युक्ति–आकार
- यौगिक प्रकथनों एवं युक्ति–आकारों की सत्यता–सारणी, प्रतीकीकरण की तकनीक।
- निगमन–विधि :– अनुमान के नियम और प्रतिस्थापन–नियम।

Secondary Acharya Syllabus- Home Science

1. Introduction to food Science, Health Nutrition and nutrient.

   खाद्य विज्ञान का परिचय, स्वास्थ्य पोषण एवं पोषक तत्व।

2. Nutrient-Carbohydrates, Protein, Fats, Vitamin, Minerals, Sources and daily allowances.

   पोषक तत्व–कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन्स, खनिज लवण, स्रोत एवं प्रतिदिन की आवश्यक मात्रा।

3. Nutritional Bio-Chemistry, Digestion and absorption.

   पोषणीय जैव–रसायन पाचन एवं अवशोषण।

4. Public Nutrition –Concept and Primary Health Care of the community, National Nutrition Policies and programmes.

   जन स्वास्थ्य अवधारणा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल।

5. Nutrition from childhood to adulthood and elderly.

   बाल्यावस्था से किशोरावस्था एवं वयोवृद्ध अवस्था में पोषण।

6. Therapeutic Nutrition for cardiovascular disease, diabetes mellitus, liver disorders, gastrointestinal disorders and hypertension.

   हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, यकृत संबंधी रोग, पेट एवं आँत संबंधी रोग एवं उच्च रक्त चाप की अवस्था में चिकित्सीय पोषण।

7. Food preservation, food safety and quality control.

   खाद्य संरक्षण, खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता नियंत्रण।

8. Applied physical science-meaning scope and objectives.

   भौतिक विज्ञान – अर्थ, क्षेत्र एवं उद्‌देश्य।

9. Introduction to Human Development, Theories of human development.

   मानव विकास – परिचय, सिद्धान्त।

10. Human Development birth – 2 years, 2-6 years and middle childhood to adolescents.

    मानव विकास जन्म से 2 वर्ष, 2–6 वर्ष एंव मध्य बाल्यावस्था से किशोरावस्था।

11. Human Resource Management – Meaning, Objectives and Functions.

    मानव संसाधन प्रबंधन – अर्थ, उद्‌देश्य एवं कार्य।

12.Extension education and communication – Meaning objectives and principles of extension education communication system – Meaning, Importance and types.

प्रसार शिक्षा एवं संचार अर्थ, उद्देश्य एवं प्रसार शिक्षा के सिद्धान्त संचार प्रणाली– अर्थ, महत्व एवं प्रकार।

13.Family Budget – Types and Items.

पारिवारिक बजट – प्रकार एवं मद।

14.Social Research – Meaning, Objectives, Importance and Stages.

सामाजिक शोध – अर्थ, उद्देश्य, महत्त्व एवं चरण।

15.Primary data gathering instruments – observation, questionnaire and interview : Types, Merits and Demerits.

प्राथमिक आँकड़ा संग्रहण उपकरण – अवलोकन, प्रश्नावली एवं साक्षात्कार – प्रकार, गुण एवं दोष।

16.Environment :- Definition, Scope of environmental studies.

पर्यावरण – परिभाषा, पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्र।

17.Pollution and Environment with reference to Air, Water and Soil – Source and Effect of pollution.

प्रदूषण एवं पर्यावरण – वायु, जल एवं भूमि – स्रोत एवं प्रदूषण के प्रभाव।

18.Methods of Solid waste management.

ठोस अपशिष्ट के प्रबंधन की विधियाँ।

19.Textile fibres – Cotton, Wool, Silk and Polyester – Introduction, Manufacturing process, properties and use.

वस्त्रोपयोगी रेशा :– कपास, ऊन, रेशम एवं पोलिएस्टर – परिचय, निर्माण प्रक्रिया, गुण एवं उपयोग।

20.Textile finishes – Meaning, Purpose and types.

वस्त्र परिसज्जा – अर्थ, उद्देश्य एवं प्रकार

21.Traditional Indian Textile and Embroideries.

भारतीय परम्परागत वस्त्र एवं कढाई।

Secondary Acharya Syllabus- Geology

GEOMORPHOLOGY: Concept of the evolution of landforms; Characteristics and types of fluvial landforms, concept of peneplains, Aeolian landforms, Glacial landforms; karst topography, Volcanic landforms; geomorphology of coasts; Development of drainage system, drainage pattern; Geomorphic features of India.

GEOTECTONICS: Major tectonics features of earth: rift valley, mobile belt, continental shelf and slope; Plate tectonics boundaries, Sea floor spreading, Orogeny and orogenic cycle, structure and tectonics features of India.

STRUCTURAL GEOLOGY: Mechanical principles of rock deformations; Folds, faults, joints, unconformities, their morphology, classification, recognition in field; Cleavage, schistosity, and lineation.

REMOTE SENSING AND GEOGRAPHIC INFORMATION SYSTEM: Electromagnetic spectrum; Atmospheric Window; Basic idea of thermal Infrared and Microwave remote sensing; Remote sensing satellite program and their characteristics; Basic principles of GIS and Image Interpretation.

STRATIGRAPHY: Principals of stratigraphy; Precambrian stratigraphy of Singhbhum craton; Proterozoic stratigraphy of Vindhyan Super Group,Cuddapahs; Palaeozoic stratigraphy; Gondwana Supergroup; Mesozoic formation of Triassic of Spiti; Jurassic of Kuch; Cretaceous of Trichinopoly; Tertiary formation of Siwalik group.

PALEOBIOLOGY: Morphology, classification, and biostratigraphy of Trilobites, Brachiopods, Bivalves, Cephalopoda, Gastropods, and Echinoids; vertebrate and its classification; evolutionary trends of Equidae, Probocidae and man; Foraminifera: dimorphism, morphology, and biostratigraphy.

OPTICAL MINERALOGY:behavior of isotropic and anisotropic minerals in polarized light; double refraction, Interference figure, birefringence; and Sign determination of Uniaxial and Biaxial minerals.

CRYSTALLOGRAPHY: Internal and External symmetry of crystals; Hermann Mauguin notations, space groups; polymorphism, Isomorphism, Radius ratio; and principles of XRD and XRF.

DESCRIPTIVE MINERALOGY: Silicate structure and its classification; Physical and optical properties, chemistry and paragenesis of olivine, garnet, Epidote, pyroxene, amphibole, mica, quartz, and feldspar.

IGNEOUS PETROLOGY: Magma: nature and evolution; Phase equilibrium (binary and tertiary); texture and forms of igneous bodies; IUGS classification; Petrogenesis of granite, basalt, komatiites, ophiolites, carbonatites.

SEDIMENTALOGY: Texture and structure of sedimentary rocks; Provenances; sedimentary environment, and facies; sedimentary basins of India;Soil: components, formation, and profile.

METAMORPHIC PETROLOGY: Metamorphicgrade, zonesand facies; Classification of metamorphic rocks; ACF, AKF, and AFM diagrams; regional and thermal metamorphism of pelitic, carbonates, basic and ultrabasic rock; petrogenesis of charnockites, migmatites, and granitoids.

GEOCHEMISTRY: Origin and abundance of elements in the Earth and solar system, Geochemical classification of elements, Decay mechanism of U-Pb, Sm-Nd, Rb-Sr, and K-Ar; Stable isotopes – nature, abundance, and fractionation; Geochemical cycle; thermodynamics: laws, and applications in petrology.

ECONOMIC GEOLOGY: Textures and structures of ore; Mode of occurrences and morphology of ore bodies; Ore genesis process such as magmatic, hydrothermal, sedimentary, metamorphic, and weathering.

INDIAN MINERAL DEPOSITS: Mode of occurrences and distribution of mineral deposits of Iron, Copper, Lead and Zinc, Manganese, Aluminum, Chromium, Gold, Uranium, Thorium, Graphite, and Mica in India.

MINERAL EXPLORATION: Geological criteria for mineral prospecting; principles and application of Geochemical and surface geophysical exploration techniques; Strategic, critical, and essential minerals.

MINING GEOLOGY: Surface and underground mining; room and pillar and long wall mining methods; Mining hazards: Mine inundation, mine fire and rock burst; drilling, and its types.

ENGINERRING GEOLOGY: Engineering properties of rocks and soils; Geological investigation and criteria for site selection of Dams, Tunnels, and Bridges.

HYDROGEOLOGY: Hydrological cycle; Water bearing strata; and its properties; darcy laws; groundwater: physical and chemical properties, pollutions, exploration, and managements; groundwater provinces in India.

ENVIRONMENTAL GEOLOGY: Global warming; Soil, water and air pollution, its causes, effects, and mitigations; Environmental protection and conservation laws in India; Natural hazards: flood, earthquakes, and landslides.

FOSSIL FUEL GEOLOGY: Coal: origin, and types; physical and chemical characterization of coal; Grade and rank of coal; Concepts of Macerals and Micro-lithotypes, Coal Bed Methane; Petroleum: Origin, migration, and traps; properties of source and reservoir rocks; Important coal and petroliferous basins of India.

भूविज्ञान पाठ्यक्रम

भूआकृति विज्ञान: भू-आकृतियों के विकास की अवधारणा; नदीय भू-आकृतियों के लक्षण और प्रकार; प्रायद्वीपीय क्षेत्र की अवधारणा, एओलियन भू-आकृतियाँ, हिमनदी भू-आकृतियाँ; कार्स्ट स्थलाकृति, ज्वालामुखीय भू-आकृतियाँ; तटों की भू-आकृति विज्ञान; जल निकासी प्रणाली का विकास, जल निकासी पैटर्न; भारत की भू-आकृतिक विशेषताएँ।

भू-विवर्तनिकी: पृथ्वी की प्रमुख विवर्तनिकी विशेषताएँ: दरार घाटी, गतिशील पट्टी, महाद्वीपीय शेल्फ और ढलान; प्लेट विवर्तनिकी सीमाएँ, समुद्र तल का फैलाव, पर्वतीय क्षेत्र और पर्वतीय चक्र, भारत की संरचना और विवर्तनिकी विशेषताएँ।

संरचनात्मक भूविज्ञान: चट्टान के विरूपण के यांत्रिक सिद्धांत; तह, दोष, जोड़, असंगतताएं, उनकी आकृति विज्ञान, वर्गीकरण, क्षेत्र में पहचान; दरार, शिस्टोसिटी और रेखांकन।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली: विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम; वायुमंडलीय विंडो; थर्मल इन्फ्रारेड और माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग का मूल विचार; रिमोट सेंसिंग उपग्रह कार्यक्रम और उनकी विशेषताएँ; जीआईएस और छवि व्याख्या के मूल सिद्धांत।

स्तरीकरण: स्तरीकरण के सिद्धांत; सिंहभूम क्रेटन की प्रीकैम्ब्रियन स्तरीकरण; विंध्यन सुपर ग्रुप, कुडप्पा की प्रोटेरोज़ोइक स्तरीकरण; पैलियोज़ोइक स्तरीकरण; गोंडवाना सुपरग्रुप; स्पीति के ट्राइसिक का मेसोज़ोइक गठन; कुच का जुरासिक; त्रिचीनोपोली का क्रेटेशियस; शिवालिक समूह का तृतीयक गठन।

पैलियोबायोलॉजी: ट्राइलोबाइट्स, ब्राचिओपोड्स, बाइवाल्व्स, सेफलोपोडा, गैस्ट्रोपोड्स और इचिनोएड्स की आकृति विज्ञान, वर्गीकरण और बायोस्ट्रेटीग्राफी; कशेरुकी और इसका वर्गीकरण; इक्विडे, प्रोबोसिडी और मनुष्य के विकासवादी रुझान: फोरामिनिफेरा: द्विरूपता, आकारिकी, और बायोस्ट्रेटीग्राफी।

ऑप्टिकल खनिज विज्ञान: ध्रुवीकृत प्रकाश में आइसोट्रोपिक और अनिसोट्रोपिक खनिजों का व्यवहार; दोहरा अपवर्तन, व्यतिकरण आकृति, द्विअपवर्तन; तथा एकअक्षीय और द्विअक्षीय खनिजों का चिह्न निर्धारण।

क्रिस्टलोग्राफी: क्रिस्टल की आंतरिक और बाह्य समरूपता; हरमन मौगिन संकेतन, अंतरिक्ष समूह; बहुरूपता, समरूपता, त्रिज्या अनुपात; तथा XRD और XRF के सिद्धांत।

वर्णनात्मक खनिज विज्ञान: सिलिकेट संरचना और उसका वर्गीकरण; भौतिक और ऑप्टिकल गुण, ओलिवाइन, गार्नेट, एपिडोट, पाइरोक्सिन, एम्फीबोल, अभ्रक, क्वार्ट्ज और फेल्डस्पार का रसायन विज्ञान और पैराजेनेसिस।

आग्नेय शैल विज्ञान: मैग्मा: प्रकृति और विकास; चरण संतुलन (द्विआधारी और तृतीयक); आग्नेय निकायों की बनावट और रूप; IUGS वर्गीकरण; ग्रेनाइट, बेसाल्ट, कोमाटाइट्स, ओफियोलाइट्स, कार्बोनेटाइट्स का पेट्रोजेनेसिस।

तलछटी विज्ञान: तलछटी चट्टानों की बनावट और संरचना; उद्गम; तलछटी वातावरण और मुखाकृति; भारत की तलछटी घाटियाँ; मिट्टी: घटक, गठन और प्रोफ़ाइल।

कायांतरण शैल विज्ञान: कायांतरण ग्रेड, क्षेत्र और मुखाकृति; कायांतरण चट्टानों का वर्गीकरण; एसीएफ, एकेएफ और एएफएम आरेख; पेलिटिक, कार्बोनेट, बेसिक और अल्ट्राबेसिक रॉक का क्षेत्रीय और थर्मल कायांतरण; चार्नोकाइट्स, मिग्माटाइट्स और ग्रेनाइटॉइड्स का पेट्रोजेनेसिस।

भू-रसायन विज्ञान: पृथ्वी और सौर मंडल में तत्वों की उत्पत्ति और प्रचुरता, तत्वों का भू-रासायनिक वर्गीकरण, U-Pb, Sm-Nd, Rb-Sr और K-Ar का क्षय तंत्र; स्थिर समस्थानिक - प्रकृति, प्रचुरता और विभाजन; भू-रासायनिक चक्र; ऊष्मप्रवैगिकी: शैल विज्ञान में नियम और अनुप्रयोग।

आर्थिक भूविज्ञान: अयस्क की बनावट और संरचना; अयस्क निकायों की घटनाओं और आकृति विज्ञान का तरीका; अयस्क उत्पत्ति प्रक्रिया जैसे मैग्मैटिक, हाइड्रोथर्मल, तलछटी, मेटामॉर्फिक और अपक्षय।

भारतीय खनिज भंडार: भारत में लोहा, तांबा, सीसा और जस्ता, मैंगनीज, एल्यूमीनियम, क्रोमियम, सोना, यूरेनियम, थोरियम, ग्रेफाइट और अभ्रक के खनिज भंडार की घटनाओं और वितरण का तरीका।

खनिज अन्वेषण: खनिज पूर्वेक्षण के लिए भूवैज्ञानिक मानदंड; भू-रासायनिक और सतह भूभौतिकीय अन्वेषण तकनीकों के सिद्धांत और अनुप्रयोग; रणनीतिक, महत्वपूर्ण और आवश्यक खनिज।

खनन भूविज्ञान; सतही और भूमिगत खनन; कक्ष और स्तंभ तथा लंबी दीवार खनन विधियाँ; खनन खतरे: खदान में जलप्लावन, खदान में आग लगना और चट्टानों का फटना; ड्रिलिंग और इसके प्रकार।

इंजीनियरिंग भूविज्ञान: चट्टानों और मिट्टी के इंजीनियरिंग गुण; बांधों, सुरंगों और पुलों के लिए स्थल चयन हेतु भूवैज्ञानिक जांच और मानदंड।

जल विज्ञान: जल विज्ञान चक्र; जल धारण करने वाली परतें; और इसके गुण; डार्सी नियम; भूजल: भौतिक और रासायनिक गुण, प्रदूषण, अन्वेषण और प्रबंधन; भारत में भूजल प्रांत।

पर्यावरण भूविज्ञान: ग्लोबल वार्मिंग; मिट्टी, पानी और वायु प्रदूषण, इसके कारण, प्रभाव और शमन; भारत में पर्यावरण संरक्षण और संरक्षण कानून; प्राकृतिक खतरे: बाढ़, भूकंप और भूस्खलन।

जीवाश्म ईंधन भूविज्ञान: कोयला: उत्पत्ति और प्रकार; कोयले का भौतिक और रासायनिक लक्षण वर्णन; कोयले का ग्रेड और रैंक; मैकेरल और माइक्रो-लिथोटाइप की अवधारणाएँ, कोल बेड मीथेन; पेट्रोलियम: उत्पत्ति, प्रवास और जाल; स्रोत और जलाशय चट्टानों के गुण; भारत के महत्वपूर्ण कोयला और पेट्रोलियम बेसिन।

Secondary Acharya Syllabus- Applied English

1. Reading Comprehension (20 MCQs):

- Unseen passages (factual, narrative or argumentative)
  - Main idea, theme or purpose of the passage
  - Inference-based questions (e.g., author's intent or implied meaning)
  - Vocabulary in context (synonyms, antonyms or word meanings)
  - Logical reasoning (e.g., assumptions or conclusions)

2. Grammar and Usage (20 MCQs)

- Parts of speech
- Tenses
- Subject-verb agreement
- Active/passive voice
- Direct/indirect speech
- Common errors (articles, determiners, modifiers, prepositions, conjunctions)

3. Vocabulary (20 MCQs)

- Word meaning
- Synonyms and antonyms
- Idioms and phrases
- One-word substitutions
- Commonly confused words
- Phrasal verbs

4. Verbal Ability and Language Mechanics (20 MCQs)

- Filling blanks in a passage with appropriate words
- Rearranging phrases and words to form a coherent sentence
- Choosing the best option to complete a sentence
- Punctuation and capitalization
- Sentence clarity and conciseness
- Appropriate word choice for tone and style

5. Writing Skill (20 MCQs)

- Types, features, format, structure, objectives and purpose of writing:
    - formal letters
    - emails
    - reports
    - notices
    - memos
    - minutes of meeting
    - reviews (books/films/reports)
    - precis

Secondary Acharya Syllabus- Urdu

1. Zubaan ki Tareef, Ahmiyat-o-Afaadiyat; Hind Aryaee zubano ka Irtiqa, Urdu Zubaan ki ibtida se mutaliq Nazariyaat, Urdu aur Khadi Boli ka Rishta.
2. Dakan aur Shumali Hind mein Urdu Nasr ka Irtiqa.
3. Daastaan ka Fun aur iska Irtiqa, Dastaan - Bagh-o Bahaar, Fasana-e-Ajaeb, Fort William College ki Nasari Khidmaat.
4. Novel ka Fun, Novel ke jza-e- Tarkibi, Novel ka Aaghaaz-o-Irtiqa, Novel -Umrao Jaan Ada, Godaan, Aag ka Darya, Fire Area
5. Mukhtasar Afsaane ki Tareef, Afsaane ka Fun, Afsaane ke jza-e tarkibi, Afsaane ka Aaghaaz-o-Irtiqa, Afsaane: Poos ki Raat (Prem Chand), Naya Qanoon (Saadat Hasan Manto), Laajwanti (Rajinder Singh Bedi), Kaalu Bhangi (Krishn Chandr), Chauthhi ka Joda (Ismat Chughtaee), Aakhri Aadmi(Intezaar Hussain), Parinda Pakadne Waali Gaadi (Ghayaas Ahmad Gaddi), Khaandaan ki Naak(Sheen Akhtar), Aasmaan se Girti hui Rotiyaan (Manzar Kaazmi), Dynamite(Zaki Anwar).
6. Drama ka Fun: Drama ke jza-e-Tarkibi: Drama ka Aaghaaz-o-Irtiqa, Drama -Anaar kali(Imtiyaaz Ali Taaj), Zahaak (Mohammad Hasan).
7. Khutoot Nawisi ke Usool, Khutoot-e-Ghalib ki Khususiyaat, Ghalib ka Khhat-Har Gopaal Tafta ke Naam, Meer Mehdi Majrooh ke Naam.
8. Mazmoon ki Taareef, Mazmoon ke jza-e-Tarkibi, Mazameen-e-Sir Syed ki Khususiyaat, Sir Syed Ke Mazmoon- Ummid ki Khushi, Guzra hua Zamana.
9. Urdu Inshaeya Nigaari, Inshaeye - Savere jo kal Aankh Meri Khuli(Pitras Bukhaari), Paasbaan (Rasheed Ahmad Siddiqi), Yaadash Bkhair(Mushtaaq Ahmad Yusufi), Mirza Ghalib ki Press Conference (Mujtaba Husain).
10. Urdu Sawanah Nigaari, Sawanah - Yaadgaar-e-Ghaalib (Maulana Altaaf Husain Haali).
11. Urdu Khaaka Nigaari, Khaaka - Nazeer Ahmad Ki Kahaani Kuchh Meri Kuchh Unki Zubaani (Mirza Farhatullah Beg).
12. Maulana Abul Kalaam Azaad - Hayaat-o-Khidmaat.
13. Masnavi ka Fun, Masnavi ke jza-e-Tarkibi, Urdu Masnavi ka Aaghaaz-o-Irtiqa, Masnavi - Sahr-ul-Bayaan (Meer Hasan), Gulzaar-e-Naseem (Daya Shankar Naseem).

14. Marsiye ka Fun, Marsiye ke jza-e-Tarkibi, Urdu Marsiye ka Aaghaaz-o-Irtiqa, Marsiya - Namak-e-Khaan-e-Takallum hai Fasahat Meri (Meer Anees), Kis sher ki amad hai ke ran kanp raha hai- (Mirza Dabeer)

15. Qaside ka Fun, Qaside ke jza-e-Tarkibi, Urdu Qaside ka Aaghaaz-o-Irtiqa, Qasida - Tazheek-e-Rozgaar (Mirza Sauda), Zahe Nishaat Agar Kijiye Usay Tahreer (Zauq Dehlavi).

16. Nazm Nigaari ka Fun, Urdu Nazm ka Aaghaz-o-irtiqa, Nazm - Kaljug (Nazeer Akbarabaadi), Lenin Khuda ke Huzoor Mein (Allama Iqbaal), Barq-e-Kaleesa (Akbar Allahabaadi), Kisaan (Josh Malihabaadi), Subh-e-Azaadi (Faiz Ahmad Faiz), Ek Ladka (Akhtar-ul-Imaan), Paspaee (Wahaab Daanish).

17. Ghazal ka Fun, Urdu Ghazal ka Aaghaaz-o-Irtiqa, Ghazal- Piya Baaj Pyala Piya Jae Na(Quli Qutub Shah), Muflisi Sab Bahaar Khoti hai (Wali Dakani), Hasti Apni Habaab ki Si hai (Meer Taqi Meer), Har Ek Baat Pe Kahte Ho Tum ke Tu Kya Hai (Mirza Ghaalib), Yeh Aarzu Thhi Tujhe Gul Ke Rubaru Karte (Aatish Lakhnavi), Digargoon hai Jahaan Taron ki Gardish Tez Hai Saaqi (Allama Iqbal), Gulon Mein Rang Bhare Baad-e-Nau Bahaar Chalay (Faiz Ahmad Faiz), Tamannao mein uljhaya gya hoon (Shaad Azimabaadi), Bahut pahle se un qadmon ki aahat jaan lete hain (Firaaq Gorakhpuri), Dil mein ek Lahr si uthi hai abhi (Naasir Kaazmi), Seene mein Jalan Aankhon mein Toofaan Sa kyon hai (Shahryaar), Shabnam bheegi ghaas pe chalna kitna achha lagta hai (Prakash Fikri), Rakkhe na qadam pyaar ke haale mein na aae (Siddiq Mujibi).

18. Tanqeed Nigaari ka Fun, Urdu Tanqeed ka Aaghaaz-o-Irtiqa, Tanqeed ke Mukhtalif Dabistaan, Tanqidi Tasnifaat - Muqadma Sher-o-Shaeri (Maulana Altaaf Husain Haali), Urdu Adab ki Tanqidi Tareekh (Ehtishaam Husain), Sher Ghair Sher aur Nasr (Shamsur Rahmaan Faruqi), Muzmiraat-o- Mumkinaat (Wahaab Ashrafi).

Secondary Acharya Syllabus - Santhali

संताली लोक साहित्य

संताली लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

लोकगीत – परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएं एवं महत्त्व।

लोककथा एवं लोकगाथा – परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएं एवं महत्त्व।

प्रकीर्ण साहित्य – लोकोक्ति, मुहावरें, पहेली, मंत्र, खेलगीत – परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएं एवं महत्त्व।

संताली व्याकरण

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया-विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची शब्द, समानार्थक शब्द, अनेक शब्दों का एक शब्द।

संताली भाषा विज्ञान

संताली भाषा का परिचय, परिभाषा, उद्‌भव और विकास, विशेषताएं, क्षेत्र विस्तार, पारिवारिक वर्गीकरण, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली में अंतर।

ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान,अर्थ विज्ञान – परिभाषा एवं उपयोगिता।

संताली पद्य साहित्य

संताली पद्य साहित्य का उद्भव और विकास।

रस, छन्द, अलंकार – परिभाषा एवं प्रकार।

कविता– (क) बाहा डालवाक् (आतुक् दाक् मा गोडो-गोडो, सुक आर दुक, आबो जानाम दिसोम, कुली।)

(ख) तिरियो तेताङ (सांगिञ रिनीच् चेड़ें, पेड़ा, तिरियो तेताङ, जुडासी जेगेंत्।)

कवि – पी. जी. सोरेन, हरिहर हांसदा।

संताली कहानी साहित्य

कहानी का परिभाषा, तत्व, स्वरूप एवं विशेषताएं।

कहानी – (क) सानताड़ी काहनी गानथार घारोंच (जान हापा, सारजोम साकाम चिरायेना, बाज मुन्दाम, लालोच, माई नोमिता, सोना मुन्दाम।)

कहानी – (ख) जियोन गाडा (मित् बिता हासा, हाकिम।)

लेखक – कृष्ण चंद्र टुडू, आदित्य मित्र 'संताली', हर प्रसाद मुर्मू, यशोदा टुडू, यशोदा मुर्मू, बासुदेव बेसरा।

संताली उपन्यास साहित्य

उपन्यास का सामान्य परिचय, उद्भव, विकास, तत्व व विशेषताएं।

संताली उपन्यास – हाड़मावाक् आतु (हाटिञ – होहोरहो खोन हाटिञ – दिसोम कुलही दुडुप् हाबिच्।)

लेखक – रॉबेन रोसेन किस्कू 'रापाज़'।

संताली नाटक साहित्य

संताली नाटक का सामान्य परिचय।

नाटक का व्युत्पत्ति और परिभाषा, नाटक के तत्व, प्रकार, उद्देश्य एवं महत्व, अभिनय तथा रंगमंच।

नाटक – जुरी खातिर, राही रावांक् काना।

नाटककार – डॉ. के. सी. टुडू, भोगला सोरेन।

Secondary Acharya Syllabus - Bangla

1. Bangla Sahityer Itihas (Charyapad to Rabindranath)
2. Bhashatattwa (Bhasha – Upabhasha, Dhaniparibartaner Sutra, Shabda Bhandar, Shabdartha Tattwa, Prachin Bharatiya, Nabya Bharatiya, Madhya Bharatiya Arjabhasha, Prachin, Madhya O Adhunik Bangla Bhashar Baishistya)
3. Shrikrishna Kirtan – Baru Chandidas (Bangshikhanda)
4. Baishnab padabali (Selected poems) (Chira Chandana Ure, Sai keba sunaela Shyam mam, Kantaka gari Kamalasan, Ruplagi akhi jhure, Amar Shapati laga, Heda Re nadiabashi kar mukh chao, Tatal Saikate, Deikha Ailam Tare, Mandira bahiree kathin kapat)
5. Meghhnadbadh – Madhusudan Dutta (Chapter 1 – 4)
6. Geetanjali – Rabindranath Thakur (1, 2, 4, 5, 106, 108, 143, 147)
7. Gora – Rabindranath Thakur
8. Krishnakanter Wil – Bankim Chandra Chatterjee
9. Grihadaha – Sharat Chandra Chattopadhya
10. Neeldarpan – Dinabandhu Mitra
11. Raktakarabi – Rabindranath Thakur
12. Bengali Grammar – Samas, Sandhi, Karak, Ak Kothay Prakash
13. Jharkhander Loksahitya – Janajati, Lokgiti, (Tusu, Jhumur, Karam Jawa, Bandana
14. Prachya O' Pashchatya Sahitya Tatwa - Alankarbad, Bakrokti, Rasabad, Dhanibad, Ouchittya, Tragedy, Comedy, Mahakabya, Katharsis

(76)

15. Punascha, Chitra – Rabindranath Thakur

16. Subha, Manihara, Rabibar, Laboratory – Rabindranath Thakur

17. Kamala Kanter Daptar – Bankim Chandra (Biral, Barabajar, Aka, patanga)

Prachin Sahitya – Rabindranath Thakur
(Ramayan, Kabyer Kabekshita, Shakuntala)

Prabanda Sangraha – Pramàtha Choudhary
(Sabuj patrar Mukhapatra, Boipara, Sahitya Khela

Sahityacharcha – Buddhadeb Basu
(Ramayan, Rabindranath o Uttarsadhate Shishurahitya

18. Aranyak – Bibhutibhushan Bandyopadhyay
Kabi – Tarashankar Bahdyopadhyay
Padma Nadeer Majhi – Manik Bahdyopadhyay
Subarnalata – Ashapurna Devi

19. Subodh Ghosher Chhotogalpa
Fasee, Sundaram
Banaphuler Chhoto galpa – Budhni, Tajmahal, Neemgachh

Secondary Acharya Syllabus - Mundari

1. मुण्डारी व्याकरण–
    - वर्ण विचार (बनि मुंडि)
    - शब्द विचार (टुंड़ मुडि)
    - वाक्य विचार (बकंड़ा मुंडि)
    - संज्ञा (मेता)
    - सर्वनाम (नड.मेता)
    - क्रिया (उद्‌म)
    - क्रिया विशेषण (उद्‌म गमनड.)
    - लिंग (जति)
    - वचन (सकम)
    - कारक (गनलड.)
    - काल (बेड़ा)
    - प्रत्यय (गनतिन)
    - पर्यायवाची (निद् लेका ओरोतो उड्डोःतन टुड.को)
    - अनेक शब्दों का एक शब्द (संगि टुड.को रअः एस्‌कर टुड.)
    - मुहावरा (जोनोका कजि)

2. मुण्डारी भाषा विज्ञान–
    - मुण्डारी भाषा का सामान्य परिचय
    - मुण्डारी भाषा की परिभाषा
    - मुण्डारी भाषा का उद्‌भव और विकास
    - मुण्डारी भाषा का स्वरूप
    - मुण्डारी भाषा का क्षेत्र विस्तार
    - मुण्डारी भाषा का परिवारिक वर्गीकरण
    - मुण्डारी भाषा की विशेषताएँ
    - मुण्डारी भाषा के परिवर्तन के कारण
    - ध्वनि विज्ञान एवं ध्वनि परिवर्तन के कारक तत्व
    - पद विज्ञान एवं पद परिवर्तन के कारक तत्व
    - वाक्य विज्ञान एवं वाक्य परिवर्तन के कारक तत्त्व

3. मुण्डारी लोक साहित्य

- मुण्डारी लोकगीत की परिभाषा, वर्गीकरण, महत्व, विशेषता, उपादेयता
- लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, मिथक, लीजेन्ड, मुहावरा, कहावतें एवं पहेलियों का वर्गीकरण, महत्त्व विशेषताएँ, लोक साहित्य और संस्कृति
- धरती एंगः होन कुड़ि (धरती की बेटी)
- धरती एंगः बै एनेटे (धरती और मनुष्य)
- मुण्डा कोवः उपुतन (मुण्डाओं की उत्पति)
- सोना लेकन दिसुम (सुनहले देश की खोज)
- जादुर, ओर जादुर, गेना खेमटा, करम
- बा, करम, सोहराई
- कजि रअः जुगुतुको (कहावत)

4. मुण्डारी कविता

- बान्दु नाड़ि हादोः रेओ (बान्दु लता के कट जाने पर भी)
- इचा बा हो आलाआकाना (इचाक का फूल खिला है)
- मागे फागुनदो सेनोःजना (माघ–फागुन का समय)
- पोकेला हो हातु नुतुम (पोकेला गाँव का नाम)
- आले हातु तेबागे लोः (हमारे गाँव में तुम्हारे..........)
- ओते सिरमा बाइकिनि (धरती और आसमान बनाने वाला)
- आपि रांगा झण्डा लातार (तिरंगे झण्डे के नीचे)
- आञो एआड. सोंगोल पाड़िआ (माँ, मुझे भी सोंगोल पाड़ साड़ी दो)
- दिसुम ताबु सुगाड़ा (हमारा सुन्दर देश)
- आदिवासी बादालान में (आदिवासी बदलो)
- उरिः गुपिअते गोपाल (गाय चराने के बाद गोपाल)
- जेतए बुरू जेतए दिरि (कोई पहाड़, कोई पत्थर)

5. मुण्डारी कहानी

- नावा कामिनाला (नया धन्धा)
- एन दिलाड. होरा रे (उस दिन रास्ते में)
- हुराड. जालोम (फेंका जाल)
- कुलाए कोअः बालाए (खरगोशों को कष्ट)
- बोंगा हार (भूत निकासन)
- बिरं होनाः नावा इनुड. (बिरं का नया खेल)

- भावल रेन साधू
- तोवा अकिरिङ. कुड़ि ओड़ोः अजगर बिङ.
- डोगे ओड़ोः बिंगा बंगे कुला
- समुइल ओड़ोः ओन्डोका किन
- मियद् रगोसा कुड़ी आद् ए हगेया को
- लण्डिया रोतोड़े बमाड़े
- मेद् अद सोना दिदि

6. मुण्डारी उपन्यास
   - गुइराम
   - रंगा चौडाल रेन पुतुल

7. मुण्डारी नाटक
   - हतुरे दरोग सयोब् (गाँव में दरोगा साहब)
   - हतुरे कमिश्नर् सयोब् (गाँव में कमिश्नर साहब)
   - महाराजा मदरा मुण्डा

1. **हो व्याकरण** -- वर्ण विचार,संज्ञा,सर्वनाम ,लिंग ,वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, पत्यय, वाक्य के भेद ,विपरीतार्थक शब्द और प्रर्यायवाची शब्द ।

2. **हो भाषा के लोकगीत** - लोकगीत की परिभाषा,हो भाषा के लोकगीतों का वर्गीकरण

i. हो दुरंग- 05 आंदि दुरंग - गीत सं. 890,893,911,917 एवं 933.

ii. हो बंकुड़ि ओंडो: दुरं डेम्ब: - 05 मागे दुरंग - गीत सं.08, 20, 29, 33,35.

iii. बा बुरु बोंगा बुरु (भाग 2) - बा दुरंग (गेलेया ताड़)

3. **शिष्टगीत / कविताएं**

i. दिशुम सेवा - कान्हू राम देवगम

ii. गुलाब बड़ा " कान्हू राम देवगम

iii. नेंदे कुड़ि बुगिनाचि नेसेल कुड़ि बुगिन - कान्हू राम देवगम

iv आदिवासी डोंगा - दुर्गा पुरती

v. चुहिलम तिंगुना - दुर्गा पुरती

vi. कारेम नमेया दिसुम - दुर्गा पुरती

vii. जयपाल सिंह जय - दुर्गा पुरती

viii चिन: बु चिकाया - डॉ. जानुम सिंह सोय

ix. सेंया मरसल - डॉ. जानुम सिंह सोय

x. जोजो सकम - डॉ. जानुम सिंह सोय

4. **लोककथा**

हो दिसुम हो होनको (भाग 7) - i. असुर कोरेय: जनागर ii. तुयु ओंडो: गुनरि होनकिञ

iii. तुयु ओंडो: डेडा मुयु iv.अइ बोकोको ओंडो:मियड मिसि
v. राजा होन ओंडो: ओटाङन सदोम

5. शिष्ट कहानी

i. दांडे - घनश्याम गागराई

ii. कुई होंन कोव: ओल पढ़ाव - घनश्याम गागराई

iii. तिह अंका - घनश्याम गागराई

iv. पाटिकर - घनश्याम गागराई

v. समपव - अनुराधा मुंडु

vi. ततङअ: दुलड़ - डॉ. इन्दिरा बिरुवा

vii. बरिया हड़ाकिङ रेय: कत्हा - डॉ.प्रदीप कुमार बोदरा

viii. अम: उंबुल अमगे ओतोङ - सिकंदर बुड़ीउली

6. नाटक

i. षार होरा (भाग 1)

ii. मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा – पेज सं.- 07 से 30 तक

7. उपन्यास

i. हो कुड़ि - पेज सं. - 01 से 53 तक

ii. पोवासि - हितड 01 से हितड 04 तक

8 साहित्यकारों का जीवन परिचय एवं उनकी कृतियाँ –

i. कान्हू राम देवगम ii सतीश कुमार कोड़ाह iii. दुर्गा पुरती iv. लाको बोदरा v. फादर डीनी
vi. आदित्य प्रसाद सिन्हा vii. धनुर सिंह पुरती viii डॉ.जानुम सिंह सोय

Secondary Acharya Syllabus - Kudukh

कुँड़ुख़ लोक साहित्य

कुँड़ुख़ भाषा साहित्य का सामान्य परिचय।

कुँड़ुख़ लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, प्रकीर्ण साहित्य - लोकोक्ति , मुहावरे, पहेली, मंत्र, खेलगीत - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएं, महत्व।

कुँड़ुख़ व्याकरण

कुँड़ुख़ व्याकरण का सामान्य परिचय।

व्याकरण की परंपरा, व्याकरण की आवश्यकता एवं विशेषताएं।

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन, लिंग, कारक, क्रिया, क्रिया विशेषण, वाक्य, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, वर्ण विचार, शब्द विचार एवं वाक्य विचार - परिभाषा व भेद।

कुँड़ुख़ भाषा विज्ञान

कुँड़ुख़ भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय , परिभाषा, नामकरण, उद्भव-विकास, स्वरूप, क्षेत्र विस्तार, पारिवारिक वर्गीकरण, विविध रूप, विशेषता, भाषा परिवर्तन के कारण।

ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान - परिभाषा, प्रकार एवं उपयोगिता।

लिपि एवं मानकीकरण - समस्याएं एवं समाधान।

कुँड़ुख़ कविता

कुँड़ुख़ कवियों का सामान्य परिचय एवं उनकी कविताएं ।

कुँड़ुख़ कविता साहित्य का इतिहास - सामान्य परिचय, रस, छंद, अलंकार, परिभाषा एवं प्रकार।

कुँड़ुख़ कविताएं:- बकपूंप, बगान पेल्लो, फुट्लंगो, अचरन ची अयंग , आल दसा, सिलागाई ता बीर बुधु भगतस, ओ-ड़ा, नमागे ननना मनो, सोड़ा मंडी, झारखंड ता कुँड़ख़र।

कुँड़ुख़ कहानी

कुँड़ुख़ गद्य साहित्य का सामान्य परिचय एवं कहानियां।

कुँड़ुख़ गद्य साहित्य एवं कहानी का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि , उद्भव-विकास, लेखन परंपरा - पत्र-पत्रिकाएं, विशेषताएं, समस्याएं व संभावनाएं।

कहानी की परिभाषा, कहानी के तत्व, कहानी का स्वरूप तथा कहानी कहने के शैली व महत्व।

कुँड़ुख़ कहानियां:- लॉटरी, डायरी, उढ़ारी, चप्पल, बुझुर'आ पोलना, ठकउर उन्दुल ठकरनर, मदगी लड्डा, रिस्ता, उढ़ियारा पिंजड़ा ता मयना, रोहतासगढ़ काना बरना।

कुँड़ुख़ उपन्यास

उपन्यास का सामान्य परिचय एवं उपन्यासकार।

उपन्यास का प्रादुर्भाव, उपन्यास शब्द की व्याख्या और परिभाषा , उपन्यास के तत्व एवं उपन्यास के प्रकार, उद्भव-विकास, महत्व एवं विशेषताएँ।

कुँड़ुख़ अनुवाद

अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, महत्व, उद्देश्य, क्षेत्र, समस्याएं एवं संभावनाएं।

Secondary Acharya Syllabus - Kurmali

1. कुरमाली लोक साहित्य

कुरमाली लोक साहित्य का सामान्य परिचय, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।
लोकगीत - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।
लोकगीत - करम गीत, बांदना गीत, टुसु गीत, बिहा गीत, डमकच गीत, ढप गीत, उधवा गीत, डाइड़धरा गीत, सरहुल गीत।
लोक कथा - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।
लोक कथा - करम की कथा (करम-केहनि), बाँदना पर्व (सोहराई), टुसू पर्व की कथा, बुढ़िया और पूँछ कटा सियार (बूढ़ी और बाँड़ा सियाड़), नाटा आदमी (बीतना), रोटी का पेड़ (पिठाक गाछ), विधवा का पुत्र-गामदा, सियार और मुर्गा (सियाड़ आर साँढ़ा), हाथी और कठफोड़वा (हाथी आर काठखटकी), धैर्य से सब काम होता है (धीरजे कारण सिद्ध), चरवाहा और परियाँ (गरखिया आर परी), सात भाई और एक बहन, कलावती, पृथ्वी की सृष्टि कैसे हुई, कोयल घोंसला क्यों नहीं बनाती? (कोइलिंइ खंधा काहेनि बनावत), स्वर्ण रेखा नदी की उत्पत्ति, मछली की हँसी (माछेक हाँसी), बूढ़ा और ब्राह्मण (बूढ़ा आर बामन), कौआ और करैला, गौरैया (गेरूआ), कन बिहाई दुई गड़े आरता, जाँचले जवाइं पिठा नि खाइ, भिनसार हेले ढेंकी चाटे जाइ, अपना पराया होता है और पराया अपना।
लोक नाट्य - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।
लोक नाट्य - छव/छउ नाच, नटुवा, डमकच, कठपुतली नाच।
प्रकीर्ण साहित्य - लोकोक्ति, मुहावरे, पहेली - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

2. कुरमाली व्याकरण

कुरमाली व्याकरण का सामान्य परिचय, व्याकरण की परम्परा, व्याकरण की आवश्यकता, विशेषताएँ, वर्ण विचार, शब्द विचार, वाक्य विचार, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, पर्यायवाची, समानार्थक शब्द, अनेक शब्दों का एक शब्द, मुहावरा।

3. कुरमाली भाषा विज्ञान

कुरमाली भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय, परिभाषा, उद्‌भव और विकास, स्वरूप, क्षेत्र-विस्तार, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, ध्वनि विज्ञान एवं ध्वनि परिवर्तन के कारक तत्व, पद विज्ञान

(55)

एवं पद परिवर्तन के कारक तत्व, वाक्य विज्ञान एवं वाक्य परिवर्तन के कारक तत्व, अर्थ विज्ञान एवं अर्थ परिवर्तन के कारक तत्त्व, लिपि एवं मानकीकरण - समस्याएँ एवं समाधान।

4. कुरमाली कविता

कुरमाली कवि का सामान्य परिचय एवं उनके कविता।

कविताएँ - हेकिस कने तञ ?, मधु मारों, निरन, दागा, पिआके साजाउअलि, आनार बानार, फरकट, मरम, भादइरा डिनि माञ, सबरनीमा, एक धानकाटा नारी, कोन आपन कोन पर, समुन्दरे गरजेइस गर्जन, मुनि श्री सृष्टिधरेक स्मरणे, लीपी चड़ई, बाँधन मुक्ति, शिबाजी कर राजतिलक, मनुस्मृति दहन, एकटा गाछे दुइटि चेरेइ, गनति, भाठि, पाथर देवता, रहलँ पिआसे पानि नाभि के, एक टपा सिंदुर, जगमहनि, भगुआ पिंधाक तरहअ, किना दसे हेलि मरन, खाँखुस, मनेक काथा रहिए गेलि अन्तरे, आइझअ मन काँदे तर लागि, मायेक भाखा, खाटिकन खाउएआ, बिरसा, बिसरिस ना माइं, माइं भूइं कांदेक हामर, धंधौरा, भुइं माइं, गुंगु माञ, माइं भुइं हेकि रानी।

5. कुरमाली कहानी

कुरमाली कहानी का सामान्य परिचय, कहानी एवं कहानीकार।

कहानियाँ - भिदिड़भांग, जेनि जाँगड़ा, बिहाञ भटभटि, फहम धुँगा, आँधार-आलअ, भगबान आहे, जगा, सिकारिए सिकार, दिसा, ढेकि सॉप, धखा, बाउनडुला बांग।

6. कुरमाली उपन्यास

कुरमाली उपन्यास का सामान्य परिचय, उपन्यास एवं उपन्यासकार।

उपन्यास - गांधीक जय।

7. कुरमाली नाटक

कुरमाली नाटक का सामान्य परिचय, नाटक एवं नाटककार।

नाटक - चासिक हाल, परेक लगने बिहा, भूति।

Secondary Acharya Syllabus - Nagpuri

नागपुरी लोक साहित्य

इकाई 1. लोकगीत : परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ व महत्व ।

इकाई 2. पारम्परिक राग-रागिनी : परिभाषा व वर्गीकरण (राग-ताल, नृत्य व वाद्ययंत्र)

इकाई 3. लोक कथा : परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ व महत्व । लोक कथा : सीत-बसंत, खुदबुदिया, लउवा कर बोझ, चन्द्रहार, गीध-गीधिन, गुरू आउर चेला, गुँड़री चरइ कर छउवामन, बितना राम, बरदान, चाइर इयार ।

इकाई 4. प्रकीर्ण साहित्य : लोकोक्ति, मुहावरे, पहेली, मंत्र, खेलगीत - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ व महत्व ।

नागपुरी व्याकरण

इकाई 1. व्याकरण की परम्परा, व्याकरण की आवश्यकता, विशेषताएँ ।

इकाई 2. ध्वनि, वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन, लिंग : परिभाषा भेद व विशेषताएँ ।

इकाई 3. कारक, क्रिया, क्रिया-विशेषण, वाच्य, अव्यय, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, समास : परिभाषा, भेद व विशेषताएँ ।

नागपुरी भाषा विज्ञान

इकाई 1. नागपुरी भाषा का परिचय, परिभाषा, उत्पत्ति, विशेषता, भाषा परिवर्तन के कारण, बोली और भाषा में अन्तर ।

इकाई 2. ध्वनि, शब्द, पद, वाक्य, अर्थ व अनुवाद विज्ञान : परिभाषा, प्रकार, उपयोगिता ।

इकाई 3. लिपि और मानकीकरण : समस्याएँ, समाधान व सम्भावनाएँ ।

नागपुरी पद्य साहित्य

इकाई 1. नागपुरी पद्य साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय (क) प्राचीन काल, (ख) मध्यकाल एवं (ग) आधुनिक काल ।

इकाई 2. नागपुरी भाषा का महाकाव्य, प्रतिनिधि खण्ड काव्य एवं गीतिकाव्य : परिचय, परिभाषा, भेद व विशेषताएँ ।

इकाई 3. शब्द शक्ति, काव्य के गुण-दोष, रस, छन्द, अलंकार : परिभाषा, भेद व प्रकार ।

इकाई 4. नागपुरी के प्रतिनिधि कवि एवं कविताएँ : बहत ही-बोहात ही, सत्यार्चन, सितार, राइतक बरखा, डाइन बिसाही, आइर फोरा, भरम, जगत-जननी, नागपुरक रिझ-रंग, कोइली, हेजाय गेलक हीरानागपुर, झारखंडक लाल ।

नागपुरी गद्य साहित्य

इकाई 1. नागपुरी भाषा का उद्‌भव-विकास, लेखन परम्परा, नामकरण, विशेषताएँ, क्षेत्र-विस्तार, नागपुरी भाषा-भाषी समुदाय एवं जनसंख्या, प्रतिनिधि पत्र-पत्रिकाएँ ।

इकाई 2. नागपुरी गद्य साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय, नागपुरी शिष्ट कहानी का उद्‌भव-विकास, तत्व व विशेषताएँ ।

इकाई 3. नागपुरी के प्रतिनिधि कहानी व कहानीकार : सामान्य परिचय ।

इकाई 4. नागपुरी के प्रतिनिधि कहानी : काँटी, सोना, रद्दी कागज, खिसमस कर सांझ, मालती, रिझो, रूगड़ा, नगाड़ा, परदेसी बेटा, चंदरू, चमरा, दोस ।

नागपुरी उपन्यास

इकाई 1. उपन्यास का प्रादुर्भाव, उपन्यास शब्द की व्याख्या और परिभाषा, उपन्यास के तत्व एवं उपन्यास के प्रकार ।

इकाई 2. नागपुरी उपन्यास का उद्‌भव-विकास, तत्व व विशेषताएँ ।

इकाई 3. नागपुरी के उपन्यास व उपन्यासकार : सामान्य परिचय ।

इकाई 4. नागपुरी उपन्यास : संकर...गोटेक जिनगी, पुगरी ।

नागपुरी नाट्य साहित्य

इकाई 1. नाटक : व्युत्पत्ति, परिभाषा, तत्व, उद्देश्य, महत्व, अभिनय तथा रंगमंच ।

इकाई 2. नागपुरी नाट्य साहित्य की परम्परा, नागपुरी नाटक एवं एकांकी ।

इकाई 3. नागपुरी के नाटक व नाटककार : सामान्य परिचय ।

इकाई 4. नागपुरी नाटक : हीरा नागपुर कर हीरा, असुर कन्या ।

Secondary Acharya Syllabus- Panchparganiya

1. पंचपरगनिया भाषा का परिचय

पंचपरगनिया भाषा का सामान्य परिचय, परिभाषा, नामकरण, उद्भव और विकास, स्वरूप, क्षेत्र विस्तार, पारिवारिक वर्गीकरण, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, लिपि एवं लिपि की समस्या। ("पंचपरगनिया भाषा" – परमानन्द महतो)।

2. पंचपरगनिया भाषा का व्याकरण

वर्ण विचार, शब्द विचार, वाक्य विचार, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल, अव्यय, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, पर्यायवाची शब्द, समानार्थक शब्द, अनेक शब्दों का एक शब्द, विपरीतार्थक शब्द। ("आदर्श पंचपरगनिया व्याकरण" – डॉ. करमचन्द्र अहीर)

3. पंचपरगनिया लोक गीत

करम गीत, विवाह गीत, संहरइ गीत एवं टुसु गीत का अर्थ, परिभाषा, विशेषता, वर्गीकरण एवं महत्व। (करम एवं विवाह गीत – "पंचपरगनिया लोकगीतों में सौन्दर्य–बोध" – डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह। संहरइ एवं टुसु गीत – "पंचपरगनिया लोकगीतों में जनजीवन" – डॉ. अम्बिका स्वाँसी)।

4. पंचपरगनिया लोक कथा

इकाई 1. – पंचपरगनिया लोक कथा – अर्थ, परिभाषा, विशेषता, वर्गीकरण एवं महत्व। ("पंचपरगनिया लोक साहित्य" – डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह)

इकाई 2. – पंचपरगनिया लोक कथा – पँठी रानी, रन भँइसी, ठकुआं आर भिखुआ, बिएजरी आर पाँच परी, पाँच राही आर पाँच सवाल, चालाक बिलाइ, न आर छ केर झागड़ा, गनक ठाकुर आर तीन चर, मामा भइगना, सतनाराइन काथा, करमा धरमा केर काथा, जितुआ बरत काथा, भगमान केर दरसन, बाघ आर दुइ बहिन, गोपाल भाँड़, कुदरा आर नउआ, मुनगा साग आर सात भाइ, दुध केर दुध आर पानी केर पानी, आसल सूझ एवं चारवाहा आर हिरा का अध्ययन आवश्यक होगा। (पंचपरगनिया लोक साहित्य और संस्कृति – श्री परमानंद महतो एवं डॉ. दीनबंधु महतो)

5. पंचपरगनिया प्रकीर्ण साहित्य

पंचपरगनिया लोकोक्ति, मुहाबरा एवं पहेली (जान कहनी) का सामान्य परिचय। ("पंचपरगनिया प्रकीर्ण लोक साहित्य"– डॉ. दीनबंधु महतो एवं पुष्पा देवी)

6. पंचपरगनिया कविता

इकाई 1. – जीवन पथेक फुल

परमानंद महतो – संसकीरति, मातरिभासा, संभउरा, हरिहर चसमा, मुकति, डहर साफा करब, पुरना चिन्हा, बिरहिनी, मने राखबूँ तके मएँ एवं दहेज।

राजकिशोर सिंह – उदबेग, तएँ सुंदर, बइरसा आलक, मानब मन, मएँ आर मर कल्पना, बेथा, बलिदान, लर, बरिसा एवं एकटा अनुभब।

सृष्टिधर महतो – झागड़ा, नावाँ जागरन एवं सावन मास।

दुःखहरन नायक – जिनगी, आगबाढ़ा गीत एवं चंचल मन।

इकाई 2. – पंचपरगनिया गीत पुष्प माला

तृतीय खण्ड "आधुनिक गीत" – छोटानागपुर, मानव जीवन की चार अवस्था, शराब एवं जुवा और शिक्षा।

7. पंचपरगनिया कहानी साहित्य

पंचपरगनिया कहानी का सामान्य परिचय, परिभाषा, तत्व , उद्भव–विकास एवं कहानीकार।

क. पुस पीठा – बखी डाइन, आँधी, पुस–पीठा, परास आर सिमइर फुलेक सुगंध, बेटी, इन्साफ केर हाँक, अन्तर केर फेर और कांड' कहानियों का अध्ययन।

ख. जदि एसन हतक हले का हतक – बुधनी केर तीन राइत, मिस सुनीता केर स्वयंबर, छुआ केर तेहें, प्रीति केर कहनी और जदि एसन हतक हले का हतक कहानियों का अध्ययन।

8. पंचपरगनिया उपन्यास साहित्य

पंचपरगनिया उपन्यास का सामान्य परिचय, परिभाषा, तत्व , उद्‌भव–विकास एवं उपन्यासकार। पंचपरगनिया उपन्यास – इंजत (श्री राजकिशोर सिंह) का सम्पूर्ण अध्ययन।

9. पंचपरगनिया नाटक साहित्य

पंचपरगनिया नाटक का सामान्य परिचय, परिभाषा, तत्व , उद्‌भव–विकास एवं नाटककार। पंचपरगनिया नाटक – जुलुम (सृष्टिधर महतो) का सम्पूर्ण अध्ययन।

10. पंचपरगनिया के आधुनिक साहित्यकारों का सामान्य परिचय

डॉ. करम चंद्र अहीर, परमानंद महतो, राजकिशोर सिंह, डॉ. दीनबंधु महतो, सृष्टिधर महतो, दुःखहरन नायक, आशुतोष कोइरी, एवं संतोष साहु, । (आधुनिक पंचपरगनिया साहितकार आर कलाकार – डॉ. पराग किशोर सिंह)।

(1c

Secondary Acharya Syllabus - Khortha

खोरठा व्याकरण

वर्ण–विचार, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन, क्रिया, कारक, काल, समास, उपसर्ग–प्रत्यय, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द और पर्यायवाची शब्द।

खोरठा लोक साहित्य

लोकगीत – परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व
खोरठा लोकगीतों की पारंम्परिक राग–रागिनियाँ के नाम, स्वरूप एवं वाद्ययंत्र
लोककथा एवं लोकनाट्य –परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व
प्रकीर्ण साहित्य –लोकोक्ति, मुहावरे, पहेली, मंत्र, खेलगीत–परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व

खोरठा कविताएँ

आँखीक गीत – खोरठा हाय खोरठा, नाँच बाँदर नाँच रे, जोदी खोजा मान
रूसल पुटुस – अपसंसकिरति, आब ना रहा पाटाइल, ना पुछ हामिन हिंया
कइसे जीय–ही, बेरा रहइथीं बारा बाती, रूसल पुटुस, जुलूम,
आब धरबो लाआठी, ढीठ, ए मानुस, छीन लेलक सोनाक थारी,
अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, विरोधाभास, अतिश्योक्ति, मानवीकरण।

शिष्ट कहानी :–

1. उबार, 2. मलकी बहू, 3. ओद दीदा, 4. हूब 5. हेराइल हाँसी, 6. उदासी, 7. दीदीजी, 8. करमा 9. नीम छिछकी, 10. चाटाइन कोचाक चुड़ीन 11. जमीक हाँक 12. दातुन वाली बुढ़िया

खोरठा नाटक :–

1. उद्‌भासल कर्ण (एकांकी / नाटक)
2. मेकामेकी न मेटमाट (नाटक)

(9)

खोरठा उपन्यास :-

1. जिनगीक टोह
2. भगजोगनी

खोरठा साहित्यकारों का जीवन परिचय एवं उनकी कृतियाँ

श्रीनिवास पानुरी, भुनेश्वर दत्त शर्मा व्याकुल, डॉ.ए. के. झा, विश्वनाथ दसौंधी राज, शिवनाथ प्रमाणिक, श्याम सुन्दर महतो 'श्याम', विश्वनाथ नागर, डॉ. बी.एन.ओहदार, डॉ.बिनोद कुमार, डॉ. कुमारी शशि

Secondary Acharya Syllabus- Artificial Intelligence and Coding

Fundamentals of Artificial Intelligence

Introduction to Artificial Intelligence- History and evolution of AI, Types of AI (Narrow/Weak AI vs General/Strong AI), Applications of AI in various domains, Ethical considerations in AI

Intelligent Agents- Agent architectures, Environment types, Rational agents, Performance measures

Problem-Solving and Search- Problem formulation, Uninformed search strategies (BFS, DFS, UCS), Informed search (A*, heuristic search), Constraint satisfaction problems

Knowledge Representation and Reasoning- Logic-based representation (propositional and predicate logic), Rule-based systems, Semantic networks and frames, Ontologies and knowledge graphs

Machine Learning and Deep Learning

Machine Learning Fundamentals- Types of learning (supervised, unsupervised, reinforcement), Training, validation, and testing, Overfitting and regularization, Evaluation metrics

Supervised Learning- Linear and logistic regression, Decision trees and random forests, Support vector machines, K-nearest neighbors

Unsupervised Learning- Clustering algorithms (K-means, hierarchical), Dimensionality reduction (PCA), Association rule learning, Anomaly detection

Neural Networks- Perceptrons and multilayer networks, Activation functions, Backpropagation, Optimization algorithms

Deep Learning- Convolutional neural networks, Recurrent neural networks and LSTM, Transfer learning, Generative models (GANs, VAEs)

Natural Language Processing- Text preprocessing techniques, Word embeddings (Word2Vec, GloVe), Sequence models for NLP, Transformers and attention mechanisms

Data Structures for AI- Graphs and their representations, Priority queues and heaps, Hash tables, Trees for search (BST, AVL, Red-Black)

Programming for AI (Python)- Python syntax and data structures, NumPy, Pandas for data manipulation, Matplotlib, Seaborn for visualization, Object-oriented programming in Python

AI Libraries and Frameworks- TensorFlow and Keras, PyTorch, Scikit-learn, NLTK and spaCy

Applications and Projects

Computer Vision- Image processing fundamentals, Object detection and recognition, Image segmentation, Face recognition and emotion detection

Robotics and Automation- Robot kinematics, Path planning algorithms, Sensor integration, Multi-agent systems

AI in Games- Game trees, Minimax algorithm and alpha-beta pruning, Monte Carlo methods, Reinforcement learning for games

AI Project Development- Project life cycle for AI applications, Data collection and preparation, Model selection and training, Evaluation and deployment

Secondary Acharya Syllabus- Computer Science

Fundamentals of Computing

History and Evolution of Computers- Generations of computers and their characteristics, Types and classification of computers, Basic computer organization

Computer System Architecture- Von Neumann architecture, Processor, memory, input/output devices, Motherboard and its components, Storage devices and their types

Number Systems and Computer Arithmetic- Binary, octal, decimal, and hexadecimal number systems, Number system conversions, Binary arithmetic and Boolean algebra, Binary encoding schemes (ASCII, Unicode)

Operating System Fundamentals- Types and functions of operating systems, Process management and scheduling, Memory management, File system and storage management

Programming Concepts and Data Structures

Programming Fundamentals- Algorithms and flowcharts, Programming paradigms (procedural, object-oriented, functional), Compilers, interpreters, and assemblers, Syntax and semantics

Programming Language (C++)- Data types, variables, and constants, Operators and expressions, Control structures (conditional statements, loops), Functions and parameter passing, Arrays and strings, File handling

Object-Oriented Programming- Classes and objects, Inheritance, polymorphism, encapsulation, abstraction, Method overloading and overriding, Exception handling

Data Structures- Linear data structures (arrays, linked lists, stacks, queues), Non-linear data structures (trees, graphs), Searching and sorting algorithms, Analysis of algorithms (time and space complexity)

Database Management Systems

Database Concepts- Database models (relational, hierarchical, network), Entity-relationship model, Relational data model, Normalization (1NF, 2NF, 3NF, BCNF, 4NF)

SQL- DDL, DML, DCL commands, Creating and manipulating databases and tables, Aggregate functions, Queries, sub-queries, and joins, Views, triggers, and stored procedures

Database Administration- Transaction management and ACID properties, Concurrency control, Database security and backup, Data recovery and restoration

Computer Networks and Internet

Network Fundamentals- Network types (LAN, MAN, WAN), Network topologies, Network devices (routers, switches, hubs), OSI and TCP/IP reference models

Internet and Web Technologies- Internet protocols (HTTP, FTP, SMTP, DNS), IP addressing and domain names, Web development basics (HTML, CSS, JavaScript), Client-server architecture

Network Security- Authentication and authorization, Cryptography basics, Firewall and intrusion detection systems, Common network threats and countermeasures

Discrete Mathematics

Logic and Proof Techniques- Propositional logic and logical operations, Logical equivalence and laws of logic, Predicates and quantifiers, Methods of proof, Mathematical induction, Recursive definitions and structural induction

Set Theory- Sets, subsets, and set operations, Power sets and Cartesian products, Set identities and their proofs, Countable and uncountable sets, Applications in computer science

Relations and Functions- Relations and their properties (reflexive, symmetric, transitive), Equivalence relations and partitions, Partial orderings, Functions (injective, surjective, bijective), Function composition and inverse functions

Emerging Trends

Artificial Intelligence, Machine Learning, Natural Language Processing, Immersive experience (AR, VR), Robotics, Big data and its characteristics, Internet of Things (IoT), Sensors, Smart cities, Cloud Computing and Cloud Services (SaaS, IaaS, PaaS); Grid Computing, Block chain technology.

Secondary Acharya Syllabus- Cyber Security and Data Science

Cyber Security

Introduction to Cyber Security- History and evolution of cyber security, Types of cyber threats and attacks, Cyber security domains (network, application, cloud, IoT), Security principles (CIA triad), Cyber ethics, Cyber laws and IT Act in India

Network Security- Network architecture and protocols, Network security models and frameworks, Network threats and vulnerabilities, Firewalls, IDS/IPS, and VPNs

Cryptography- Symmetric and asymmetric encryption, Hash functions and digital signatures, PKI and certificate authorities, Encryption algorithms (AES, RSA, ECC)

Authentication and Access Control- Authentication factors and methods, Authorization and access control models, Identity and access management, Single sign-on and federated identity

Application Security- Secure coding practices, Common vulnerabilities (OWASP Top 10), Web application security, Mobile application security

Threat Intelligence and Analysis- Sources of threat intelligence, Threat hunting and analysis, Malware analysis techniques, Cyber kill chain and attack frameworks

Security Operations- Security monitoring and SIEM, Incident response procedures, Digital forensics principles, Log analysis and security analytics

Governance, Risk, and Compliance- Information security frameworks, Risk assessment methodologies, Security policies and procedures, Compliance requirements and audits

Emerging Trends in Cyber Security- Cloud security, IoT security, AI/ML in security, Zero trust architecture

Data Science

Introduction to Data Science- Data science process and lifecycle, Types of data (structured, unstructured, semi-structured), Data sources and acquisition methods, Ethics in data science

Data Manipulation and Analysis- Data cleaning and preprocessing, Exploratory data analysis, Statistical methods for data analysis, Data transformation techniques

Data Visualization- Principles of effective visualization, Types of visualizations (charts, graphs, maps), Tools for data visualization, Storytelling with data

Probability and Statistics for Data Science- Descriptive statistics, Probability distributions, Inferential statistics and hypothesis testing, Correlation and regression analysis

Machine Learning for Data Science- Supervised learning algorithms, Unsupervised learning algorithms, Feature engineering and selection, Model evaluation and validation

Big Data Analytics- Big data characteristics and challenges, Distributed computing frameworks, NoSQL databases, Stream processing

Predictive Analytics- Time series analysis and forecasting, Regression models, Classification models, Ensemble methods

Data Science Tools and Technologies- Python for data science (NumPy, Pandas, Scikit-learn), R programming for data analysis, SQL for data manipulation, Big data tools (Hadoop, Spark)

Integration of Cyber Security and Data Science

Data-Driven Security- Security analytics, Threat detection using machine learning, Anomaly detection techniques, Predictive security monitoring

Privacy-Preserving Data Analysis- Privacy regulations (GDPR, CCPA), Anonymization and pseudonymization techniques, Differential privacy, Secure multi-party computation

Security in Data Science Workflows- Securing data pipelines, Model security and adversarial attacks, Secure deployment of ML models, Data protection in analytics platforms

Secondary Acharya Syllabus - Odia

୧. ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ଏବଂ ବ୍ୟାକରଣ

୧.୧ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ଉତ୍ପତ୍ତି ଏବଂ ବିକାଶ

୧.୨ ସମୟ ସହିତ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଧ୍ୱନିଗତ, ଶବ୍ଦାବଳୀ ଏବଂ ଶବ୍ଦଗତ ପରିବର୍ତ୍ତନ - କାରଣ ଏବଂ ଦିଗ

୧.୩ ଓଡ଼ିଆ ଉପରେ ଦ୍ରାବିଡ଼, ଆଦିବାସୀ ଏବଂ ପାରସୀ ଭାଷାର ପ୍ରଭାବ

୧. ୪ ଶାସ୍ତ୍ରୀୟ ଭାଷା ଭାବରେ ଓଡ଼ିଆ ଏବଂ ଓଡ଼ିଆର ଭାଷାର ପ୍ରାଚୀନତା

୧. ୫ ପ୍ରୟୋଗିକ ଓଡ଼ିଆ ବ୍ୟାକରଣ ଏବଂ ସଂରଚନା

୧. ୬ ଅଞ୍ଚଳ ମଧ୍ୟରେ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ବିବିଧତା

୨. ଓଡ଼ିଆ ଲୋକ ସାହିତ୍ୟ

୨.୧ ଓଡ଼ିଆ ଲୋକ କାହାଣୀ - ପ୍ରକାର ଏବଂ ବିବିଧତା

୨.୨ ଓଡ଼ିଆ ଲୋକ ଗୀତ - ପ୍ରକାର ଏବଂ ବୈଶିଷ୍ଟ୍ୟ

୨.୩ ଓଡ଼ିଆ ଲୋକ ନାଟକ - ପ୍ରକାର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟକରଣ

୨.୪ ଓଡ଼ିଆ ଲୋକ ପ୍ରବାଦ

୨.୫ ସିଂହଭୂମିରେ ଓଡ଼ିଆ ଲୋକ ସାହିତ୍ୟ

୩. ପ୍ରାଚୀନ ଏବଂ ମଧ୍ୟଯୁଗୀୟ ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟ

୩.୧ ଚର୍ଯ୍ୟା ଗୀତିକା, ସିଦ୍ଧ, ଏବଂ ନାଥ ସାହିତ୍ୟ - ସାହିତ୍ୟିକ ଏବଂ ସାମାଜିକ-ସାଂସ୍କୃତିକ ବିଶ୍ଳେଷଣ

୩.୨ ସାରଳା ମହାଭାରତ - ପ୍ରଥମ ଓଡିଆ ମହାକାବ୍ୟର ସାଂସ୍କୃତିକ, ଶୈଳୀଗତ, ସାହିତ୍ୟିକ ଏବଂ ଭାଷାଭିତ୍ତିକ ଦିଗ ।

୩.୩ ନିର୍ଗୁଣ ଏବଂ ରହସ୍ୟମୟ ସାହିତ୍ୟ - ଷୋଡଶ ଶତାବ୍ଦୀରୁ ଊନବିଂଶ ଶତାବ୍ଦୀ -

ଜଗନ୍ନାଥ ଦାସ, ବଳରାମ ଦାସ, ଅରକ୍ଷିତ ଦାସ ଏବଂ ଭୀମ ଭୋଇ ଉପରେ ବିଶେଷ ଅଧ୍ୟୟନ

୩.୪ ମଧ୍ୟଯୁଗୀୟ କାବ୍ୟ – ସପ୍ତଦଶ ଏବଂ ଅଷ୍ଟାଦଶ ଶତାବ୍ଦୀ - ଦୀନକୃଷ୍ଣ ଦାସ, ଉପେନ୍ଦ୍ର ଭଞ୍ଜ, ଏବଂ ବଳଦେବ ରଥ – ବିଶେଷ ଅଧ୍ୟୟନ

୪। ଆଧୁନିକ ଓଡିଆ ସାହିତ୍ୟ

୪.୧ ଓଡିଆରେ ପ୍ରତିନିଧୀ ସ୍ଥାନୀୟ ଉପନ୍ୟାସ ଏବଂ କ୍ଷୁଦ୍ର ଗଳ୍ପ -

୪.୧.୧ ଛମାଣ ଆଠଗୁଣ୍ଠ – ଫକୀର ମୋହନ ସେନାପତି

୪.୧.୨ ଅମୃତର ସନ୍ତାନ – ଗୋପୀନାଥ ମହାନ୍ତି

୪.୧.୩ ଅସୂର୍ଯ ଉପନିବେଶ – ଚନ୍ଦ୍ର ଶେଖର ରଥ

୪.୧.୪ ଗଳ୍ପ ସୁଧା – ସମ୍ପାଦନା: କେ ସି ସାହୁ ଓ ପି କେ ପ୍ରଧାନ

କ। ଡାକାମୁନ୍ସି - ଫକୀର ମୋହନ ସେନାପତି

ଖ। ଅନ୍ଧାରୁଆ - ସଚ୍ଚିଦାନନ୍ଦ ରାଉତରାୟ

ଗ। ଅନାହୁତି - ଗୋପୀନାଥ ମହାନ୍ତି

ଘ। ଅନେକ ସ୍ମିତ ହାସ୍ୟ - ମନୋଜ ଦାସ

୪.୨ ପ୍ରତିନିଧୀ ସ୍ଥାନୀୟ ଆଧୁନିକ ଓଡିଆ ନାଟକ ଓ ଏକାଙ୍କିକା

୪.୨.୧ ଭାତ – କାଳୀଚରଣ ପଟ୍ଟନାୟକ

୪.୨.୨ ଅରଣ୍ୟ ଫସଲ - ମନୋରଂଜନ ଦାସ

୪.୨.୩ ତଟ ନିରଂଜନା - ବିଜୟା ମିଶ୍ର

୪.୨.୪ ଏକାଙ୍କିକା - ନାରାୟଣ ସାହୁଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସଂକଳିତ

କ। ସନ୍ଧ୍ୟା ଆସରର ଭୁତ - ପ୍ରଣବନ୍ଧୁ କର

ଖ। ଶୂନ୍ୟ ପଞ୍ଜୁରୀ – ରତ୍ନାକର ଚଇନି

୪.୩ ପ୍ରତିନିଧୀ ସ୍ଥାନୀୟ ଆଧୁନିକ ଓଡିଆ କବିତା

୪.୩.୧ ମୁଁ ହାଟ ବାହୁଡା – ଫକୀରମୋହନ ସେନାପତି

୪.୩.୨ ବନ୍ଦୀର ସ୍ୱଦେଶ ଚିନ୍ତା – ଗୋପବନ୍ଧୁ ଦାସ ୪.୩.୩ ଉଠ କଙ୍କାଳ - ଗୋଦାବରୀଶ ମହାପାତ୍ର

୪.୩.୪ ଯାଦୁଘର - କାଳିନ୍ଦୀ ଚରଣ ପାଣିଗ୍ରାହୀ

୪.୩.୫ ଧରାବତରଣ – ମାୟାଧରମାନସିଂ

୪.୩.୬ ମୌସୁମୀ - ରାଧାମୋହନ ଗଡନାୟକ

୪.୩.୭ ଅସମାପିକା - ସଚ୍ଚିଦାନନ୍ଦ ରାଉତରାୟ

୪.୩.୮ କାଠଘୋଡା ପାଣି ପି' - ବେଣୁଧର ରାଉତ

୪.୩.୯ ଅନ୍ଧ ମହୁମାଛି - ସୌଭାଗ୍ୟ ମିଶ୍ର

୫. ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟର ସାମାଜିକ-ସାଂସ୍କୃତିକ ଇତିହାସ

୫.୧. ପ୍ରାଚୀନ ପର୍ଯ୍ୟାୟ

୫.୨. ମଧ୍ୟଯୁଗୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟ

୫.୩. ଆଧୁନିକ ପର୍ଯ୍ୟାୟ

୫.୪. ସମସାମୟିକ ପର୍ଯ୍ୟାୟ

ପାଠ୍ୟକ୍ରମ ସମିତିର ସଦସ୍ୟ:

୧। **ଡାଃ ବିଧୁ ଭୂଷଣ ଭୂୟାଁ** (ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟ, ସ୍ନାତକୋତ୍ତର ଓଡିଆ ବିଭାଗ, କୋଲ୍ହଣ ବିଶ୍ବବିଦ୍ୟାଳୟ, ଚାଇବାସା)

୨। **ପ୍ରବାସ ରଞ୍ଜନ ସାହୁ** (ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟ, ସ୍ନାତକୋତ୍ତର ଓଡିଆ ବିଭାଗ, ଟାଟା ମହାବିଦ୍ୟାଳୟ , ଚାଇବାସା

English Version of the Syllabus (Odia)

1. Odia Language and Grammar

1.1 Origin and Development of Odia Language

1.2 Phonetical, Vocabularic, and Lexical Changes in Odia Language over Time – Reasons and Aspects

1.3 Influence of Dravidian, Tribal, and Persian Languages on Odia

1.4 Odia as a Classic Language and the Antiquity of Odia

1.5 Applied Odia Grammar and Structure

1.6 Diversity of Odia Language Across Regions

2. Odia Folk Literature

2.1 Odia Folk Tales -Types and Diversity

2.2 Odia Folk Songs -Types and Characteristics

2.3 Odia Folk Plays -Types Specification

2.4 Odia Folk Proverbs

2.5 Odia Folk Literature in Singhbhum

3. Ancient & Medieval Odia Literature

3.1 Charhya Geetika, Siddha, and Natha Literature – Literary and Socio-cultural Analysis

3.2 Sarala Mahabharat – Cultural, Literary and Lingual Aspects of the 1st Odia Epic

3.3 Nirgun and Mystic Literature – 16th Century to 19th Century with Special Focus on Jagannath Das, Balaram Das, Arakhita Das, and Bhima Bhoi

3.4 Medieval Poetry 17th and 18th Century with Special Focus on Dinakrushna Das, Upendra Bhanja, and Baladeva Ratha

4. Modern Odia Literature

4.1 **Representative Fictions & Short Stories in Odia –**

4.1.1 Chhamana Athaguntha - Fakir Mohan Senapati

4.1.2 Amrutara Santana - Gopinath Mahanty

4.1.3 Asurya Upanibesha - Chandra Sekhar Ratha

4.1.4 Galpa Sudha - Edited by K.C. Sahoo and P.K. Pradhan

Readings of:

a. Dakamunshi - Fakir Mohan Senapati

b. Andharua- Sachhidananda Routray
c. Anahuti - Gopinath Mohanthy
d. Aneka Smita Hasya - Manoj Das

4.2. Representative Modern Odia Drama and One-Act Plays

4.2.1. Bhata - Kalicharan Pattaaik
4.2.2. Aranya Phasal - Manoranjan Das
4.2.3. Tata Niranjana - Bijaya Mishra
4.2.4. Ekankika - Compiled by Narayana Sahu
a. Sandhya Asarara Bhuta - Pranabandhu Kara
b. Sunya Panjuri - Ratnakara Chaini

4.3. Representative Modern Odia Poetry

4.3.1. Mun Hata Bahuda - Fakirmohan Senapati
4.3.2. Bandira Swadwesh Chinta -Gopabandhu Das
4.3.3. Utha Kankala - Godabarish Mishra
4.3.4. Jadughara - Kalindi Charan Panigrahi
4.3.5. Dharabatarana - Mayadhar Mansing
4.3.6. Mausumi - Radhamohan Gadanayaka
4.3.7. Asamapika - Sacghhidananda Rautroy
4.3.8. Kathghoda Pani Pee - Benudhar Rauta
4.3.9. Andha Mahumachhi Saubhagya Mishra

5. Socio-Cultural History of Odia Literature

5.1. Ancient Phase

5.2. Medieval Phase

5.3. Modern Phase

5.4. Contemporary Phase

Secondary Acharya Syllabus - Special Education Acharya

Sl. No.	Content	Sub-Contents
1	Introduction to Disabilities	Assessment, Types, Data, Prevalence, Act & Policy, Agencies, Scheme & Benefits, Cause, Prevention, Intervention, Characteristics, Incidence, CBR, Assistive Devices, Disability Certification, Events Day
2	Human Growth & Development	Approaches, Domain of Development, Stages, Concept and principal of development,
3	Contemporary India and Education	History, Foundation, Diversity, Challenges and Trend in Education, Ethics,
4	Learning, Teaching, and Assessment	Teaching Strategies, Curriculum Development, Adaptation and Evaluation, Teaching of Expanded Curriculum
5	Pedagogy of Teaching	Science, Math, & Social Science, Hindi/English, UDL, TLM, Approaches and Methods of Teaching, Instructional Materials
6	Introduction to Education of Students with Disabilities	Challenges, Opportunities, Provisions, Role of stakeholders, Myths & Facts
7	Cross Disability	Importance and Needs of cross disabilities in the current Era,
8	Early Identification, Intervention, and Childhood Care and Education	Assessment, Basic therapeutic intervention, TLM, IEP, Case History, Inclusive ECE, School Readiness.
9	Equitable and Inclusive Education	ICT, Gender, SEDGs, Inclusive Education & Policy Perspectives, Adaptation, Reasonable Accommodation, Concept & Perspective of Inclusiveness.
10	Supportive Skills for the Education of Children with Disabilities	Life Skills, Collaborative Approaches, Vocational Training,
11	Psychology	Application, Psychosocial and Family Issues, Guidance and Counselling, Different Types of Learning, Cognitive Behaviour Therapy, Behaviour Therapy,
12	Co-curricular Activities	Sports, Leisure Activities, Art & Craft, Literary Activities